दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय

वार्षिक प्रतिवेदन

2017-18

संपादकीय समिति

संरक्षक :

प्रो. हरीशचन्द्र सिंह राठौर, कुलपति

पर्यवेक्षण :

प्रो. ओम प्रकाश राय, प्रति कुलपति
प्रो. प्रभात कुमार सिंह, कुलसचिव

समायोजक एवं संपादक :

मो. मुदस्सीर आलम, जनसंपर्क पदाधिकारी (पीआरओ)

सदस्य :

श्री प्रतिश कुमार दास, सहायक निदेशक, राजभाषा
श्री कुमार कौशल, सहायक कुलसचिव, शैक्षणिक
श्री प्रवीण कुमार, सहायक कुलसचिव, डेवलपमेंट
डॉ. सुरेश कुरापति, सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी
श्री निशांत जोशी, अनुभाग अधिकारी, वित्त एवं लेखा
श्रीमती सरिता मिश्रा, हिन्दी अनुवादक
श्री हिटलर प्रसाद, हिन्दी टंकक

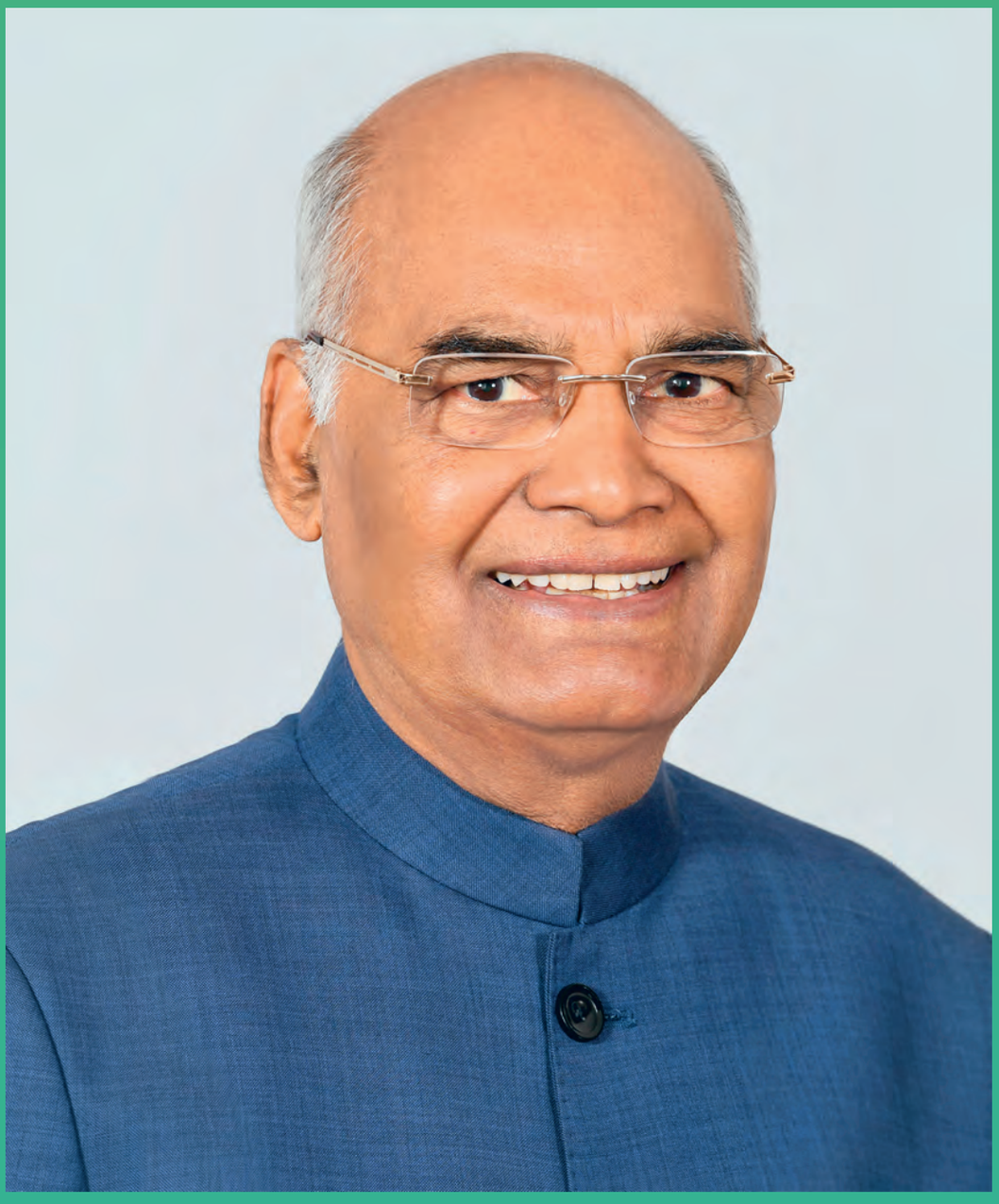

कुलाध्यक्ष

श्री राम नाथ कोविंद

महामहिम, भारत के राष्ट्रपति

कुलपति
प्रो. हरीशचन्द्र सिंह राठौर

प्रति कुलपति
प्रो. ओम प्रकाश राय

कुलसचिव
प्रो. प्रभात कुमार सिंह

वित्ताधिकारी
श्री गिरीश रंजन

परीक्षा नियंत्रक
श्रीमती रश्मि त्रिपाठी

कुलपति की कलम से ...

प्रो. हरीशचन्द्र सिंह राठौर
(डी.ए.ए.डी. एंड हम्बोल्ट फेलो)

वार्षिक रिपोर्ट का प्रत्येक संस्करण एक विश्वकोष है जो विश्वविद्यालय के गुज़रे हुए पलों को एक जगह समेट कर प्रस्तुत करता है ताकि इसके हितधारक इसके वर्तमान के साथ-साथ इसके भविष्य में हाने वाली गतिविधियों एवं उपलब्धियों का भी अवलोकन कर सकें। विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में दायित्वों को निभाने की बड़ी चुनौतियां हैं, विशेषकर दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे उदीयमान विश्वविद्यालय जो कि अभी बड़े परिवर्तन की ओर बढ़ रहे हैं, में यह और भी बढ़ जाती हैं। हालांकि, कुलपति के रूप में अपने दायित्वों को निभाने तथा संस्थान को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए मार्गदर्शन देने का कार्य चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ आत्मिक सुख भी प्रदान करता है।

मेरे अत्यधिक कुशल और शिक्षण केंद्रित शैक्षणिक और गैर-शिक्षण कार्मिकों तथा विद्यार्थियों को बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय को भारत के सर्वोच्च शैक्षणिक संस्थानों की पंक्ति में लाने हेतु हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर पूरी तत्परता से कार्य किया।

शैक्षणिक वर्ष 2017-18 एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा है जिस दौर में विभिन्न पहलुओं में विश्वविद्यालय ने चहुमुखी विकास किया है। सर्वप्रथम शुरूआत विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह की बात से करते हैं जो 27 मार्च, 2018 को पटना के बीआईटी परिसर के सभागार में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक वर्ष 2014, 2015, 2016 और 2017 में उतीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां और पदक प्रदान किए गए। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि पद्म भूषण से सम्मानित आदरणीय डॉ. विजय पी. भटकर थे जो कि सूचना एवं कंप्यूटर प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रसिद्ध वैज्ञानिक हैं तथा जिन्होंने परम सुपर कंप्यूटर विकसित किया था। भारत में सुपर कंप्यूटिंग के जनक कहे जाने वाले डॉ. भटकर ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि,"स्वतंत्रता के बाद भारत ने विकास का बहुत लंबा सफर तय कर लिया है और मुझे विश्वास है 21वीं शताब्दी यकीनन भारत के विकास के नाम रहेगी।" उन्होंने विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि वो देश की परंपरा और मूल्यों का अनुसरण करें तथा प्राप्त सुविधाओं का उपयोग न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए बल्कि सामाजिक विकास के लिए करें। यूजी (स्नातक), पीजी (स्नातकोत्तर) तथा एम.फिल के विभिन्न प्रोग्रामों से अव्वल आने वाले 90 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए जिनमें 5 कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 25 स्कूल स्वर्ण पदक तथा 60 विभागीय स्वर्ण पदक शामिल थे।

दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के अतिरिक्त विश्वविदयालय में पूरे वर्ष तीन नये पाठयक्रमों, पीएचडी, शोध कार्यक्रम, पाठयक्रम का अभ्यास तथा चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) की शुरूआत की गई जिससे विदयार्थियों को पाठयक्रमों के चयन में स्वतंत्रता होगी तथा साथ ही कई कार्यशालाओं, सम्मेलनों, वार्ताओं, इत्यादि का आयोजन किया गया। शैक्षणिक क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ विद्यार्थियों ने यूजीसी जेआरएफ-नेट, गेट जैसी परीक्षाएं उत्तीर्ण कर तथा पूरे देश के विभिन्न संगठनों तथा शैक्षिक संस्थानों में इंटर्नशिप तथा रोजगार अवसर प्राप्त करके अपनी प्रतिभा लोहा मनवाया। अपने शिक्षकों (संकाय सदस्यों) के सफल मार्गदर्शन में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने बहुत से राष्ट्रीय स्तर के खेलकूद प्रतियोगिताओं तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया तथा पुरस्कार स्वरूप पदक जीत कर अपनी मातृ संस्था को गौरवान्वित किया।

जहां तक बुनियादी ढ़ाचें (भवन निर्माण) के विकास की बात है, जो कि किसी भी संस्थान के विकास का महत्वपूर्ण घटक है, मुझे बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा है कि भवन निर्माण का कार्य रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ और विश्वविद्यालय पूर्ण रूप से पंचानपुर स्थित अपने स्थाई परिसर से संचालित है। सीयूएसबी आज अपने 300 एकड़ की भूमि में विकसित हो रहा है तथा उत्तम शिक्षा तथा शोध का स्वागत करते हुए "उत्कृष्ट संस्थान" के रूप में सेवा के लिए तत्पर है तथा "राष्ट्र निर्माण" में अपना योगदान देने के लिए प्रस्तुत है। हम उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो कि आगे आने वाले वर्षों में भी जारी रहेगा और हम सीयूएसबी को एक विश्व स्तरीय सरकारी वित्त पोषित संस्थान बनाने के लिए तत्पर हैं और यह संभव है यदि हम एकजुट होकर इसी जोश और उत्साह से निरंतर कार्य करें।

(प्रो० हरीश चंद्र सिंह राठौर)

प्रमुख उपलब्धियां / कार्यकारी सारांश

इंडिया टुडे रैंकिंग में 25 वां रैंकिंग:

इंडिया टुडे ग्रुप द्वारा किए गए रैंकिंग में दक्षिण बिहार के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत की सर्वश्रेष्ठ सरकारी विश्वविद्यालयों में 25 वां स्थान हासिल किया। सूची इंडिया टुडे के 4 जून, 2018 संस्करण में प्रकाशित हुई थी स्रोत संदर्भ: https://www.indiatoday.in/magazine/india-s-best-universities/story/20180702-think-inc-1265724-2018- 06-24

नए शैक्षणिक कार्यक्रम:

विश्वविद्यालय ने शिक्षा विभाग के तहत अकादमिक वर्ष 2017-18 के दौरान एम.एड. पाठ्यक्रम प्रारंभ किया।

छात्र नामांकन:

विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर के संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया गया जो 10 केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित किया गया था। सेंट्रल यूनिवर्सिटीज कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीयूसीईटी) - 2017 शैक्षिक वर्ष 2017-18 के लिए विभिन्न विषयों के तहत विभिन्न स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए 76 टेस्ट सेंटर में पूरे भारत में आयोजित किया गया। प्रवेश परीक्षा 17-18 मई , 2017 को आयोजित की गई थी। लिखित परीक्षा के माध्यम से 417 उम्मीदवारों ने यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया।

नई नियुक्तियां / पदोन्नति :

शैक्षणिक पद - नियमित रूप से इस अवधि के दौरान 02 संकाय सदस्यों को नियुक्त किया गया है।

गैर-शैक्षणिक पद - 12 गैर-शिक्षण कर्मचारी नियमित आधार पर इस अवधि के दौरान नियुक्त किए गए हैं।

गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की पदोन्नति - प्रदर्शन / विभागीय परीक्षण के आधार पर, 08 गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों को इस अवधि के दौरान पदोन्नत किया गया।

अनुदान :

कुल प्राप्त सहायता अनुदान रु. 66.91 करोड़ रुपये, पिछले वर्ष के अव्ययित अवशेष रु. 68.09 करोड़ रूपये, आंतरिक संसाधनों एवं ट्यूशन शुल्क से प्राप्त आय रु. 6.93 करोड़ रुपये में से विश्वविद्यालय ने 2017-18 के दौरान रु. 72.12 करोड़ रूपये का उपयोग किया।

सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय एक नजर में	1 – 3
2.	सीयूएसबी का द्वितीय दीक्षांत समारोह	4 – 7
3.	सीयूएसबी में सहपाठ्येतर गतिविधियां/आयोजन	8 – 16
4.	स्कूल एवं सेन्टर्स/डिपार्टमेन्ट	17 – 43
	(i) स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायर्नमेंटल साईंसेज	
	(ii) स्कूल ऑफ एजुकेशन	
	(iii) स्कूल ऑफ ह्यूमन साईंसेज	
	(iv) स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर	
	(v) स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस	
	(vi) स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस	
	(vii) स्कूल ऑफ मीडिया, आर्टस् एंड एस्थेटिक्स	
	(viii) स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी	
5.	सीयूएसबी में वार्ता, कार्यशाला, सम्मेलन इत्यादि	44 – 50
6.	छात्र सांख्यिकी	51 – 60
7.	सीयूएसबी से विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां	61 – 62
8.	विश्वविद्यालय के सांविधिक प्राधिकार	63 – 65
9.	सांविधिक प्राधिकार की बैठक	66
10.	नियुक्तियां/भर्तियां	67

सीयूएसबी : एक नजर में

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (2009 की धारा 25) के तहत बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय संशोधित अधिनियम, 2014 के तहत नाम परिवर्तन किया गया) के नाम से हुई। वर्तमान में विश्वविद्यालय गया पंचानपुर रोड पर स्थितगया रेलवे स्टेशन से लगभग 15 कि.मी. दूर पंचानपुर परिसर में कार्यरत है जो कि 300 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय का भव्य प्रवेश द्वार आगंतुकों का स्वागत करता है और आगे विश्वविद्यालय का सुंदर और भव्य प्रशासनिक भवन का मनोरम दृश्य है। विश्वविद्यालय परिसर में दो स्कूल भवन, व्याख्यान सभागार भवन, छात्र-छात्राओं के लिए दो अलग-अलग छात्रावास भवन, एक मेस तथा अन्य भवन स्थित हैं जो आगंतुकों के लिए मनोरम दृश्य प्रस्तुत करते हैं तथा एक शैक्षणिक संस्थान के परिचालन में उत्तम वातावरण प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय विश्व स्तर के शिक्षकों, उच्च शिक्षक-छात्र अनुपात, विभिन्न कार्यक्रमों में वैकल्पिक पाठ्यक्रम की पूरी संरचना के साथ-साथ विश्वविद्यालय के छात्रों के प्रदर्शन के कुल आंतरिक मूल्यांकन के साथ स्नातक (यूजी) एवं स्नात्कोत्तर (पीजी) में चुनाव आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) प्रदान करता है। छात्रों के समग्र व्यक्तित्व के विकास के लिए यह एक समर्थन प्रणाली जिसकी मुख्य विशेषताएं उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने के लिए दृष्टिकोण, नवीन शिक्षण, सुव्यवस्थित ढ़ांचागत सुविधाओं और छात्रों के साथ अनुकूल और प्रभावी अनुसंधान उन्मुख वातावरण हैं। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों के अनुसरण में तथा समाज की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय ने 2009 में प्रारंभ से ही विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा अपना विकास किया है। एक सच्ची और विनम्र शुरूआत के साथ स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसीज़ के तहत सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ की स्थापना की गई जो एमए डेवलपमेंट स्टडीज़ में दो वर्षीय मास्टर ऑफ आर्टस् प्रदान कर रहा है। अगले शैक्षणिक वर्ष 2010-2011 में विश्वविद्यालय ने 5 अतिरिक्त स्नातकोत्तर कार्यक्रम बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस, एनवायरनमेंटल साइंस, मेथेमेटिक्स और स्टैटिस्टिक्स की शुरूआत की। शैक्षणिक वर्ष 2011-12 में 3 और स्नातकोत्तर कार्यक्रम नामत: बायइनफॉरमेटिक्स, कम्युनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज़ एंड साइकोलॉजी को जोड़ा गया। शैक्षणिक वर्ष 2012-13 में 7 नए मास्टर/स्नातकोत्तर कार्यक्रम नामत: लाइफ साइंस, इकोनॉमिक्स, इंगलिश, हिंदी, पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस, सोशियोलॉजी एवं एमटेक कंप्यूटर साइंस को प्रारंभ किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2013-14 में चार वर्षीय इंटीग्रेटेड ड्यूअल डिग्री बीए.बीएड एवं बीएससी.बीएड को स्कूल ऑफ एजुकेशन के तहत तथा पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ डिग्री प्रोग्राम बीए.एलएलबी (ऑनर्स) एवं बीएससी. एलएलबी ऑनर्स को स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के तहत प्रारंभ किया गया। वर्ष 2013 से लगभग सभी विषयों में इंटीग्रेटेड एमफिल.पीएचडी प्रोग्रामों की शुरूआत की गई। वर्ष 2016-17 से यूजीसी नियमों के अनुसार पीएचडी प्रोग्रामों की शुरूआत की गई। एजुकेशन (एमएड) और लॉ (एलएलएम) में भी विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर प्रोग्राम प्रदान की जा रही है। वर्तमान में 18 सेंटर / विभागों द्वारा कुल 04 पूर्व स्नातक (यूजी), 17 स्नातकोत्तर (पीजी) और 12 एमफिल.पीएचडी प्रोग्रामस् संचालित है।

अधिनियम की धारा 5 में यथा उल्लिखित, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के उद्देश्य हैं:

" ... विद्या के ऐसे क्षेत्रों में, जहां विश्वविद्यालय उपयुक्त समझे, शिक्षण एवं शोध की सुविधा प्रदान कर ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना, अपने शैक्षणिक क्रार्यक्रमों के मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संश्लेषित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान करना एवं शिक्षा अर्जन पद्धति तथा अंतरविषयी अध्ययन एवं शोध में अभिनव विचारों को बढ़ावा देने हेतु उपयुक्त उपाय करना, देश के विकास के लिए जनशक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उन्नयन हेतु उद्योग जगत से तारतम्य स्थापित करना तथा लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति, उनके कल्याण तथा उनकी बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास की आर विशेष ध्यान देना।"

केन्द्रीय पुस्तकालय

विश्वविद्यालय के पास अपने परिसर में सभी सुविधाओं से लैस केंद्रीय पुस्तकालय है। पुस्तकालय के पास अद्यतन संस्करण के शीर्षक के पुस्तकों तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स की पर्याप्त वॉल्यूम में संग्रह उपलब्ध हैं। पुस्तकालय ने 25000 से अधिक पुस्तकों का एक संतुलित संग्रह तैयार किया है जो विभिन्न साइंस एवं सोशल साइंस विषयों में शैक्षणिक गतिविधियां, शिक्षण एवं शोध को परिपोषित करती है। सभी पुस्तकों को डेवी डेसीमल क्लासिफिकेशन स्कीम (डीडीसी) की सहायता से बार कोडित तथा शेल्फस् (आलमारियों) में सजाया जा चुका है। पुस्तकालय ने 117 गुणवत्तापूर्ण प्रिंट जर्नल एवं पत्रिकाओं, 444 जर्नल्स की बाउंड वॉल्यूम तथा 100 प्रोजेक्ट रिपोर्ट के साथ विश्व में नामचीन प्रकाशकों के 8200 से अधिक फुल टेक्सट इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स की भी सदस्यता ग्रहण की है। पुस्तकालय सेवाओं में पुस्तकों का परिसंचरण (जारीकरण/वापसी), डेलनेट नई दिल्ली के द्वारा इंटर-लाइब्रेरी लोन, पुस्तकों एवं जर्नल हेतु करेंट अवेयरनेस सर्विस (सीएएस), फोटोकॉपी इत्यादि शामिल हैं। उपयोगकर्ता (यूजर्स) पुस्तकालय में पुस्तकों की उपलब्धता, पुस्तकों की वर्तमान स्थिति, वापसी की नियत तिथि, पुस्तक को रिजर्व होल्ड (पास रखने) की स्थिति को ओपीएसी इस्तेमाल कर जान सकते हैं। विद्यार्थियों संकायों एवं कर्मचारियों की इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच विश्वविद्यालय परिसर में उनके कंप्यूटरों पर ही उपलब्ध हैं। इन संसाधनों तक पहुंच को वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) द्वारा 24x7 संदर्भ सेवा में विस्तारित किया गया है। पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों एवं शनिवार को प्रात: 08:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक खुला रहता है।

सेंट्रल कम्प्यूटर सुविधा

आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर / कंप्यूटर प्रयोगशाला

विभिन्न केंद्रों / विभागों की कंप्यूटिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के पास एक कॉमन कम्प्यूटिंग सुविधा है। कंप्यूटर प्रयोगशाला विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ को उनके सत्रीय कार्यों, परियोजनाओं, शोध निबंधों और शोध संबंधी कार्यों को पूरा करने के लिए एक सेंट्रल कंप्यूटिंग सुविधा उपलब्ध करा रहा है। कंप्यूटर प्रयोगशाला में प्रिंटिंग एवं स्कैनिंग सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। शिक्षकों को व्यक्तिगत डेस्कटॉप / लैपटॉप उनके पुल प्रिंटर के साथ प्रदान किए गए हैं जो उनके व्याख्यानों एवं उनके शोध जरूरतों को पूरा करते हैं लगभग सभी प्रशासनिक डेस्क पर उचित संख्या में डेस्कटॉप के साथ प्रिंटर / फोटोकॉपी की सुविधा प्रदान की जा रही है।

इंटरनेट और इंट्रानेट – इंटरनेट कनेक्टिविटी भारत सरकार की नेशनल मिशन ऑन एजुकेशन थ्रू इन्फॉरमेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी (एनएमई-आईसीटी) योजना के तहत प्रदान की जाती है। सभी कंप्यूटर 1-जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी से जुड़े हुए हैं। गिगाबाइट इथरनेट और ओएफसी बैकबोन से लैस इंट्रानेट नेटवर्क विभागों / केंद्रों, पुस्तकालय, प्रशासन, वर्ग कक्षों में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करती है।

संसाधन – वर्तमान में विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता वाले 500 कंप्यूटर उपलब्ध है। सभी कंप्यूटर अत्याधुनिक ऑपरेटिंग सिस्टम एवं एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर से लैस हैं जो सभी शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करते हैं। कंप्यूटर फॉयरवॉल तथा विश्वसनीय एंटीवायरस सॉफ्टवेयर से सुरक्षित हैं जो कंप्यूटरों को कंप्यूटर वायरस, मालवेयर तथा असुरक्षित पहुंच से बचातेहैं।

ई-लर्निंग उपकरण (एक दृष्टि) – एनएमई-आइसीटी योजना के अंतर्गत, एक दृष्टिवर्ग कक्ष कतिपय विश्वविद्यालयों को एक साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करता जा रहा है और यह विद्यार्थियों के लिए आभासी विश्व का सृजन करता है। यह ज्ञान कैफे की तरह भी काम करता है जहां विद्यार्थी यथार्थ कक्षा के बाद दिए गए व्याख्यान के विषय में विचार-विमर्श / चर्चा कर सकते हैं।

वेबसाइट तथा ई-मेल सुविधा – विश्वविद्यालय का एक पूर्ण कार्यशील वेबसाइट विकसित किया गया है। इसे नियमित रूप से अनुरक्षित और अद्यतन किया जाता है। वेबसाइट का यूआरएल www.cusb.ac.inहै। विश्वविद्यालय के पास विद्यार्थियों एवं अध्यापकों एवं कर्मचारियों को समूह में मेल भेजने की क्षमतावाला शक्तिशाली ई-मेल सिस्टम है।

विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं

आवास सुविधा - वर्तमान में विश्वविद्यालय भुगतान आधार पर अपने परिसर में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास सुविधा प्रदान करता है। वर्तमान में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास के साथ भोजनगृह की सुविधा उपलब्ध है।

स्वास्थ्य संबंधी सुविधा – विश्वविद्यालय के पास अपना स्वास्थ्य केंद्र है जो चिकित्सा अधिकारियों के पर्यवेक्षण में अपने परिसर में विद्यार्थियों को सामान्य रोगों में प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराता है।

विद्यार्थी मेडिक्लेम पॉलिसी – विद्यार्थी मेडिक्लेम विद्यार्थियों के लिए नेशनल इंश्योरंस कंपनी की एक अनोखी पॉलिसी है जो उन्हें स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत दुर्घटना हेतु बीमा प्रदान करती है। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी इस योजना के तहत बीमित हैं जिसके तहत वे अधिकृत अस्पतालों में कैशलेस चिकित्सा सुविधा के पात्र हैं,साथ ही साथ अन्य अस्पतालों में 50,000 रूपए की सीमा तक चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर प्रतिपूर्ति ले सकते हैं।

छात्रवृत्ति योजनाएं - विश्वविद्यालय में योग्य और जरूरतमंद विद्यार्थियों हेतु निम्नलिखित छात्रवृत्ति / सहायतावृत्ति की योजनाएं उपलब्ध हैं : (i) सीयूएसबीईटी/सेमेस्टर टॉपर हेतु (ii) मेधा छात्रवृत्ति मेधा-सह-साधन छात्रवृत्ति (iii)गेट छात्रवृत्ति (iv)अध्ययन सह उपार्जन (ईडब्ल्यूवाईएल) योजना तथा (v)उपस्थिति आधारित मेधा छात्रवृत्ति।

मनोवैज्ञानिक परामर्श और मार्गदर्शन सेवाएं – शारीरिक स्वास्थ्य की तरह मानसिक स्वास्थ्य कार्यकुशलता और उत्पादकता निर्धारित करता है। मानसिक स्वास्थ्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, रचनात्मकता और शैक्षणिक संस्थानों में सौहार्दपूर्ण माहौल के लिए महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय ने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए एक विकसित दृष्टिकोण के साथ संस्थान हेतु एक मनोवैज्ञानिक परामर्श और मार्गदर्शन सेवाओं को अपनाया है।

कैंपस प्लेसमेंट – विश्वविद्यालय के पास एक कैरियर काउंसिलिंग और प्लेसमेंट सेल है जो विभिन्न केंद्रों और विभागों के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट और रोजगार के अवसरों का ख्याल रखता है। कई छात्रों को सत्र 2017-18 के दौरान अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, केयर इंडिया (एनजीओ), गांधी फेलोशिप-पिरामल फाउंडेशन,इत्यादिमें नियुक्ति मिली। मीडिया के विद्यार्थियों को टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स, ईटीवी भारत, हिंदुस्तान दैनिक, प्रभात खबर तथा अन्य मीडिया संगठनों में नियुक्ति मिली।

छात्र कल्याण बोर्ड – डीन छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) कक्षाओं के बाहर के छात्रों को व्यक्तित्व के विकास और आगे बढ़ने में योगदान हेतु सामान्य कल्याण के लिए जिम्मेदार है। डीएसडब्ल्यू का कार्यालय विभिन्न कर्तव्यों और कार्यों को निष्पादित करती है, यथा,(i) विश्वविद्यालय के बाहर शैक्षिक पर्यटन, यात्रा और खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए व्यवस्था बनाना (ii) सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन (iii) छात्र निकायों का गठन (iv) छात्र शिक्षक संबंध (v)जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता और यात्रा के लिए रियायत तथा अन्य सुविधाएं (vi) देश या विदेश में आगे के अध्ययन के लिए फेलोशिप/छात्रवृत्ति की सुविधा (vii)स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाएं (viii)छात्र परामर्श (ix)दिव्यांग छात्रों को या महिलाओं को विशेष सहायता (यदि आवश्यक हों तो) उपलब्ध करना (x)छात्र इनफॉर्मेशन सर्विसेज पूर्व छात्र संघ कुलपति द्वारा प्रत्यायोजित तथा अधिकृत प्रमाण पत्र जारी करना।

खेल और सांस्कृतिक / सह-पाठ्यचर्या गतिविधियां – विश्विविद्यालय में खेलकूद गतिविधियों से संबंधित समिति, सांस्कृतिक गतिविधियां समिति हैं जो वर्ष भर छात्रों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी इन समितियों के समायोजकों के नेतृत्व में राज्य और राष्ट्र स्तर पर प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों में भाग लेते हैं एवं अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करते हैं।

द्वितीय दीक्षांत समारोह – 27 मार्च, 2018

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) ने 27 मार्च, 2018 को पटना में बिड़ला प्रौद्योगिकी संस्थान के सभागार में द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जिसमें सभीउतीर्ण विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई।समारोह के मुख्य अतिथि पद्म भूषण डॉ. विजय पी. भटकर थे जो कि सूचना एवं कंप्यूटर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रख्यात वैज्ञानिक हैं। भारत में सुपर कंप्यूटिंग के जनक माने जाने वाले तथा वर्तमान में नालंदा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। डॉ. भटकर ने पूरे सीयूएसबी परिवार को अपनी स्थापना से 9 वर्ष के कम समय में ही नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए बधाई दी। मुख्य अतिथि ने विश्वविद्यालय की स्थापना तथा उसके शिक्षा संबंधी प्रयासों को कार्यान्वयित होने में संस्थापक कुलपति प्रो. श्री जनक पाण्डेय जी का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने विश्वविद्यालय को सही मार्गदर्शन के साथ आगे बढ़ाने तथा उसके समुचित विकास के लिए वर्तमान कुलपति प्रो. श्री हरिश्चंद्र सिंह राठौर जी की प्रशंसा की। डॉ. भटकर ने विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र (2018-2019) से 6 नए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की शुरूआत करने तथा विश्वविद्यालय के स्थाई परिसर पंचानपुर गया में नए भवनों का निर्माण कराने के लिए बधाई दी। डॉ. भटकर ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से भारत एक लंबा सफर तय कर चुका है, जब वह विश्व के सबसे गरीब देशों में गिना जाता था लेकिन उन्होंने पिछले सात दशकों में इस देश की उड़ान को देखा है। हालांकि, कुल नकारात्मकताओं के बावजूद मुझे इसकी उपलब्धियों पर गर्व है और यह खुशी का विषय है कि भारत अब दृढ़ता से विकास के पथ पर अग्रसर है। यदि सब इसी प्रकार चलता रहा तो मुझे विश्वास है कि 21वीं शताब्दी भारत के नाम रहेगा। जब वो विद्यार्थी थे तो विभिन्न श्रोतों से कोई सूचना प्राप्त करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती थी। हालांकि आज विद्यार्थियों के पास सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं,उन्हें बस इन सुविधाओं का सही प्रकार से उपयोग करना है। डॉ. भटकर ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि अपनी परंपराओं और मूल्यों का अनुसरण करें। आज उतीर्ण होने के उपरांत वास्तविकता से आपका सामना होगा और आपकी वास्तविक शिक्षा आज से शुरू होगी। याद रखिए ये ऐतिहासिक पल फिर नहीं आएगा। इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए ये एक बड़ा अवसर है कि वे इसे न केवल अपनी शैक्षिक उत्कृष्ठता के लिए बल्कि समाजिक विकास के लिए भी उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये विद्यार्थी ऐसे समय में उतीर्ण हो रहे हैं जबकि देश के पास ऐसा एक अनोखा अवसर है जो पहले नहीं था। वर्तमान में भारत विश्व की तसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और वर्ष 2040 तक अमेरिका से भी आगे बढ़ने की संभावना है। इसके पास एक समृद्ध जनसांख्यिकी है जिसकी औसत

आयु 29 वर्ष है। भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली में से एक है।यहां तक कि शून्य से शुरू करने के बावजूद विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी तथा कंप्युटिंग के क्षेत्र में भी देश ने बहुत कुछ हासिल कर लिया है। अब हम विश्व के लिए उपग्रह लॉन्च कर रहे हैं। साथ ही डॉ. भटकर ने कहा कि पूरा विश्व भारत के विकास से हैरान है।

इसके पहले, सीयूएसबी के कुलपति प्रो. हरिश्चंद्र सिंह राठौर ने विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और लक्ष्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रो. राठौर ने कहा कि विश्वविद्यालय वर्ष 2009 में अपनी स्थापना के बाद से आगे की ओर अग्रसर हुआ है तथा अगले शैक्षणिक सत्र से अपने स्थाई परिसर गया के पंचानपुर में स्थानांतरित हो जाएगा। स्थायी परिसरशून्य अपशिष्ट उत्सर्जन सहित हरा परिसर हैजिसमेंएकीकृत आवास मूल्यांकन (ग्रिहा) के ग्रीन रेटिंग केपांच-मानकों का अनुपालन किया गया है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि एक आदर्श विश्वविद्यालय को मूल्यों के साथ शिक्षा के एकीकरण पर ध्यान देना चाहिए । ये सीयूएसबी की ठोस आधारशिलाऔर कार्य सिद्धांतों का समर्पण था कि वर्ष 2016 में इसने एनएएसी (नैक) में "ए" ग्रेड हासिल किया और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 94वां स्थान प्राप्त कियाजो विश्वविद्यालय की अभिनव शिक्षण और मूल्यांकन प्रक्रिया के कारण ही संभव हुआ है। सीयूएसबी के कुलपति ने कहा कि शीघ्र ही सीबीसीएस (चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली) के कार्यान्वित होने पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को शिक्षा की मांग के अनुसार पाठ्यक्रम निर्धारित करने में सुविधा होगी। शैक्षणिक वर्ष 2014, 2015, 2016 तथा 2017 में कुल 675 विद्यार्थी उतीर्ण हुए जिन्हें दीक्षांत समारोह के दौरान उपाधि प्रदान की गई। कुल 90 अव्वल (टॉपर) रहने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिए गए जिनमें कुलाधिपति स्वर्ण पदक (5), स्कूल स्वर्ण पदक (25) और विभाग/सेंटर स्वर्ण पदक (60) दिए गए। सुचेता शर्मा (एमएसी मेथेमेटिक्स), रोहित कुमार (इंटीग्रेटेड बीएससी+बीएड), पूजा कुमारी (एमएससी कंप्युटर साइंस), फौज़िया परवीन (एमएससी लाईफ साइंस) तथा प्रेमलता कुमारी (एमएससी बायोटेक्नोलॉजी) को कुलाधिपति स्वर्ण पदक दिया गया।सभी विद्यार्थी चेहरे पर मुस्कान लिए एक विशिष्ट ड्रेस-कोड (पारंपरिक भारतीय पोशाक) में डिग्री प्राप्त करने के लिए सभागार में उपस्थित थे। लड़कियों के लिए ड्रेस-कोड सफेद सलवार कुर्ती तथा दुपट्टा या मैचिंग ब्लाउज़ के साथ लाल / मरून रंग की किनारी वाली सफेद साड़ी था जबकि लड़कों के लिए ड्रेस-कोड सफेद सूती कुर्ता तथा अलीगढ़ पायजामा था। विद्यार्थियों ने पगड़ी भी पहन रखी थी और पटका भी जिसमें एक ओर विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह (लोगो) और दूसरी ओर दीक्षांत का प्रतीक चिन्ह (लोगो) बना हुआ था। अन्य गणमान्य व्यक्ति जैसे नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुनैना सिंह, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,पटना के कुलपति प्रो. पी. के. जैन, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (मोतिहारी) के कुलपति प्रो. अरविंद अग्रवाल,सीयूएसबी के पूर्व कुलपति प्रो. जनक पाण्डेय, प्रति कुलपति प्रो. ओम प्रकाश राय, कुलसचिव डॉ. गायत्री विश्वनाथ पाटिल, परीक्षा नियंत्रक श्रीमती रश्मि त्रिपाठी और वित्त अधिकारी दीक्षांत समारोह में उपस्थित थे।

द्वितीय दीक्षांत समारोह – स्वर्णपदकों की सूची

कुलाधिपति स्वर्ण पदक

विद्यार्थी का नाम	कोर्स / प्रोग्राम	सत्र
सुचेता शर्मा	एमएससी मैथेमैटिक्स	2012 - 14
रोहित कुमार	इन्टीग्रेटेड बीएससी बीएड	2013 - 17
पूजा कुमारी	एमएससी कम्प्यूटर साईंस	2013 - 15
फौजिया परवीण	एमएससी लाइफ साईंस	2014 - 16
प्रेमलता कुमारी	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी	2015 - 17

स्कूल स्वर्ण पदक

विद्यार्थी का नाम	कोर्स / प्रोग्राम	सत्र
अभिषेक द्विवेदी	एमए डेवलपमेंट स्टडीज	2012 - 14
सुचेता शर्मा	एमएससी मैथेमैटिक्स	2012 - 14
अनुमेह	एमएससी लाइफ साईंस	2012 - 14
श्रेयसी राय	एमए साइकोलॉजी	2012 - 14
बिनिता कुमारी	एमए इंग्लिश	2012 - 14
राखी गौरवम	एमए मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज	2012 - 14
रोहित कुमार	इन्टीग्रेटेड बीएससी बीएड	2013 - 17
स्निग्धा कल्याणी	एमए इकोनोमिक्स	2013 - 15
पूजा कुमारी	एमएससी कम्प्यूटर साईंस	2013 - 15
रचना सिंह	एमएससी इनवायरनमेंटल साईंस	2013 - 15
शालिनी कुमारी	एमए साइकोलॉजी	2013 - 15
अन्नु प्रिया	एमए इंग्लिश	2013 - 15
प्रगति पल्लवी	एमए मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज	2013 - 15

विद्यार्थी का नाम	कोर्स / प्रोग्राम	सत्र
रूबी चौधरी	एमए इकोनोमिक्स	2014 - 16
मो० शाह फहद	एमटेक कम्प्यूटर साईंस	2014 - 16
फौजिया परवीण	एमएससी लाइफ साईंस	2014 - 16
शिशुकेश कुमार	एमए साइकोलॉजी	2014 - 16
शब्दिता कल्याणी	एमए इंग्लिश	2014 - 16
वली सबिना	एमए मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज	2014 - 16
अंजू कुमारी	एमए पॉलिटिकल साईंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस	2015 - 17
पंकज कुमार	एमएससी स्टेटिस्टिक्स	2015 - 17
प्रेमलता कुमारी	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी	2015 - 17
जया शुक्ला	एमए साइकोलॉजी	2015 - 17
अदिति प्रिया	एमए इंग्लिश	2015 - 17
सौमिल सहाय	एमए मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज	2015 - 17

विभाग / सेंटर स्वर्ण पदक

विद्यार्थी का नाम	कोर्स / प्रोग्राम	सत्र
अभिषेक द्विवेदी	एमए डेवलपमेंट स्टडीज	2012 - 14
इन्द्रजीत कुमार	एमए इकोनोमिक्स	2012 - 14
सुचेता शर्मा	एमएससी मैथेमैटिक्स	2012 - 14

विद्यार्थी का नाम	कोर्स / प्रोग्राम	सत्र
आस्था शर्मा	एमएससी स्टेटिस्टिक्स	2012 - 14
पूर्णेन्दु प्रभात	एमएससी कम्प्यूटर साईंस	2012 - 14
सौमेन नायक	एमटेक कम्प्यूटर साईंस	2012 - 14

विभाग / सेंटर स्वर्ण पदक

विद्यार्थी का नाम	कोर्स / प्रोग्राम	सत्र
दिप्ति गुप्ता	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी	2012 - 14
नंदन कुमार	एमएससी बायोइंफारमेटिक्स	2012 - 14
अनुमेहा	एमएससी लाइफ साईंस	2012 - 14
धीरेन्द्र कुमार	एमएससी इनवायरनमेंटल साईंस	2012 - 14
श्रेयसी राय	एमए साइकोलॉजी	2012 - 14
बिनिता कुमारी	एमए इंग्लिश	2012 - 14
राखी गौरवम	एमए मास कम्यूनिकेशन	2012 - 14
अनुपम रवि	इन्टीग्रेटेड बीए बीएड	2013 - 17
रोहित कुमार	इन्टीग्रेटेड बीएससी बीएड	2013 - 17
आनंद कश्यप	एमए डेवलपमेंट स्टडीज	2013 - 15
स्निग्धा कल्याणी	एमए इकोनोमिक्स	2013 - 15
सलमा जफर	एमए पॉलिटिकल साईंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस	2013 - 15
सूरज एचएस	एमए सोशियोलाजी	2013 - 15
अनुराधा सिन्हा	एमएससी मैथेमैटिक्स	2013 - 15
नेहा कुमारी	एमएससी स्टेटिस्टिक्स	2013 - 15
पूजा कुमारी	एमएससी कम्प्यूटर साईंस	2013 - 15
ज्योति कुमारी	एमएससी कम्प्यूटर साईंस	2013 - 15
आशा साहु	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी	2013 - 15
मो. शहबाज इकबाल	एमएससी बायोइंफारमेटिक्स	2013 - 15
सौम्याज्योती घोसाल	एमएससी लाइफ साईंस	2013 - 15
रचना सिंह	एमएससी इनवायरनमेंटल साईंस	2013 - 15
शालिनी कुमारी	एमए साइकोलॉजी	2013 - 15
अन्नु प्रिया	एमए इंग्लिश	2013 - 15
अम्बिका कुमारी	एमए हिन्दी	2013 - 15
प्रगति पल्लवी	एमए मास कम्यूनिकेशन	2013 - 15
अहजा	एमए डेवलपमेंट स्टडीज	2014 - 16
रूबी चौधरी	एमए इकोनोमिक्स	2014 - 16

विद्यार्थी का नाम	कोर्स / प्रोग्राम	सत्र
वंदना मिश्रा	एमए पॉलिटिकल साईंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस	2014 - 16
अविनिता गौतम	एमएससी मैथेमैटिक्स	2014 - 16
विकास कु० ठाकुर	एमएससी स्टेटिस्टिक्स	2014 - 16
निशु कुमारी	एमएससी कम्प्यूटर साईंस	2014 - 16
मो० शाह फहद	एमटेक कम्प्यूटर साईंस	2014 - 16
तुलिका	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी	2014 - 16
श्वेता कुमारी	एमएससी बायोइंफारमेटिक्स	2014 - 16
फौजिया परवीन	एमएससी लाइफ साईंस	2014 - 16
अमिता कुमारी	एमएससी इनवायरनमेंटल साईंस	2014 - 16
शिशुकेश कुमार	एमए साइकोलॉजी	2014 - 16
शब्दिता कल्याणी	एमए इंग्लिश	2014 - 16
वली सबिना	एमए मास कम्यूनिकेशन	2014 - 16
प्रियंका कुमारी	एमए डेवलपमेंट स्टडीज	2015 - 17
सादिया अफजल	एमए इकोनोमिक्स	2015 - 17
अंजू कुमारी	एमए पॉलिटिकल साईंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस	2015 - 17
रश्मि प्रसाद	एमएससी मैथेमैटिक्स	2015 - 17
पंकज कुमार	एमएससी स्टेटिस्टिक्स	2015 - 17
अंकिता कुमारी	एमएससी कम्प्यूटर साईंस	2015 - 17
अतिफ अफरीदी	एमटेक कम्प्यूटर साईंस	2015 - 17
प्रेमलता कुमारी	एमएससी बायोटेक्नोलॉजी	2015 - 17
निजेता	एमएससी बायोइंफारमेटिक्स	2015 - 17
अदिति अरोड़ा	एमएससी लाइफ साईंस	2015 - 17
रश्मि रंजन	एमएससी इनवायरनमेंटल साईंस	2015 - 17
जया शुक्ला	एमए साइकोलॉजी	2015 - 17
अदिति प्रिया	एमए इंग्लिश	2015 - 17
गौरव कुमार	एमए हिन्दी	2015 - 17
सौमिल सहाय	एमए मास कम्यूनिकेशन	2015 - 17

सीयूएसबी में सह-पाठ्येतर गतिविधियां / आयोजन

अम्बेदकर जयंती (13th अप्रैल, 2017)

13 अप्रैल, 2017 को विश्वविद्यालय में अम्बेडकर जयंती समारोह के दौरान सीयूएसबी के कुलपति प्रो० हरीश चन्द्र सिंह राठौर ने कहा कि यदि हम सच में भारत रत्न डा० भीमराव अम्बेदकर जी को सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहते हैं तो हमें एक जाति मुक्त भारत का निर्माण करना होगा। डा० अम्बेदकर की 126वीं वर्षगांठ पर सम्बोधन प्रस्तुत करते हुए प्रो० राठौर ने कहा कि हमें इन पंक्तियों 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' पर गर्व होना चाहिए जो भारत की भव्यता को दर्शाते हैं। वैसे भी भारत हर पहलू से एक समृद्ध राष्ट्र तभी बन सकता है जब वो डा० अम्बेडकर द्वारा दिये गये संविधान तथा उनके सुझाये मार्गों पर चले। इस अवसर पर सीयूएसबी के विदयार्थी संगठन पुर्नजागरण ने कुलपति जी के नेतृत्व में विभिन्न विशेष आयोजन किये जिसमें संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा विदयार्थियों ने भाग लिया। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के गया परिसर में भी अम्बेडकर जयंती समारोह पूरे उत्साह से मनाया गया। गया परिसर के शैक्षणिक समिति सीयूएसबी में समारोह/गतिविधियां ने एक चर्चाका आयोजन किया जिसका शीर्षक था 'अम्बेडकर एंड नेशन बिल्डिंग इन कन्टेम्पररी इंडिया'। चर्चा के मुख्य वक्ता थे प्रो० एस.पी. श्रीवास्तव, डा० आलोक कुमार गुप्ता तथा डा० जितेन्द्र राम। सीयूएसबी के प्रतिकुलपति प्रो० ओ.पी. राय ने चर्चा का उदघाटन करते हुए उसकी अध्यक्षता भी की।

वीर कुंवर सिंह जयंती (26 अप्रैल, 2017)

26 अप्रैल 2017 को स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर सीयूएसबी के शैक्षणिक समिति ने एक वार्ता-चर्चा का आयोजन किया। समारोह की अध्यक्षता प्रो० पी.के. सिंह, डीन एस.एल.एल. ने की प्रो० एस.एन. सिंह, डीन एस.एस.पी., प्रो० एस.के. श्रीवास्तव, डीन एस.एल.डब्लू., डा० प्रणव कुमार, सहायक प्राध्यापक, डा० सुधांशु कुमार झा, सहायक प्राध्यापक तथा डा० हरेश नारायण पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक, सीयूएसबी समारोह में आमंत्रित मुख्य वक्ता थे। चर्चा में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य तथा विदयार्थी प्रतिभागी थे। शैक्षणिक समिति के सदस्य डा० अतीश कुमार दास ने वार्ता का परिचय दिया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन किया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत सप्ताह (मई, 2017 का प्रथम सप्ताह)

यूजीसी / एमएचआरडी के दिशानिर्देशों के अनुसार मई, 2017 के प्रथम सप्ताह में सीयूएसबी द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इस साप्ताहिक समारोह का उद्देश्य विद्यार्थियों, संकायों तथा कर्मचारियों को भारत की एकता, अखंडता तथा उत्कृष्टता से अवगत कराना था। प्रो. हरीश चंद्र सिंह राठौर, कुलपति, सीयूएसबी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार ये गतिविधियां डॉ. सनत कुमार शर्मा,(छात्र कल्याण अधिष्ठाता) की देखरेख में संपन्न हुआ।समारोह के को-ऑर्डिनेटर डॉ. प्रिय रंजन, सहायक प्राध्यापक, सोशियोलॉजी ने 'एक

भारत श्रेष्ठ भारत' के प्रयोजन तथा लक्ष्य के संबंध में बताया। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. ओ. पी. राय ने एकता तथा सरदार वल्लभभाई पटेल के संबंध में अपने विचारों को व्यक्त किया। ये साप्ताहिक कार्यक्रम डीएसडब्ल्यू के धन्यवाद ज्ञापन से संपन्न हुआ जिसमें उन्होंने ये बताया कि भारत की एकता उसकी विविधता में है।

सृजन– 17: एनुएल डॉक्यूमेंट्री फिल्म स्क्रीनिंग (16 मई, 2017)

16 मई, 2017 को सीयूएसबी के सेन्टर फॉर मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया (सीएमएस) ने 'सृजन' शीर्षिक वार्षिक डाक्यूमेन्ट्री फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया। समारोह की अध्यक्षता सीयूएसबी की कुलसचिव डा० गायत्री वी० पाटिल तथा प्रसिद्ध पर्यावरणविद डा० अशोक घोष ने की। समारोह के दौरान डा० रवि सूर्यवंशी की मार्गदर्शन में चौथे सत्र के विदयार्थियों द्वारा विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व के विषयों पर निर्मित चार डाक्यूमेंन्ट्री फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। डाक्यूमेंट्रीयों के नाम इस प्रकार हैं- बदला बिहार, बदली जिंदगी, ई-वेस्ट : गारबेज टु गोल्ड, छतोर तथा मुजरा। बदला बिहार, बदली जिंदगी में राज्य के लोगों पर शराबबंदी के सकारात्मक प्रभावों को दिखाया गया। ई-वेस्ट:गारबेज टु गोल्ड में इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट मनैजमेंट के विभिन्न पहलुओं को बताते हुए पर्यावरण पर उसके प्रभाव को दिखाया। छतोर में राज्य की लोक खानपान को दिखाया गया। मुजरा में इस क्षेत्र के कलाकारों की दशाओं को दिखाते हुए समाज में इसके घटते हुए स्थिति को दिखाया है। समारोह का उदघाटन डा० पाटिल, डा० घोष तथा सीयूएसबी के संकाय सदस्यों प्रो० अरूण कुमार सिन्हा, प्रो० तेज बहादुर सिंह, डा०राम कुमार तथा

डा० आतीश पराशर द्वारा दीप प्रज्वलन तथा सीडी विमोचन से किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डा० पाटिल ने मीडिया विभागतथा विदयार्थियों के प्रयासों की सराहना की। डा० घोष ने कहा कि,'ये फिल्मेंसीयूएसबीमें प्रदान की जानेवाली उत्तम शिक्षा का ही परिणाम है। डा० आतीश पराशर, अध्यक्ष, सीएमएस ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डा० सुजीत कुमार, डा० आनिंदया देब, डा० अमृता श्रीवास्तव, डा० एन.एल. देवी, डा० दास अम्बिका भारती, डा० प्रशांत के साथ सीयूएसबी के अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2017)

एमएचआरडी के दिशानिर्देशों के अनुसार सीयूएसबी ने 21 जून, 2017 को अपने परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर इस दिन सुबह डेढ़ घंटे का एक योग सत्र का आयोजन किया गया जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, संकायों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। योग अभ्यास सत्र का आयोजन डॉ. सनत कुमार शर्मा (डीएसडब्ल्यू) द्वारा किया गया जो कि कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के अनुसार था जिसकी शुरूआत ध्यान की मुद्रा जो कि नमस्कार मुद्रा है, के साथ हुई और इसके बाद अन्य कई

मुद्राओं जैसे-खड़े होकर,बैठकर, अधोमुख, उतान अवस्था इत्यादि में भी योग किया गया। योग सत्र की समाप्ति संकल्प तथा शांति पाठ के साथ हुई।

नये नामांकित विदयार्थियों का ओरिएंटेशन (24-25 जुलाई, 2017)

विश्वविदयालय के पटना तथा गया परिसरों में अपने करियर के लक्ष्य को प्राप्त करने के उदेश्य के सपने देखते हुए सीयूएसबी में नये नामांकित विदयार्थियों ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम्में भाग लिया। सीयूएसबी की परीक्षानियंत्रक श्रीमति रश्मि त्रिपाठी के बताये गये समयानुसार

विभिन्न भूभागों द्वारा विदयार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। दिन की शुरूआत नये विदयार्थियों के क्रमश: अपने विभागों में उपस्थिति तथा नामांकन प्रक्रिया के साथ हुई तथा इसके बाद संकाय सदस्यों तथा विदयार्थियों के बीच विचारो का आदान-प्रदान हुआ। डा० मयंक युवराज, सहायक पुस्तकालयअध्यक्ष तथा श्री प्रशांत रमण, तकनीकी सहायक, कम्प्यूटर लैब ने पुस्तकालय तथा कम्प्यूटर लैब सुविधाओं के संबंध में क्रमश: प्रस्तुतिकरण दिया। प्रोक्टोरियल बोर्ड ने विदयार्थियों से बात की तथा उनसे विश्वविदयालय में शांति बनाये रखने के लिए प्रार्थना की। प्रोक्टोरियल समूह ने विदयार्थियों से बात की तथा परिसर में अनुशासन बनाये रखने का निवेदन किया। साथ ही प्रोक्टोरियल समूह ने नये विदयार्थियों को परिसर को पूरी तरह से रैगिंग मुक्त होने का आश्वासन दिया। ओरिएंटेशन सत्र का समापन मो० मुदस्सीर आलम, जन सम्पर्क अधिकारी सह प्रशासनिक अधिकारी के प्रस्तुतिकरण से हुआ। विधार्थीयों ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम को संतोषजनक बताया तथा सीयूएसबी में एक अच्छे अनुभव की उम्मीद के साथ शुरूआत की।

न्यू इंडिया 2022 – शपथग्रहण (09 अगस्त 2017)

सीयूएसबी के पटना, गया तथा पंचानपुर स्थित स्थाई परिसर में 'न्यू इंडिया प्लेज' शपथग्रहण आयोजन किया। समारोह का आयोजन प्रो. हरीश चंद्र सिंह राठौर, कुलपति, सीयूएसबी के नेतृत्व में किया गया। एमएचआरडी के दिशानिर्देशों के अनुसार इस शपथग्रहण समारोह का आयोजन भारतीय स्वतंत्रता के 70वीं वर्षगांठ तथा भारत छोड़ो आंदोलन के 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर किया गया जिसे 'संकल्प से सिद्धि' (न्यू इंडिया मूवमेंट 2017-2022) सीयूएसबी में समारोह/ गतिविधियां नाम दिया गया। आयोजन में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों ने उत्साहित होकर भाग लिया। सभी प्रतिभागी एक

स्थान पर एकत्रित हुए तथा प्रो. अरुण कुमार सिन्हा एवं प्रो. प्रभात कुमार सिंह के नेतृत्व में क्रमश: पटना तथा गया में शपथग्रहण लिया। पंचानपुर में शपथ समारोह का नेतृत्व श्रीमती रश्मि त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक (प्रभारी) ने किया।

स्क्रीनिंग ऑफ डाक्यूमेंट्री- निभीरितोचरी (08 अगस्त 2017)

सीएसयूबी के गया परिसर में श्री सौरभ सरकार द्वारा निर्देशित बंगाली डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'निभृतोचरी' (एक आत्मा)की विशेष स्क्रीनिंग की गई। ये डाक्यूमेंट्री फिल्म एक वृद्धा आश्रम पर आधारित है जिसका नामांकन नई दिल्ली में आयोजित तृतीय प्रयाद इंटरनेशनल फिल्म फेस्ट में स्क्रीनिंग के लिए किया गया। इस डाक्यूमेंट्री फिल्म की स्क्रीनिंग के अवसर पर श्री सौरभ सरकार ने कहा कि बुढ़ापा मानव जीवन का एक हिस्सा है। श्री सरकार ने आगे कहा कि, बुढ़ापे को एक सकारात्मक रूप में व्यतीत करना भी एक कला है जिसे इस फिल्म के माध्यम से दर्शाया गया है। सीयूएसबी के प्रतिकुलपति प्रो० ओ.पी.

राय ने कहा कि नई पीढ़ी को एक समृद्ध जीवन के अनुभवों को जानने के लिए पुरानी पीढ़ी के साथ समय व्यतीत करना चाहिए। नयी पीढ़ी को पुरानी पीढ़ी का सम्मान करना चाहिए तथा उनसे जीवन के उतार चढ़ाव के अनुभवों को प्राप्त करना चाहिए। इस डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग सत्र को आयोजन डा० समापिका महापात्रा, अध्यक्ष सेन्टर फॉर डवलपमेंट स्टडीज़ के द्वारा किया गया जिन्होंने युवाओं को अपने ज्येष्ठ एवं वृद्ध लोगों का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह (15 अगस्त, 2017)

सीयूएसबी के कुलपति प्रो० हरीश चन्द्र सिंह राठौर ने स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में कहा कि, भारत को एक नया और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए जातिवाद, सम्प्रदायिकता तथा अन्य समाज संबंधी कुरीतियों जो कि देश के लोगों को विभाजित करती है, से हटाना पड़ेगा। जिन स्वतंत्रता सेनानियों ने देश के लिए अपने प्राणों का त्याग किया उन्होंने एक समृद्ध भारत का सपना देखा था, लेकिन क्या वो पूरा हुआ? प्रो० राठौर ने कहा कि यह एक बड़ा प्रश्न ही नहीं बल्कि इस सपने को पूरा करना भी बाकी है। वास्तव में देश की सही उन्नति तथा विकास जातिवाद, सांप्रदायिकता इत्यादि जैसे कुरीतियों से बुड़ी तरह प्रभावित है। देश को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए समाज से इन हानिकारक बुराइयों को हटाना आवश्यक है। प्रो० राठौर ने उपस्थित

युवाओं से एक नये भारत निर्माण के सपने को साकार करने का आवाह्न किया। इसके पहले स्वतंत्रता दिवस समारोह का आरंभ सीयूएसबी के कुलपति द्वारा ध्वजारोहन तथा राष्ट्रगान से हुआ। इसी प्रकार पटना परिसर में प्रो० अरूण कुमार सिन्हा ने ध्वजारोहण किया तथा अपना संबोधन दिया। सांस्कृतिक गतिविधियां समिति के मार्गदर्शन में पटना तथा गया परिसर के विदयार्थियों ने देशभक्ति की भावना से ओतपोत मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। नृत्य, गीत, नाटिका, काव्य पाठ इत्यादि स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य आकर्षण रहे।

मोबिक्लिक : मोबाईल फोटो प्रदर्शनी (18 अगस्त, 2017)

विश्व छायांकन दिवस के अवसर पर सीयूएसबी के सेन्टर फॉर मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया (सीएमएस) ने पहली बार मोबिक्लिक नाम से मोबाईल फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी में लगे फोटो विभिन्न पर्यावरण संबंधि तथा सामाजिक महत्वपूर्णता जैसे गरीबी,प्रक़ति संबंधि इत्यादि विषयों पर आधारित फोटो लगाये गये। विदयार्थियों ने डा० रवि सूर्यवंशी, सहायक प्राध्यापक, सीएमएस के मार्गदर्शन में विदयार्थियों ने प्रदर्शनी लगायी। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुख्य अतिथि श्री प्रशांत रवि जी ने मीडिया विभाग तथा

विदयार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विदयार्थियों के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए इस व्यवसाय की समस्याओं के बारे में बताया। श्री प्रशांत रवि ने फोटोग्राफरों के नैतिक मानकों को भी समझाया तथा विदयार्थियों से फोटोग्राफी करते वक्त इस नैतिक मानक को ध्यान में रखने को कहा। डा० अतीश पराशर, अध्यक्ष, सीएमएस ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

यूथ पार्लियामेंट (26 अगस्त, 2017)

26 अगस्त, 2017 को सीयूएसबी के स्कूल ऑफ लॉ एंड गर्वनेंस ने समूह आधारित चौदहवीं राष्ट्रीय पार्लियामेंट प्रतियोग्यता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में सुश्री सानिया किश्वर ने लोकसभा अध्यक्ष का पात्र निभाया, श्री शुभम आनंद ने प्रधानमंत्री की भूमिका निभाई तथा श्री प्रभात कुमार चौधरी ने नेता विपक्ष की भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि के रूप में श्री हरि मांझी, गया लोकसभा सदस्य समारोह में उपस्थित थे तथा उन्होंने प्रतियोगियों के रूप में विदयार्थियों के अनुशासन की प्रशंसा की। गया कॉलेज के डा० अशोक कुमार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे तथा उन्होंने यूथ पार्लियामेंट सेशन में विदयार्थियों द्वारा पूछ गये प्रश्नों तथा दिये गये उत्तरों की सराहना की। डा० सैयद जी। कादरी,

संसदीय कार्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने विश्वविदयालय के प्रदर्शनों का मूल्यांकन किया तथा यूथ पार्लियामेंट सेशन के सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों पहलुओं के बारे में बताया। सीयूएसबी की कुलसचिव डा० गायत्री वी० पाटिल ने यूथ पार्लियामेंट सेशन की प्रक्रियाओं को देखा तथा भविष्य में ऐसे अन्य सेशन के आयोजन महत्वपूर्णता पर ध्यान आकर्षित किया। गया परिसर के प्रभारी प्रो० प्रभात कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन लोकतंत्र के प्रति युवाओं में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रो० एस.पी. श्रीवास्तव अध्यक्ष तथा प्रमुख, स्कूल ऑफ लॉ एंड गर्वनेंस ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त किया। संसदीय कार्य समिति के प्रतिनधि ने सभी विदयार्थियों जिनके नाम हैं शुभम आनंद, तनय आकाश, मेहरनाज़, विशाल कुमार सिंह, अभ्युदय आनंद तथा आनंद शुक्ला के प्रदर्शन की सराहना की। डा० दिग्विजय सिंह, सहायक प्राध्यापक लॉ ने युथ पार्लियामेंट प्रतियोगता का आयोजन किया।

हिंदी पखवाड़ा
(12 से 26 सितम्बर 2017)

संघ की राजभाषा नीति एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशानुसार सीयूएसबी में 14 सितम्बर, 2017 को हिंदी दिवस, तथा दिनांक 12 सितम्बर, 2017 से 26 सितम्बर, 2017 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस कार्यक्रम के दौरान सहायक निदेशक राजभाषा श्री प्रतीश कुमार दास ने सर्वप्रथम राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधानों, अधिनियमों और नियमों की जानकारी दी| समारोह के दौरान राजभाषा हिंदी: संघर्ष व समाधान पर भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी. छात्र महेश कुमार को प्रथम, अविनाश कुमार (केयरटेकर) को द्वितीय तथा विनीत कुमार को तीसरा स्थान मिला. विनोबा नगर, गया परिसर में विद्यार्थियों हेतु कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रिंस

कुमार को प्रथम, कु. प्रज्ञा को द्वितीय तथा ईशा श्रीवास्तव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी श्रृंखला में पटना परिसर में स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें प्रथम स्थान कु. शिखारानी, द्वितीय पुरस्कार उत्सव कुमार तथा प्रणव कुमार को तथा तृतीय पुरस्कार आलोक कुमार पाण्डे को प्राप्त हुआ। 19 सितम्बर को पंचानपुर में टिप्पण-प्रारूपण, राजभाषा प्रश्नोत्तरी तथा काव्य-पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। 26 सितम्बर को स्थायी परिसर पंचानपुर में हिन्दी पखवाड़ा का औपचारिक समापन किया गया जिसमें कुलपति प्रो. हरीशचन्द्र सिंह राठौर ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रति कुलपति, प्रो. ओ.पी. राय, कुलसचिव, डा. गायत्री विश्वनाथ पाटिल तथा परीक्षा नियंत्रक, श्रीमती रश्मि त्रिपाठी के साथ अन्य अधिकारी, कर्मचारी भी उपस्थित थे!

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा
(15 सितंबर – 2 अक्टूबर, 2017)

भारत सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान के तहत 'स्वच्छ भारत अभियान (क्लीन इंडिया ड्राईव) के तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर सीयूएसबी ने 'स्वच्छता ही सेवा' (क्लीनीनेंस एज सर्विस) पटना तथा गया परिसर में समारोह का आयोजन किया। गया परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा आयोजन की शुरूआत प्रो० प्रभात कुमार सिंह के नेतृत्व में शपथ ग्रहण से हुई जिसमें प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय तथा अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने की शपथ ली। इसके बाद विश्वविद्यालय के वातावरण को स्वच्छ तथा पर्यावरणीय अनुकुल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों ने वृक्षारोपण किया। जबकि पटना परिसर में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा विदयार्थियों ने 'स्वच्छता श्रमदान' में भाग लिया। स्वच्छता श्रमदान की शुरूआत प्रो० अरूण कुमार सिन्हा के नेतृत्व में शपथग्रहण से हुई जिसमें बड़ी संख्या में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा विदयार्थियों ने भाग लिया।

श्रमदान के तहत विश्वविद्यालय परिसर में बिखड़े व्यर्थ पदार्थों जैसे- कागज, पॉलीथीन बैग, रैपर्स, इत्यादि की सफाई की।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस (21 सितम्बर 2017)

सीयूएसबी में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के उपलक्ष्य पर 21 सितम्बर 2017 को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कियें गयें ! कार्यक्रम की शुरुआत सीयूएसबी के प्रति कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश राय ने शांति ध्वनि (Peace Bell) को बजा कर तथा दीप प्रज्वलित कर किया! कार्यक्रमो की श्रृंखला में "धर्म से शांति" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता, कविता पाठ, तथा भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी! इन सभी कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के छात्रों तथा शिक्षकों ने बढ़ चढ़ भाग लिया एवं शांति को स्थापितं करने में धर्म की महता पर प्रकाश डाला! कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रति कुलपति प्रो. ओ.पी. राय ने किया तथा अपने संबोधन में कहा की विश्व शांति से पहले

आत्म शांति भी आवश्यक है! वहीँ इस अवसर पर छात्रों एवं शिक्षको ने कविता एवं भाषण के माध्यम से अपने विचार रखे ! कार्यक्रम में विदेशी भाषा संकाय के प्रमुख प्रो. प्रभात कुमार सिंह, शिक्षा संकाय के संकाय प्रमुख प्रो. कौशल किशोर तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. सनत कुमार शर्मा ने इस विषय पर अपने विचार रखे ! कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अभय कुमार ने किया!

गांधी जी एवं शास्त्री जी जयंती समारोह (02 अक्टूबर, 2017)

सीयूएसबी ने 02 अक्टूबर, 2017 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के दूसरे प्रधान मंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न आयोजन किए गए जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, संकायगण स्टाफ ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. एस. एन. सिंह, डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसी द्वारा प्रो. कौशल किशोर, प्रॉक्टर एवं डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन की उपस्थिति में किया गया। डॉ. आलोक कुमार गुप्ता, सह-प्राध्यापक, पॉलिटिकल साइंस ने गांधी जी के विचारों पर प्रकाश डालते हुए स्वशासन तथा 'हिंद स्वराज'पर व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसमें एक शांतिपूर्ण और समृद्ध राष्ट्र की स्थापना करने का विचार निहित है। डॉ. प्रणव कुमार ने गांधी जी के नेतृत्व में हुए 'सत्याग्रह' आंदोलन पर चर्चा की जबकि डॉ. सुधांशु झा ने भी देश के दो महान व्यक्तियों के विषय में अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे पोस्टर बनाना, रंगोली बनाना, निबंध लेखन तथा वाद-विवाद में भाग लिया। समारोह का आयोजन डॉ. प्रिय रंजन, सहायक प्राध्यापक, सोशियोलॉजिकल स्टडीज़ ने किया जिन्होंने धन्यवाद ज्ञापन भी प्रस्तुत किया।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर, 2017)

सीयूएसबी के सेंटर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज़ ने 10 अक्टूबर, 2017 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की थीम 'कार्यालय में मानसिक स्वास्थ्य' पर आधारित विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ. नरसिंह कुमार, सहायक प्राध्यापक, साइकोलॉजी ने स्वागत भाषण दिया तथा आयोजन के उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि खुशी सूचकांक पर भारत अपने पड़ोसी देशों से पिछड़ा हुआ है जिसका कारण अनुचित मानसिक स्वास्थ्य नीतियां तथा समुदायों का मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उपेक्षा हो सकती है। सम्माननीय अतिथि डॉ. आतिश पराशर जी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए जबकि डॉ. राम कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न विषयों के समाधान के लिए वैज्ञानिक शोध पर प्रकाश डाला। डॉ. सुजीत कुमार ने बताया कि वर्तमान में कैसे नई मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और समाज में एक अराजकता की स्थिति उत्पन्न करते हैं। पीआरओ मो. मुदस्सिर आलम ने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। सेंटर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज़ के प्रमुख प्रो. तेज बहादुर सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. मंगलेश कुमार मंगलम, डॉ. दास अंबिका भारती,डॉ. चेतना जैसवाल और डॉ. किंशुक पाठक भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर, 2017)

प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जी के जन्म दिवस के अवसर पर पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर सीयूएसबी ने पटना तथा गया दोनों परिसरों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया। गया परिसर में कुलपति प्रो. हरिश्चंद्र सिंह राठौर के नेतृत्व में 'एकता के लिए दौड़' (रन फॉर यूनिटी) का आयोजन किया गया जिसमें प्रति कुलपति प्रो. ओ. पी. राय, डीएसडब्ल्यू डॉ. सनत कुमार शर्मा,मुख्य कुलानुशासक प्रो. कौशल किशोर, विभिन्न स्कूलों के डीन, विभिन्न सेंटरों के प्रमुख, शिक्षण, गैर-शिक्षण स्टाफ तथा विद्यार्थी भी उपस्थित थे। दौड़ शुरू होने से पहले कुलपति महोदय ने अपने संक्षिप्त संबोधन में देश की दो महत्वपूर्ण बातों,परिवार तथा अनेकता में एकता का उल्लेख किया। उन्होंने पश्चिमी सभ्यता के अनुकरण के कारण महानगरों में उभरते हुए पारिवारिक समस्याओं का भी उल्लेख किया। सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर गया परिसर में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत'शीर्षक से एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। ओरिएंटेशन प्रोग्राम में पैनल के सदस्यों ने भारत को एक संयुक्त राष्ट्र बनाने में सरदार पटेल के योगदान पर चर्चा की। इसी प्रकार पटना परिसर में भी प्रो. अरुण कुमार सिन्हा, प्रोफेसर-इन-चार्ज की अगुवाई में राष्ट्रीय एकता दिवस की शुरूआत शपथ ग्रहण समारोह के साथ की गई। अपने वक्तव्य में प्रो. अरुण कुमार सिन्हा ने सरदार वल्लभभाई पटेल का स्वतंत्रता सेनानी के रूप में योगदान, एक पूर्णत: सक्षम नेता तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री के रूप पर प्रकाश डाला। शपथ ग्रहण समारोह के बाद 'एकता की दौड़' हुई जो विश्वविद्यालय परिसर से शुरू होकर पास ही के स्थान पर समाप्त हुई।

राष्ट्रीय विधि जागरूकता दिवस (09 नवंबर, 2017)

सीयूएसबी के लीगल एड क्लिनिक, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस ने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़ (टीआईएसएस), मुंबई तथा मानवाधिकार लॉ नेटवर्क, पटना के सहयोग से 09 नवंबर, 2017 को 'राष्ट्रीय विधि जागरूकता दिवस' का आयोजन किया। इस अवसर पर लीगल एड क्लिनिक ने 'एक दिवसीय सोशियो-लीगल एड' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसका केंद्र बिंदु 'वर्तमान परिदृश्य में अंडर ट्रायल कैदियों तक सोशियो-लीगल एड की पहुंच' था। कार्यक्रम की शुरूआत प्रो. एस.पी. श्रीवास्तव, प्रमुख एवं डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के वक्तव्य से हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एडवोकेट सुश्री सविता अली,दलित मानवाधिकार पर राष्ट्रीय अभियान की राष्ट्रीय विधिक कोऑर्डिनेटर, ने जेलों में दलित कैदियों पर होने वाले अत्याचारों के बारे में बताया तथा जेलों की खराब स्थिति, विशेषकर बिहार में, से श्रोताओं को अवगत कराया। इसके बाद श्री प्रवीण कुमार, आपराधिक न्याय फेलो, टीआईएसएस, मुंबई ने महाराष्ट्र में जेलों की स्थिति पर एक प्रेज़ेंटेशन दिया। श्री राहुल प्रसाद, आपराधिक न्याय फेलो, टीआईएसएस, मुंबई ने जुवेनाइल जस्टिस प्रणाली पर प्रेज़ेंटेशन दिया।

डॉ. प्रणव कुमार, सहायक प्राध्यापक, पॉलिटिकल साइंस, सीयूएसबी ने सामान्य जीवन तथा समाज में कैदियों के प्रति राजनीतिक दृष्टि और स्वीकरणतथा पहचान पर जोर दिया। श्रीमती पूनम कुमारी, सहायक प्राध्यापिका, लॉ, सीयूएसबी ने अंडर ट्रायल कैदियों के विभिन्न मामलों तथा कानूनों के बारे में सूचना दी। इसके बाद एक ओपन हाउस डिस्कशन भी हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। इसके बाद कार्यक्रम का समापन डॉ. देव नारायण सिंह, कोऑर्डिनेटर, लीगल एड क्लिनिक के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

महिलाओं के विधिक अधिकार संबंधी जागरूकता प्रतियोगिता (28 नवंबर, 2017)

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस ने 28 नवंबर,2017 को गया परिसर में महिलाओं को अपने विधिक अधिकार से अवगत कराने के लिए तथा जागरूकता के लिए एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन किया। राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा महिलाओं के अधिकार की सुरक्षा संबंधी कानूनों पर बहुविकल्पीय (एमसीक्यू) प्रश्नपत्र हल किए। इस अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह में अध्यक्ष महोदय, सीयूएसबी के कुलपति प्रो. हरिश्चंद्र सिंह राठौर ने महिलाओं के पारंपरिक अधिकारों पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया तथा जीवन में हर क्षेत्र में महिलाओं का सम्मान करने का आग्रह किया। प्रो. रेखा अग्रवाल, प्रमुख तथा डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, ने वर्तमान संदर्भ में महिलाओं की स्थिति तथा उनके अधिकारों पर चर्चा की। प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव, प्रमुख तथा डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा महिलाओं के विधिक अधिकारों के कार्यान्वयन पर सभी का ध्यान आकर्षित किया। श्री शुभम् आनंद को प्रथम पुरस्कार दिया गया जो कि नकद राशि 2000/- रू. थी, जबकि श्री प्रभात शंकर को द्वितीय पुरस्कार दिया गया जो कि नकद राशि 1500/- रू. थी जबकि श्री तनय

आकाश, श्री प्रशांत कुमार, सुश्री बिन्नी कुमारी, श्री नवनीत कुमार तथा सुश्री दिव्या मेघना, प्रत्येक को तृतीय पुरस्कार दिया गया जो कि नकद राशि 1000/- रू. थी। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिग्विजय सिंह, कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी, 2018)

स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस के अवसर पर 12 जनवरी, 2018 को सीयूएसबी में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों जैसे निबंध तथा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पुनर्जागरण अध्ययन मंडल (विश्वविद्यालय विद्यार्थियों का एक मंच) ने 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' शीर्षक से एक परिचर्चा का आयोजन किया जिसमें कई विद्यार्थियों तथा संकाय गण ने अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. अरुण कुमार सिन्हा ने कहा कि युवा चरित्र का सही होना उनके आत्म निर्भर होने जितना ही महत्वपूर्ण है। प्रो. आर. एस. राठौर ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र के पास ये अवसर होता है जब उसकी जनसंख्या के अधिकतम भाग में युवा प्रतिनिधित्व करता है और यही वो समय होता है जब युवा राष्ट्र की अधिकतम समृद्धि में सहायता करता है। मीडिया विभाग के प्रमुख डॉ. आतिश प्राशर ने अपने वक्तव्य में स्वामी विवेकानंदजी के जीवन के कई पहलुओं पर चर्चा की तथा

विद्यार्थियों को उनका अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। जन संपर्क अधिकारी मो. मुद्दसीर आलम ने हमारी वर्तमान जीवन शैली से उदाहरण प्रस्तुत किए और कहा कि हमें अपने आप को बदलना होगा तथा स्वामी जी के मल्यों को अपने जीवन में अपनाना होगा और यही वास्तविक रूप से स्वामी जी को सच्ची श्रदांजली होगी। डॉ. नरसिंह कुमार, डॉ. अनिंद्या देब ने भी सभा को संबोधित किया। अंत में श्रोताओं ने वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को शुभकामनाएं दीं जिनके नाम हैं मधुरिमा (ईवीएस, चौथा सत्र), अक्षय (ईवीएस,चौथा सत्र) और सौरभ (सीएमएस दूसरा सत्र) जिन्होंने क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी, 2018)

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर सीयूएसबी के कुलपति प्रो. हरिश्चंद्र सिंह राठौर ने कहा कि, यदि हमें भारत को एक शक्तिशाली और समृद्ध देश बनाना है तो हमें भारत को भ्रष्टाचार मुक्त देश बनाने की शपथ लेनी होगी। गया परिसर में सभा को संबोधित करते हुए सीयूएसबी के कुलपति प्रो. हरिश्चंद्र सिंह राठौर ने कहा कि देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास किया है लेकिन साथ ही लोगों ने मानवीय मूल्यों को दांव पर लगा दिया है। भारत, जिसकी संस्कृति और परंपरा हज़ारों वर्ष पुरानी है, का नागरिक होने के नाते ये हमारा दायित्व है कि हम मानवीय मूल्यों को वरीयता दें और उस पर उचित रूप से ध्यान दें।

69वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति महोदय जी ने गया परिसर में तथा प्रोफेसर-इन-चार्ज अरुण कुमार सिन्हा जी ने पटना परिसर में ध्वजारोहण किया। बाद में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटकीय प्रहसन इत्यादि गणतंत्र दिवस समारोह के प्रमुख आकर्षण थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च, 2018)

सीयूएसबी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की वित्तीय, राजनीतिक तथा सामाजिक उपलब्धियों को स्मरण करते हुए गतिविधियों का आयोजन किया। आयोजन का संचालन करते हुए डॉ. अनिल कुमार सिंह झा, सह-प्राध्यापक, सोशियोलॉजी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्वपूर्णता पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. समापिका महापात्र, प्रमुख, डेवलपमेंट स्टडीज़ ने समाज में लिंग समानता पर प्रकाश डालते हुए बिना किसी भेदभाव के समाज में महिलाओं को समान अधिकार देने की वकालत की।डॉ. सनत कुमार शर्मा, डीएसडब्ल्यू ने समाज में महिलाओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए परिवार और राष्ट्र को समृद्ध बनाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर चर्चा की। इस अवसर पर पोस्टर तथा रंगोली बनाने की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता में इशिता को प्रथम, करिशा को द्वितीय तथा विनीत को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। रंगोली बनाने की प्रतियोगिता में अंजली को प्रथम, रिचा को द्वितीय तथा रीता को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

एडु-फेस्ट संबोधि सरिता (21-23 मार्च, 2018)

स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी ने 21 से 23 मार्च, 2018 तक तीन दिवसीय एडु-फेस्ट:संबोधी सरिता-2018 (पेटलिंग यंग माईन्डस् टू बी लीडिंग टीचर्स) का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. ओ.पी. राय, प्रति कुलपति, सीयूएसबी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुधीर कुमार सिन्हा, चिकित्सा अधीक्षक, एएनएमएमसीएच उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रो. रेखा अग्रवाल, प्रमुख एवं डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, कार्यक्रम की आयोजनकर्ता के साथ अन्य संकायगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

उद्घाटन के बाद, प्रो. ओ.पी. राय ने अपने वक्तव्य में शिक्षकों में नेतृत्व के गुण के विकास में एडु-फेस्ट के आयोजन की महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद 'रक्तदान शिविर' का भी आयोजन था। स्कूल ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों एवं संकायगण के सहयोग से डॉ. रविकांत के संचालन में, 35 व्यक्तियों ने रक्त दान किया। एडु-फेस्ट के अन्य आकर्षणों में विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रकार के खाद्य स्टॉल थे जिनमें कई प्रकार के व्यंजन थे। कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी, काव्य पाठ, स्पेल बी तथा वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

वर्ल्ड वाटर डे (22 मार्च, 2018)

वर्ल्ड वाटर डे के अवसर पर 22 मार्च, 2018 को सीयूएसबी के सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल साइंसेज़ ने पाटलीपुत्र विज्ञान भारती के सहयोग से जल संरक्षण तथा प्रबंधन विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन पीपल के वृक्षारोपण से किया गया। समाज सेवक श्री अतुल कोठारी ने पानी की कमी और जल संरक्षण पर महत्वपूर्ण व्याख्यान देते हुए दैनिक जीवन और जल संरक्षण पर एक पारस्परिक चर्चा का सत्र भी किया। डॉ. राम

कुमार ने घटते हुए वेटलैंडस् तथा बढ़ते हुए शहरीकरण पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। प्रो. आर.एस. राठौर, डीन, एसईबीईएस, संपादक श्री प्रेमनाथ पांडे तथा डॉ. आतिश प्राशर, प्रमुख, सीएमएस कार्यक्रम में उपस्थित थे तथा इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

पूर्व छात्र सम्मेलन (26 मार्च, 2018)

अपनी मातृ संस्था की खूबसूरत यादों के साथ सीयूएसबी के पूर्वछात्र 26 मार्च, 2018 को पटना परिसर में आयोजित पूर्व छात्र सम्मेलन में पूरे उत्साह के साथ सम्मिलित हुए। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं छात्राएं रंगीन पोशाकों में अपने सहपाठियों से चेहरे पर मुस्कान लिए मिले तथा अपने जीवन के सुखद क्षणों को एक साथ बिताया।

सीयूएसबी के प्रति कुलपति प्रो. ओम प्रकाश राय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि ज्ञान की सहायता से जीवन को प्रबंधित करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। प्रो. राय ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय के ब्रॉन्ड एंबेसडर के रूप में उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत पीएच.डी स्कॉलर प्रतीका कुमारी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। कार्यक्रम में आगे श्रीमती रश्मि त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक, सीयूएसबी और डॉ. सनत कुमार शर्मा, डीन, छात्र कल्याण ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर समिति द्वारा तैयार की गई सीयूएसबी पूर्व छात्र अध्यादेश भी जारी की गई। इसके बाद सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को खुले मन से आनंद लेने के लिए अवसर दिया जिसमें कई उत्कृष्ट प्रदर्शन जैसे गीत, कविताएं, गज़लें, इत्यादि शामिल थे। अंत में सभी विद्यार्थियों ने शुभकामनाओं के साथ एक दूसरे से भारी मन से विदा लिया तथा एक दूसरे से अगले पूर्व छात्र सम्मेलन में, जब भी आयोजित हो, मिलने का वादा भी किया।

स्कूल और केंद्र / विभाग

क्र. सं.	स्कूल का नाम
1	स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़
2	स्कूल ऑफ एजुकेशन
3	स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज़
4	स्कूल ऑफ लैंगवेजेज़ एंड लिटरेचर
5	स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस
6	स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटरसाइंस
7	स्कूल ऑफ मीडिया, आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स
8	स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसीज़
9	स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़
10	स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज़
11	स्कूल ऑफ टेकनोलॉजी
12	स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज़
13	स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
14	स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड डेवलपमेंट

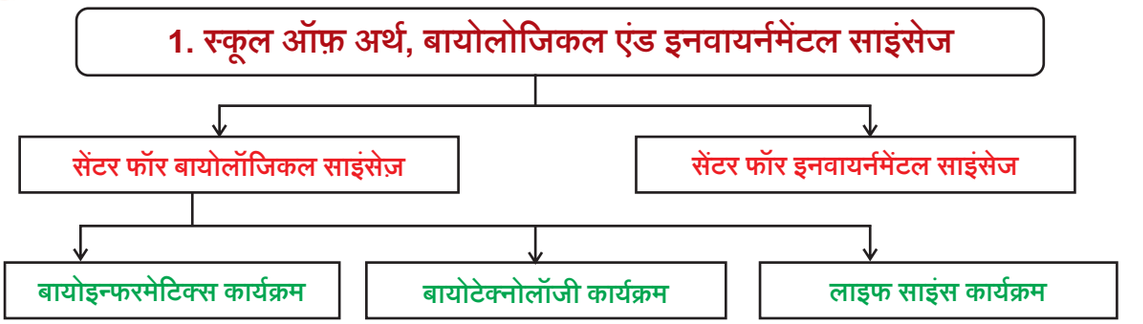

मानव बीमारियाँ तथा हमारे प्राकृतिक संसाधनों में परिवर्तन है. जीवविज्ञान की गहरी समझ से सिर्फ इन समस्याओं का समाधान नहीं होगा बल्कि हमें वर्तमान प्राकृतिक संसाधनों को भी स्थाई रखने में मदद करनी होगी. सेंटर फॉर बायोलोजिकल साइंसेज इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अहम् भूमिका अदा करता है. हमारी असली ताकत जेनोमिक्स, बायोकेमिस्ट्री, इन्फार्मेटिक्स, इमर्जिंग इन्फेक्शस डिजीजेज तथा बेसिक एंड एप्लाइएड बायोलोजी के क्षेत्र पर है. ये ताकत हमारे निपुणसंकायगण के द्वारा और मजबूत हो रहा है और वो अपने इस ज्ञान को ग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट तथा पीएचडी स्तर पर सर्वथा भिन्न विद्यार्थी प्रशिक्षण के तहत पुनः निवेशित कर रहे हैं।

(ए) सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज़

वर्तमान में सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज़ (सीबीएस) लाईफ साइंस, बायोटेक्नोलॉजी और बायोइनफॉरमेटिक्स में पीजी एवं इंटीग्रेटेड एमफिल-पीएचडी कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। इन कार्यक्रमों में अच्छे थियोरी और प्रैक्टिकल पाठ्यक्रम सहितबायोलॉजिकल साइंसेज़ के सीमान्त क्षेत्रों मेंनवाचार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। यह तीनों प्रोग्राम शोधकर्ताओं को बायोलॉजिकल प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को थियोरेटिकल के साथ प्रैक्टिकल रूप में भी समझाने में सक्षम हैं और उन्हें अध्ययन और शोध के लिए एक इंटीग्रेटिव दृष्टिकोण तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

(i) बायोइनफॉरमेटिक्स कार्यक्रम

यह विभाग विद्यार्थियों को शोध की दिशा में उन्मुख करते हुए न केवल विषय के मूल को समझने में सहायता करता है बल्कि मोलेक्यूलर मॉडेलिंग, सिमुलेशन और कंप्यूटर एडैड ड्रग डिज़ाइनिंग, सिस्टम बायोलॉजी और फंक्शनल जेनोमिक्स जैसे उभरते विषयों में एप्लाइड शोध के लिए भी प्रेरित करता है। विश्लेषणात्मक तकनीक, प्रबंधन और बायोलॉजिकल डेटाबेस का विश्लेषण भी पढ़ाया जाता है क्योंकि मोलेक्यूलर बायोलॉजी के न्यूनकारी दृष्टिकोण से इंटीग्रेटेड दृष्टिकोण में परिवर्तित होने से सेल को एक सिस्टम के रूप में मानने के बाद से थियोरेटिकल बायोलॉजी में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी एवं पीएचडी बायोइन्फॉरमेटिक्स
नियमित संकाय	*7 (सात)*
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो० आर.एस. राठौर

संकाय प्रोफाइल

नाम एवं पदनाम	योग्यवता
प्रो. आर.एस. राठौर, प्रोफेसर, डीन तथा अध्यक्ष	पीएचडी
डा. आशीष शंकर, सह प्राध्यापक	पीएचडी
डा. अजय कुमार सिंह, सह प्राध्यापक	एमटेक, पीएचडी
डा. कृष्ण कुमार ओझा, सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
डा. दुर्ग विजय सिंह, सहायक प्राध्यापक	एमटेक, पीएचडी
डा. विजय कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
डा. अनिल कुमार, सहायक प्राध्यापक	एमटेक, पीएचडी

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

प्रो. आर. एस. राठौर

एससीआई जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

- बी. के. सागर,एच. एस. यथिरंजन, आर. एस. राठौर, क्रिस्टोफर गाईडवेल (2018) एक्टा क्रिस्टालोग्राफिका सेक्सन सी: स्ट्रक्चरल केमिस्ट्री (विले/आईयूसीआर). सी74,45-53. फोर क्लोजली रिलेटेड एन-(एन-(3बेन्जोइल-4,5,6,7-टेट्राहाइड्रोबेन्जो (बी) थियोफेन-2-वाईएल) बेन्जामाईडस : आर्डर वर्सेस डिसआर्डर, एंड सिमिलर मॉलिकुलर कॉनफॉरमेशन बट डिफरेंट मॉडस ऑफ सुप्रामॉलिकुलर एग्रेगेशन, विथ ए न्यू डिसआर्डर रिफाईनमेंट ऑफ 2-एमिनो-3-बेन्जोयल-4,5,6,7-टेट्राहाईड्रोबेन्जो (बी) थाईफेने (इमपैक्ट फैक्टर-8.7).
- बी. के. सागर, एच. एस. यथिरंजन, आर. एस. राठौर, क्रिस्टोफर गलाईडवेल (2018) एक्टा क्रिस्टालोग्राफिका सेक्सन सी: (विले/यूसीआर) (2018). सी74,203-211. सिन्थेसिस एंड स्ट्रक्चर्स ऑफ सिक्स क्लोजली रिलेटेड एन-(3-(2-क्लोरोबेन्जोइल)-5इथाइलथियोफेन-2-वाईएल) एराईलामाईडस, टुगेदर विथ एन आइसोलेटेड रिएक्शन इन्टरमीडियेट: आर्डर वर्सेस डिसआर्डर, मॉलिकुलर कॉनफॉरमेशन एंड हाईड्रोजन बान्डिंग इन जीरो, वन एंड टु डाईमेंसन (इमपैक्ट फैक्टर-8.7).
- एम. गिरीशा, एच. एस. यथिरंजन, आर. एस. राठौर, क्रिस्टोफर ग्लाईडवेल (2018) एक्टा क्रिस्टालोग्राफिका सेक्सन ई: क्रिस्टालोग्राफिका कम्यूनिकेशन (विले/आईयूसीआर) (2018). ई74,376-379. रिइनवेस्टीगेशन ऑफ द क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ एन-(4-क्लोरोबेन्जोइलीडीन)-2हाईड्राक्सीएनीलीन: ए थ्री डाईमेंशनल स्ट्रक्चर कॉनटेनिंग ओ-एच....एन, ओ-एच....ओ एंड सी-एच... पी (एरेने) हाडड्रोजन बान्डस।
- बी.के. सागर,एम. गिरीशा, एच. एस. यथिरंजन, आर. एस. राठौर, सी. ग्लाईडवेल (2017) एक्टा क्रिस्टालोग्राफिका सेक्सन ई: (विले/यूसीआर)ई73, (2017). 1320-1325. क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ 2-एमिनो-4,4,7,7-टेट्रामिथाईल-4,5,6,7-टेट्राहाइड्रो-1,3-बेन्जोथाईजोल-3-आईयूएम बेन्जोएट एंड 2-एमिनो-4,4,7,7-टेट्रामिथाईल-4,5,6,7-टेट्राहाइड्रो-1, 3-बेन्जोथाईजॉल-3-आईयूएम पिकरेट।
- एम. गिरीशा, एच. एस. यथिरंजन, आर. एस. राठौर, क्रिस्टोफर ग्लाईडवेल (2017) एक्टा क्रिस्टालोग्राफिका सेक्सन ई: (विले/यूसीआर)ई73, (2017). 1835-1839. क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ (ई)-1-{3-[(5-फलुअरो-2-हाईड्रोक्सी बेन्जाइलिडेन) एमिनो] फिनाईल} ईथाओन एंड ऑफ ए फार्थ पॉलीमार्फ ऑफ (ई)-1-{3-[(2-हाईड्रोक्सी-3-मिथॉक्सीबेन्जाईलिडेन) एमिनो] फिनाईल} ईथाओन।
- आर. एस. राठौर, पी.ए. मितेई, डी नरेश, मुर्थि एंड वी. विंडाल (2017) एक्टा क्रिस्टालोग्राफिका सेक्सन ए: (विले/यूसीआर)ए73,सी241.नोबेल डुअल-बाईडिंग केशन-पी इनहिबिटर्स ऑफ एसिटाईलकोलिनइस्टेरेस. (इमपैक्ट फैक्टर -7.9)
- वी. जी. पारसनाथ, आर. एस. राठौर, एम. पाठक, के साथीयानारायण (2017) जर्नल ऑफ कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री,70, 983-996.फलूरेसेन्ट एलयुमिनियम चिलेट कॉम्पलेक्सेस एज मॉडिफाईड प्रेकुशरर्स फॉर नैनो-स्ट्रक्चर्ड एलुमिना (इमपैक्ट फैक्टर -1.7)

डा. आशीष शंकर

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

- कुमार एस, शंकर ए(2018)कॉमन, यूनिक एंड पॉलीमारफिक सिम्पल सिक्वेंस रिपीट्स इन क्लोरोप्लास्ट जीनोम ऑफ जेनस एराबिडोपसिस. वेजेटोस 31(स्पेशल): 125-131
- शुक्ला एन, कुंतल एच, शंकर ए, शर्मा एसएन (2018)हाइड्रो-प्रीमिंग मेथड्स फार इनीसिएशन ऑफ मेटाबोलिक प्रोसेस एंड सिंक्रोनाईजेशन ऑफ जरमिनेशन इन मुंग बीन (विगना राडीआटा एल.) सीड्स जर्नल ऑफ क्रॉप साईंस एंड बायोटेक्नोलॉजी21: 137-146

बुक :- बायोइन्फॉरमेटिक्स : सिक्वेंस, स्ट्रक्चरस, फाइलोजेनी: आईएसबी- 13:978-9811315619, पेज-402, पब्लिशर:- स्प्रिंगर

बुक चेप्टर :- कुमार एस, शंकर ए (2018) बायोइन्फारमेटिक्स रिर्सोसेज फॉर द स्ट्रेस बॉयोलॉजी ऑफ प्लांट इन एस. वत्स (इडी.), बायोटिक एंड एबायोटिक स्ट्रेस टॉलॉरेन्स इन प्लांटस, https://doi.org/10.1007/978-981-10-9029-5_14, © स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लि० 2018

डा० अजय कुमार सिंह

बुके चेप्टर - सिंह ए के 2017 "एडवांस इन कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाईनिंग" इन बुक "बॉयोटेक्नालॉजी"रिसेंट ट्रेंडस एंड इमर्जिंग डाइमेंशन", इडी. अतुल भार्गव एंड एस. श्रीवास्तव पब्लिशर टायलर एंड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस। आईएसबीएन: 9781138561083.

एबस्ट्रैक्ट इन नेशनल/ इंटरनेशनल कान्फ्रेंस : बॉयोसंगम 2018, "इंटरनेशनल कान्फ्रेन्स ऑन इनोवेशन एंड ट्रांसलेशनल डाइमेंशन : फुड, हेल्थ एंड इनवायरमेंटल बॉयोटेक्नोलॉजी", हेल्ड एट डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, मोतीलाल नेहरू नेशनल इन्सटीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनएनआईटी) इलाहाबाद ड्यूरिंग मार्च, 9-11 2018.

डॉ० कृष्ण कुमार ओझा

- कृष्ण कुमार ओझा, स्वपनिल मिश्रा एंड ललित कुमार पांडेय,2018. आर्केवीर:ए कम्प्रीहेशिव जिनोमेटिक्स डाटाबेस ऑफ आर्कइल वायरसेस। ट्रेंड इन बॉयोइनफॉरमेटिक्स,11: 1-6.
- स्वपनिल मिश्रा,कृष्ण कुमार ओझा, पारसनाथ पांडेय एंड आकांक्षा शुक्ला, 2018. इन सिलिको स्टडीज फॉर पोटैंशिएल नैचुरल इनीहिबीटर्स फॉर आईसोसिट्रेट डिहाइड्रोजिनेस टाईप टु ऑफ माइकोबेक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस (एच37आरवी).ट्रेंडस इन बॉयोइन्फॉरमेटिक्., 11: 7-16.
- एस. मिश्रा, के.के. ओझा, पी.एन. पांडेय, इन सिलिको स्टडीज ऑफ एम. ट्यूबरकुलोसिस एल–लाईसीन6-मोनोक्सीजेनेस(एमबीटीजी) एडपोटेंशियल टार्गेट एंड एन एप्रोच फॉर रिपरपोसिंग फर्स्ट लाईन एंटीटयूबरकुलर ऑरल ड्रगस, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साईंसेस 20 (4)

डॉ० विजय कुमार सिंह

पब्लिशड पेपर्स इन जर्नल्स

- एफ. फुसेला, एल. सेसलि, ई. बुसो, ए क्रेपेलोवा, ई मोएसो, एस. रोक्का, एल. एनारातोन, एम. मेलो-ग्रांड, वी.के. सिंह, जी. कोरिनो, एल. सेलिंगों, एफ अल्ट्राडा, ई. तुर्को, ए. मोरोट्टी, एस. ओलिवेरो, आई. कॉस्टेलॉनो, पी. प्रोवेरो, जी तारोने (2017). दी आईकेके/एनएफ-के बी सिंगनैलिंग पाथवे रिक्वायर मोरगाना टु ड्राइव ब्रेस्ट कैंसर मेटासटेसिस। नेचर कम्यूनिकेशन। (आईएसएसएन2041-1723; इमपैक्ट फैक्टर– 12.12)

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठयक्रम आदि

प्रो० आर.एस. राठौर

- लेक्चरर डिलर्वड ऑन नावेल डिअुल-बाईडिंग केशन-πइनहिबीटर्स ऑफ एसीएचई: स्ट्रक्चर बेस्ड डिजाईन, सिंथेसिस एंड बायोलॉजिकल इवेल्यूशन इन इनबिक्स'17: इंडियन कान्फ्रेंस ऑन बॉयोइनफारमेटिक्स नवंबर,7-9, 2017, बिरला इन्सटीच्यूट ऑफ साईटिफिक रिसर्च (बीआईएसआर) जयपुर, भारत

डॉ० अजय कुमार सिंह

- इनवाईटेड एज रिसोर्स पर्सन इन नेशनल वर्कशॉप ऑन बॉयोइन्फॉरमेटिक्स हेल्ड ऑन 24-25 जनवरी,2018 एट संत जेवियर कॉलेज, मापुसा, गोआ।

डॉ० कृष्ण कुमार ओझा

- इनवाईटेड टॉक एंड रिसोर्स पर्सन इन नेशनल कान्फ्रेन्स ऑन " ट्रेन्डस इन बॉयोइन्फॉरमेटिक्स" आर्गेनाईज्ड बाई डीबीटी सब-डीआईसी सेन्टर बॉयोइन्फॉरमेटिक्स टीएमबीयू भागलपुर युनिवर्सिटी जनवरी 19-20, 2018.
- रिसोर्सपर्सन इन नेशनल ट्रेनिंग कोर्स ऑन "करेंट ट्रेंडस इन बॉयोइन्फॉरमेटिक्स टिचिंग एंड रिर्सच " आर्गेनाईज्ड बाई डीबीटी सब-डीआईसी सेन्टर बॉयोइन्फॉरमेटिक्स टीएमबीयू भागलपुर युनिवर्सिटी फरवरी 9-10, 2018.

डॉ० विजय कुमार सिंह

- पार्टिसिपेटेड इन द ग्रुप मॉनिटरिंग वर्कशॉप हेल्ड एट इंटरनेशनल सेन्टर फॉर गंगेटिक इंजीनियरिंग एंड बॉयोटेक्नोलॉजी ऑन 15 सितंबर, 2017एंड प्रजेंटेड द वर्क डन द एसईआरबी यंग साईटिस्ट प्रोजेक्ट टाईटिलड "आईडेंटिफिकेशन ऑफ मॉलिक्यूलर स्पेशिज दैट हैव पोटैंशियल टु कंपलीट विथ इंसुलिन फॉर रिसेप्टर बाइंडिंग".

प्राप्तशोध परियोजना अनुदान / अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

प्रो० आर.एस. राठौर

इंटरनेशनल कोलेबोरेशन:- 1. प्रो० सी.जी. ग्लाईडवेल, यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट एंड्रयू स्काटलैंड, यूके 2. प्रो० एम. आर. रेड्डी, चेयरमैन, आर.आर.लैब, सैन डियागो, कैलिफोर्निया

नेशनल कोलेबोरेशन:- 1. प्रो० एच. एस. यथिरंजन, डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री, यूनिवर्सिटी ऑफ मैसूर 2. प्रो० वी. विंडाल, डिपार्टमेंट ऑफ बॉयोइनफॉरमेटिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद 3. प्रो० के साथीनारायणन, डायरेक्टर, वीआईटी यूनिवर्सिटी, वेल्लोर, तमिलनाडु 4. डा० पी रेडडान्ना, डीन,स्कूल ऑफ लाईफ साईंस, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद 5. डा० यू. राघवेन्द्र, बीएसआईआर जयपुर

डॉ० विजय कुमार सिंह

इंटरनेशनल कोलाबोरेशन:- प्रो० जियोवानाना चियोरिनो, कैंसर जिनोमिक लेबोरेट्री, इटली.

डॉ० दुर्ग विजय सिंह

- रेसनल एप्रोच ऑफ हर्बिसाईड डिसकवरी एगेंस्ट हर्बिसाईड रेसिसटेंट एसिटोलेक्टेट सिंथेस ऑफ फेलिरिस माइनर: जीन टु हर्बिसाईड एप्रोच, एसईआरबी, कोर रिसर्च ग्रांट एप्रुव्ड।

नेशनल कोलेबोरेशन :- 1. प्रो० कृष्णा मिश्रा, आईआईआईटी इलाहाबाद 2. डॉ० कुरबा एडेप्पा, इंडिया पेस्टिसाईड लि०, लखनउ

(ii) बायोटेक्नोलोजी कार्यक्रम

डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोटेक्नोलोजी पूरे विश्वविद्यालय में संकाय/शोधकर्ताओं की प्रतिभागिता के साथ इंटरडिसीप्लीनरी (अंतअर्नुशासनात्मक) अप्रोचविकसित करता है। पेशवर एवं प्रबंध कौशल के साथ प्रशिक्षण प्रदान करता हमारी शिक्षणशैली की कुंजी है। यह प्रोग्राम शोध एवं नीति में उत्तरदायित्व निर्माण एवं नीति अनुपालन पर ध्यान केन्द्रित करता है। हम ह्यूमेनहेल्थ, ट्रांसजेनिकक्रॉप डेवलपमेंट, इनवायर्नमेंटल साइंसेज तथा इंफोर्मेटिक्सपरएकइंटीग्रेटेड (एकीकृत) अप्रोचलानेपर समान रूप से बलदेते हैं। यह पाठ्यक्रम प्रोजक्ट डिजर्टेशन, प्रस्तुतिकरण तथा विस्तृत मौखिकी को मूल्यांकन प्रथा के एक भाग के रूप में समाहित करता है। विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण एवं बायोटेक्नोलॉजी उद्योगों को भ्रमण द्वारा उत्पाद विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं को सीखने हेतु प्रमुख शोधसंस्थानों का दौरा करते है। बायोटेक्नोलॉजी कार्यक्रम का एक प्रमुख लक्ष्य विद्यार्थियों को कटिंग एज रिसर्च में सक्रिय रूप से शामिल करना है। वर्तमान में विभागीय शोधमुख्य तया कैंसरबायोलॉजी, ऑटोइम्यूनडिजीजेज, फंगलडिजीजेज, लंगफिजियोलॉजी, न्यूरोइथोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, जेनेटिकइंजीनयरिंग, स्टेमसेलथेरेपी, प्रोओमिक्स, मोलिक्युलरबायोलॉजी, सिग्नलट्रांसडक्शन, इंटरफेरॉन (आईएफएनएस) ट्रांसक्रिप्शनफेक्टर्स, न्यूरोइमेजिंग, इलेक्ट्रोफिलियोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री ऑफ फंगल पैथोजन्सएंडजेनेसिस ऑफ सेकेन्ड्री मेटाबोलाइट्स के साथ-साथ जेनेटिकमेनिपुलेशंस ऑफ प्लांट्स जिसमें प्लांटटिस्यूकल्चर तथा मोलिक्युलरमार्किट डेवलपमेन्ट्स भी शामिल हैं, के क्षेत्रों पर केन्द्रित है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएच.डी.
नियमित संकाय	*7 (सात)*
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डॉ.रिजवानुल हक

संकाय प्रोफाइल

नाम एवं पदनाम	योग्यता
डॉ. रिज़वानुल हक, सह प्राध्यापक तथा अध्यक्ष	पीएच.डी.
डा. राकेश कुमार, सह प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. अंतरेश कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. नितीश कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. कृष्ण प्रकाश, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. जावेद अहसान, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा, यूजीसी- सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.

पुस्तकों / जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डा० रिजवानुल हक

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

- घनश्याम कुमार सत्यपाला, संतोष कुमार मिश्रा, अमृता श्रीवास्तव, राजेश कुमार रंजन, कृष्णा प्रकाश, रिजवानुल हक, नीतिश कुमार, पॉसिबल बॉयोरेमेडिएशन ऑफ आर्सेनिक टॉक्सिसिटी बाय आइसोलेटिंग इंडिजेनियस बैक्टीरिया फ्राम द मिडिल गंगेटिक प्लेन ऑफ बिहार, भारत। बॉयोटेक्नोलॉजी रिपोर्टस 2018. 2018 फरवरी 8;17:117-125.डीओआई: 10.1016/j.btre.2018.02.002 इमपैक्ट फैक्टर: 1.229, आईएसएसएन 2215-017X
- रिजवानुल हक, चौधरी ए., सदाफ एन. इम्यूनोमॉडुलेटरी रॉल ऑफ आर्सेनिक ऑन रेगुलरेटरी टी सेल्स। इंडकॉर मेताब इम्यून डिर्साड ड्रग टारगेटस 2017 अगस्त17. डीओआई: 10.2174/1871530317666170818114454. इमपैक्ट फैक्टर - 2.013, आईएसएसएन:1871-5303.
- विनोद कुमार, नीरज तिवारी, मल्लिकार्जुन रॉव गेडडा, रिजवानुल हक एंड राकेश सिंह (2017). लेसमेनिया दोनोवाणी इन्फेक्शन एक्टिवेटस टीएलआर 2, 4 एक्सप्रेशन एंड टीजीएफ-β मेडिएटेड एप्टोसिस इन रेनल टिश्यूस। ब्राजिलियन जर्नल्स ऑफ इन्फेकशन डिजीज, ब्राज ज इन्फेक डिज 2017 सितंबर–अक्टूबर;21(5):545-549. इमपैक्ट फैक्टर: 2.083.आईएसएसएन: 1413-8670.
- रिजवानुल हक, जियायोंग सोंग, मोहम्मद हक, फेंगयांग ली, प्रणीत संधू, बिंग नी, सोंगगू झेंग, दियू फेंग, जिन मिंग यांग एंड जिनसुन सोंग.सी-एमवाईसी-इनडयूस्ड सुरविविन इज इसेंशियल फॉर प्रमोशन द नॉच डिपेंडेंट टी सेल डिफरेंसिएसन फ्राम हेमाटोपोइटिक स्टेम सेल जेनस (बासेल). 2017 मार्च6;8(3). पीआईआई: E97. डीओआई: 10.3390/genes8030097. पीएमआईडी: 28272325, इमपैक्ट फैक्टर: 3.191, आईएसएसएन 2073-4425 एपीआई: 28 यूजीसी आईडी - 13159

डा० राकेश कुमार

रिसर्च पब्लिकेशन

- "एसेशिंग बॉयोडिग्रेडेशन ऑफ फुरफुरेल एलकोहल युजिंग स्यूडोमोनस पुजपकं एमटीसीसी 1194 एंड स्यूडोमोनस एरूजिनोसा एमटीसीसी 1034 एंड इटस काइनेटिक्स"कुमार आर., रश्मि डी., वर्ल्ड जर्नल ऑफ माइक्रोबॉयोलाजी एंड बायोटेक्नोलॉजी (स्प्रिंगर) (आईएफ-2.1) 34:2, 2018.
- "पॉलीलेक्टिक एसिड इनकॉरपोरेटेड पॉलीफुरफुराईल एल्कोहल बॉयोप्लास्टिकस: थर्मल, मैकेनिकल एंड कुरिंग स्टडीज"बाई शरीब एम., कुमार आर., के. दिनेश कुमार, जर्नल ऑफ थर्मल एनालिसिस एंड कैलोरीमेट्री (स्प्रिंगर) (आईएफ-2.04), वाल्यूम 132 (3), पीपी 1593-1600, 2018.

बुक:

- " सोय प्रोटीन: प्रोपर्टीज, हेल्थ इफैक्टस एंड रिसर्च एडवांस" (आईएसबीएन: 978-1-53612-091-2) बीईंग इडिटेड बाय डा० राकेश कुमार फ्राम ए नोवा पब्लिशर, यूएसए, 2017.

बुक चैप्टर्स्:

- चैप्टर 8,पीपी163-182. चैप्टर, इनटाईटल्ड "दमाल्यिूकुलर वेट एंड प्रोसेसिंग ऑफ सोय प्रोटीन एडीबन फिल्मस" बाय कुमार आर. एंड कुमार ए., बीईंग एडिटेड बाय डा० राकेश कुमार इन ए बुक पब्लिशड इनटाइटल्ड " सोय प्रोटीन: प्रोपर्टीज, हेल्थ इफैक्टस एंड रिसर्च एडवांसेस" (आईएसबीएन: 978-1-53612-091-2)" फ्राम ए नोवा पब्लिशर 2017
- चैप्टर7,पीपी137-162. चैप्टर, इनटाइटल्ड" सोय बीन एज एन एन्टीमाइक्रोबियल फिल्मस" बाय कुमार ए. एंड कुमार आर. बीईंग एडिटेड बाय डा० राकेश कुमार इन ए बुक पब्लिशड इनटाइटल्ड " सोय प्रोटीन: प्रोपर्टीज, हेल्थ इफैक्टस एंड रिसर्च एडवांसेस" (आईएसबीएन: 978-1-53612-091-2)" फ्राम ए नोवा पब्लिशर 2017.
- चैप्टर10, पीपी201-214. चैप्टर, इनटाईटल्ड"एन इन्ट्रोक्डटरी कन्सेप्ट ऑफ रिस्पांस सरफेस मेथेडोलॉजी टु डिटरमाईन द थ्योरेटिकल मैकेनिकल प्रोपर्टीज ऑफ सोय प्रोटीन फिल्म"बाय कुमार आर. एंड कुमार आर. बीईंग एडिटेड बाय डा० राकेश कुमार इन ए बुक पब्लिशड इनटाइटल्ड " सोय प्रोटीन: प्रोपर्टीज, हेल्थ इफैक्टस एंड रिसर्च एडवांसेस" (आईएसबीएन: 978-1-53612-091-2)" फ्राम ए नोवा पब्लिशर 2017.

डा० अंतरेश कुमार

पीर रिव्यू जर्नल्स:

- एस कुमार, ए. कुमार, एम. कौशल, पी. कुमार, के. मुखोपाध्याय, ए. कुमार (2018) फंगल-डीराईव्ड सेनोबॉयोटिक एक्जिबिट एन्टीबैक्टेरियल एंड एंटीबॉयोफिल्म एक्टिविटी अगेंस्ट एस. ओरयस ड्रग डिस्कवरीज एंड थेरापेटिक्स.12(4):214-223. (कोरेसपॉन्डींग ऑथर)
- अरविन्द कुमार, वरूण जायसवाल, विनय कुमार, अमिताव राय, अंतरेश कुमार (2018) फंक्शनल रिडंडेन्सी इन इचिनोकेन्डिन बी इन क्लस्टर ट्रान्सक्रिप्शन फैक्टर इसीडीबी ऑफ इमेरिसेला रूगुललोसा एनआरआरएल 11440. बॉयोटेक रिप. ई00264; 1-8. (कोरेसपॉन्डींग ऑथर)
- कृष्णेन्दु बेरा, प्रियंका रानी, गौरव किशोर, शिखा अग्रवाल, अंतरेश कुमार, दुर्ग विजय सिंह (2017) स्ट्रक्चरल इलुसिडेशन ऑफ टीएमडीओ डोमेन ऑफ ईसीडीएल: एन एमआरपी1 फैमिली ऑफ एबीसी ट्रान्सपोर्टर प्रोटीन रिविल्ड बाय एटामिस्टिक सिमुलेशन जे. बायोमोल. स्टक डायना. डीओआईण्; ओरगdoi.org/10.1080/07391102.2017.1372311.

बुक चैप्टर्स्:

- अंतरेश कुमार, राकेश कुमार (2017) सोय प्रोटीन फिल्म एज एन एन्टीमाइक्रोबायल सोय प्रोटीन: प्रोपर्टीज, हेल्थ इफैक्टस एंड रिसर्च एडवांसेस" (आईएसबीएन: 978-1-53612-091-2)" फ्राम ए नोवा पब्लिशर, आईएनसी, यूएसए.
- राकेश कुमार, अंतरेश कुमार (2017) मॉलिक्यूलर वेट एंड प्रोसेसिंग ऑफ सोय प्रोटीन: प्रोपर्टीज, हेल्थ इफैक्टस एंड रिसर्च एडवांसेस" (आईएसबीएन: 978-1-53612-091-2)" फ्राम ए नोवा पब्लिशर, आईएनसी, यूएसए.

डा० नितीश कुमार

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर :

- महतो केयू, शाहीन ए., कुमारी एस, सिंह आई.एस, कुमार एन*(2018) डीएनए पॉलीमॉरफिज्म एनालायसिस ऑफ इंडियन जर्मप्लाज्म ऑफ त्रापा नतान्स यूजिंग आरएपीडी मोलेकुलर मार्कर. बॉयोकैटेलाइसिस एंड एग्रीक्लचरल बॉयोटेक्नोलॉजी,15: 146-149 (इल्सेवियर पब्लिशिंग) *कोरेसपॉन्डींग ऑथर
- मोदी ए., सुथर के., थक्कर पी., मनकद एमसी, कुमारी एस, नारायण एस, सिंह एएस, कुमार एन.* (2018) एवेल्यूएशन ऑफ सेक्स स्पेशिफिक आरएपीडी एंड एससीएआर मार्कर्स लिंक्ड टु पपाया (कारिका पपाया एल.) बायोकैटेलाइसिस एंड एग्रीक्लचरल बॉयोटेक्नोलॉजी, 16: 271-276 (इल्सेवियर पब्लिशिंग) *कोरेसपॉन्डींग ऑथर
- एन. सदाफ, एन कुमार, एम अली, वी. अली, एस. विमल, आर. हक,(2018) आर्सेनिक ट्राईक्साईड इनडयूसेस एपोपटोसिस एंड इनहिबिट्स द ग्रॉथ ऑफ ह्यूमन लीवर कैंसर सेल्स. लाईफ साईंस, 205: 9-17 (इल्सेवियर पब्लिशिंग)

- जीके सत्यपाल, एसके मिश्रा, ए श्रीवास्तव, आर.के. रंजन, के प्रकाश, आर. हक, कुमार एन.* (2018) पॉसिबल बॉयोरेमेडिएशन ऑफ आर्सेनिक टॉक्सिसिटी बाय आइसोलेटिंग इंडीजिनस बैक्टिरिया फ्राम द मिडिल गंगेटिक प्लेन ऑफ बिहार, इंडिया बॉयोटेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स,17: 117-125 (इल्सेवियर पब्लिशिंग) *कोरेसपॉन्डींग ऑथर
- कुमार एन*, शिखा डी., कुमारी एस, चौधरी बीके, कुमार एल, सिंह आई.एस. (2018) एसएसआर-बेस्ड डीएनए फिंगरप्रिंट एंड डायवर्सिटि एसेसमेंट एमान्ग इंडियन जर्मप्लाज्म ऑफ यूरेयेल फेरॉक्स : एन एक्वेटिक अंडरयूटिलाईज एंड नेगलेक्टेड फुड क्रॉप. एप्लाईड बायोकेमिस्ट्री एंड बॉयोटेक्नोलॉजी 185: 34-41 (स्पिंग्रर पब्लिशिंग) *कोरेसपॉन्डींग ऑथर
- मोदी ए, गजेरा बी, सुभाष एन, सिंह एएस, कुमार एन* (2017) एवेल्यूएशन ऑफ क्लोनल फिडेलिटी ऑफ माईक्रोप्रोपोगेटेड डेट पाम (फोनिक्स डेक्टीलिफेरा) बाय रेण्डम एम्पलीफाइड पॉलीमारफिक डीएनए (आरएपीडी). इन"डेट पॉम बायोटेक्नोलॉजी प्रोटोकाल्स" इडिटेड बाय एल-खेरी जेएम एंड जैन एम पीपी: 81-89. (स्पिंग्रर पब्लिशिंग) *कोरेसपॉन्डींग ऑथर
- कुमार एन*, मोदी ए, गजेरा बी, सुभाष एन (2017) डेवलपमेंट ऑफ सिम्पल मेथेडोलॉजी फॉर एसेसमेंट ऑफ क्लोनल स्टेबिलिटी ऑफ टिश्यू क्लचर रेज्ड डेट पॉम प्लांट यूजिंग इंटर सिम्पल सिक्वेंश रिपीट (आइएसएसआर) मार्कर. इन"प्लांट सिस्टमैटिक एंड बॉयोटेक्नोलॉजी: चैलेन्जेस एंड ऑपरच्यूनिटिज" एडिटेड बाय चौरसिया एच के एंड मिश्रा डीपी. पीपी: 235-244. टुडे एंड टुमौरो प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स,नई दिल्ली. *कोरेसपॉन्डींग ऑथर
- मोदी ए, कुमार एन* (2018) टीडीजेड-इनडयूस्ड रिजेनरेशन इन स्टेविया रिबाउडियाना बरटोनी: एन इम्पोर्टेंट नैचुरल स्वीटनर इन "थिडियाजूरोन: फ्रॉम यूरा डेरिएटिव टु प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर" इडिटेड बाय अहमद एन एंड फैजल एम. पीपी 351-358. स्पिंग्रर पब्लिशिंग *कोरेसपॉन्डींग ऑथर
- कुमार एन*वाचा, मस्तान एसजी, रेड्डी एमपी (2018) टीडीजेड-इनडयूस्ड प्लांट रीजेनरेशन इन जटरोफा कुरकस: ए प्रोमिसिंग बॉयोफ्यूल प्लांट. इन"थीडिएजुरून: फ्राम यूरा डेरिएटिव टु प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर" एडिटेड बाय अहमद एन एंड फैजल एम, पीपी 419-428. स्पिंग्रर पब्लिशिंग *कोरेसपॉन्डींग ऑथर
- कुमार एन.(2018) गंगेटिक इंजीनियरिंग ऑफ क्रॉप प्लांट फॉर इनसेक्ट पेस्ट कंट्रोल: करेंट इम्पलीकेशन ऑफ करेंट स्टेटस एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्टस इन"ह्यूमन इम्पलीकेशन ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी" एडिटेड बाय हक आर., श्रीवास्तव ए. एंड कुमार एन. पीपी. 36-61. श्री पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली.
- हक आर., श्रीवास्तव ए., कुमार एन (2018) ह्यूमन इम्पलीकेशन ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी,श्री पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली

डा० कृष्ण प्रकाश

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर :

- घनश्याम कुमार सत्यपाल, संतोष कुमार मिश्रा, अमृता श्रीवास्तव, राजेश कुमार रंजन, कृष्णा प्रकाश, रिजवानुल हक, नीतिश कुमार। पॉसिबल बॉयोरेमेडियेशन ऑफ आर्सेनिक टॉक्सिसिटी बाय आइसोलेटिंग इंडीजिनस बैक्टिरीया फ्राम द मिडिल गंगेटिक प्लेन ऑफ बिहार, भारत, बॉयोटेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स वाल्यूम 17, मार्च 2018, पेज117-125.

डा० जावेद अहसन

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर :

- अहसन जे.,कंडेन एम., स्ट्रज ए., सचसे एस., हेनसन बी.एस. (2017). सेंस ऑर नॉन-सेंस ?डिसीजन मेकिंग इन ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर. मेकेनिज्म ऑफ डेवलपमेंट 145:S115-S116

डा० लोकेन्द्र कुमार शर्मा

पीर रिव्यू जर्नल्स :-

- आईडोयू एजे., कुमार एसएल, यिडोंग बी, रूसेल आर. मेलाटोनीन माडयूलेटस न्यूरोनल माइटोकोन्ड्रिया फंक्शन डियूरिंग नॉरमल एजिंग एन माईस। नाइजर जे फायसियोल एससीआई 2017 दिसंबर30;32(2):145-152. (पीएमआईडी: 29485634) (इम्पैक्ट फैक्टर: 0.56).

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठयक्रम आदि

डा० रिजवानुल हक

- इंटरनेशनल साइंटिफिक एडवाइजरी कमिटी मेम्बर फॉर 2 एंड ईसीएटी ग्लोबल कॉन्फ्रेन्स 2017, आईएससीए- यूनिवर्सिटीऑफ एविरो, पुर्तगाल फ्रॉम जुलाई 17 – 19, 2017.
- एटेंडेंट ऑरिएटेंशन कम वर्कशॉप प्रोग्राम ऑन मैनेजमेन्ट ऑफ डाइवरसिटी एंड इक्वलिटी इन यूनिवर्सिटी एंड कॉलेजेज, बींग आर्गेनाईज्ड बाय नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (एनयूईपीए), नई दिल्ली फ्राम 10 जुलाई 2017 टु14 जुलाई, 2017

डा० राकेश कुमार

- "मंडेलिकएसिड इनकॉरपोरेटेड एन्टीमाईक्रोबायल सोय प्रोटीन फिल्म फेब्रिकेटिड बाय सोल्यूशन कास्टिंग" बाय कुमार आर., रानी पी., प्रजेन्टेड ओरली इंटरनेशनल कान्फ्रेन्स ऑन एडवांस इन पॉलिमर साईंस एंड टेक्नोलॉजी, २३-२५ नवंबर, २०१७, रेडिसन ब्लू होटल, नई दिल्ली, भारत.

डा० अंतरेश कुमार

- अन-रेगुलेटरी एक्शंस ऑफ इसीडीबी ट्रान्सक्रिप्टेड फैक्टर प्रजेण्ट इन इनचिनोकैनडिन बी बायोसिंथेटिक जेने क्लूस्टर, ए. कुमार, ए. कुमार,2nd वर्ल्ड बायोटेक्नोलॉजी कांग्रेस दिसंबर 04-05, 2017 साओपोलो, ब्राजील

डा० नीतिश कुमार

- डिलीवर्ड एन इनवाइटेड लेक्चर इन ए नेशनल लेवल कॉन्फ्रेन्स ऑन "प्लांट सिस्टमेटिक्स एंड बायोटेक्नोलॉजी: चैलेन्जेज एंड ऑपरच्यूनिटिज", नवंबर., 28-30, 2017.

डा० जावेद अहसन

- इनवायटेड टु गिव एन ओरल टॉक ऑन 'स्टडीयिंग ओलफेकेशन इन डोर्सोफिला मेलानोगेस्टर एट दी 3rd बायनियल आईडीआरसी (इंडियन डोरसोफिला रिसर्च कॉन्फ्रेन्स) 2017 मिटिंग फ्राम 6 - 9 दिसंबर 2017 एट आईआईएसईआर, भापोल.

डा० लोकेन्द्र कुमार शर्मा

- नीरज कुमार राय, मीनाक्षी तिवारी, लोकेन्द्र कुमार शर्मा रॉल ऑफ माइटोकोन्ड्रियल कम्पलेक्स I इन एडेपटेशन टु ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन कोलोन कैंसरा पोस्टर प्रजेन्टेशन एट 43 एनुएल मिटिंग ऑफ ह्यूमन सोसायटी ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स. सीएसआईआर-सीसीएमबी, हैदराबाद12-14 मार्च 2018.

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

डा० रिजवानुल हक

एम.फिल थिसिस:-

1. 2017: सानिया खान, सेन्टर फॉर इन्टरडिसिप्लीनरी रिसर्च इन बेसिक साईंस, जेएमआई, एनडी -25
2. 2017: मि० नफीस राज, सेन्टर फॉर इन्टरडिसिप्लीनरी रिसर्च इन बेसिक साईंस,जेएमआई, एनडी -25

पी.एचडी. थिसिस इवैल्यूएटेड

1. 2017: राजीव रंजन, आईएनएमएएस (डीआरडीओ),नई दिल्ली-110054, भारथियार यूनिवर्सिटीज, कोयम्बटूर.
2. 2017: श्रुति विश्नोई, डिपार्टमेंट ऑफ मेडिकल एलिमेटोलॉजी एंड टॉक्सीकोलॉजी, स्कूल ऑफ केमिकल एंड लाईफ साईंस, जेएचयू, एनडी-62
3. 2017: मि० सैयद सुहैल अन्दराबी, डिपार्टमेंट ऑफ मेडिकल एलिमेटोलॉजी एंड टॉक्सीकोलॉजी, स्कूल ऑफ केमिकल एंड लाईफ साईंस, जेएचयू, एनडी-62

एक्सपर्ट एकेडमिक एक्टीविटी

1. सर्व्ड एज एन एक्सटर्नल एक्सपर्ट फॉर द एवेल्यूएशन ऑफ टेक्नीकल बिडस फॉर पर्चेज ऑफ इन्सट्रूमेंटस फॉर डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, आरएमआरआईएमएस, पटना। अप्रैल, 2016, जनवरी 2018 एल्सो सर्वड एज ए कमिटि मेम्बर फॉर टेक्नीकल एक्सपर्ट फॉर पर्चेज ऑफ सम इन्स्ट्रूमेंटस इन आरएमआरआईएमएस, पटना फरवरी 2018
2. सर्व्ड एज एन एक्सटर्नल एक्सपर्ट फॉर जीई511 (सेमिनार) एक्जामिनेशन फॉर एमएस फार्म (बायोटेक्नोलॉजी) 2017-19 ऑफ नाईपर, हाजीपुर जनवरी 2018
3. सर्व्ड एज एन एग्जामिनर फॉर पी.एचडी भायभा-भोस एग्जामिनेशन इन द डिपार्टमेंट ऑफ टॉक्सीलॉजी एट जामिया हमर्दद यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली दिसंबर -2017
4. एक्सपर्ट टु एवेल्यूएट द एग्जामिनेशन (सेमिनार/प्रजेंटेशन) ऑफ सेकेंड सेमेस्टर एंड टर्म एग्जामिनेशन ऑफ एमएस फार्मा बायोटेक्नोलॉजी सितंबर 2017.
5. चेयरपर्सन: नाईपर इन्क्वायरी कमिटी फॉर प्लेग्रिज्म नाईपर, हाजीपुर, सितंबर -2017

एक्सपर्ट सलेक्शन कम प्रमोशन कमिटी

1. सर्व्ड एज एन एक्सटर्नल एक्सपर्ट फॉर द अपग्रेडेशन ऑफ जेआरएफ टु एसआरएफ ऑफ यूजीसी फेलो वर्किंग इन आईसीएमआरएमएस, पटना 20 फरवरी-2018.
2. सर्व्ड एज एक्सपर्ट मेम्बर इन आरएमआरआईएमएस, पटना फॉर द सलेक्शन ऑफ प्रोजेक्ट एसिसटेंट अंडर आर एंड डी प्रोजेक्ट इन नेशनल नेटवर्क प्रोग्राम ऑफ हयूमैन हेल्थ, डीएसटी, भारत सरकार,2018.

डा० अंतरेश कुमार

- रेशनल एप्रोच ऑफ हर्बीसाईड डिस्कवरी एगेंस्ट हर्बीसाईड रेसिसटेंट एसिटोलेक्टेट सिंथेज ऑफ फेलरिज माईनर। जीन टु हर्बीसाईड एप्रोच रिकोमेंडेड, टु एज ए को-पीआई, अंडर एसईआरबी-एक्स्ट्रामुरल ग्रांट (ईएमआर/2016)

डा० नितीश कुमार

- फेलिसिटेटेड विथ आउटस्टेंडिंग फेकल्टी इन बायोलॉजिकल साईंस एवार्ड इन द इयर 2017 बायवीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत।

(iii) लाइफ साइंस कार्यक्रम

यह डिपार्टमेंट आधुनिक जैववैज्ञानिक तकनीकों की सीखने एवं जीवविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों यथा जेनेटिकग्रीनिंग, इम्यूनोलॉजी, रिकम्विनेन्ट डीएनए टेक्नोलॉजी, प्रोटीनक्रिस्टालोग्राफी, माइक्रोबायोलॉजी, कैंसर, मलेरिया इत्यादि की समझ हेतु आधारभूत एवं प्रायोगिक कलात्मक सुविधा प्रदान करता है। यह प्लेटफार्म विद्यार्थियों की सोच को अनुभूति, विश्लेषण, समझ एवं जैववैज्ञानिक तकनीकों एवं घटनाओं को आधारभूत सह अनुप्रयुक्त क्षेत्रों में विकसित करता है। जीवविज्ञान में प्रस्तुति, सत्रीयकार्य, प्रायोगिकसाक्ष्य, क्षेत्रअनुभूति, आंकड़ा विश्लेषण एवं कंप्यूटर एप्लीकेशंस कुछ ऐसी प्रक्रियाएँ हैं जो शिक्षण में प्रयोग किए जाते हैं।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएचडी लाईफ साईंस
नियमित संकाय	4
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डॉ. गौतम कुमार

संकाय प्रोफाइल

नाम	योग्यता
डॉ. गौतम कुमार, सहायक प्राध्यापक तथा प्रभारी विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.
डा. मनोज पंचाल, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. अमृता श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. तारा काशव, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डा० गौतम कुमार

जर्नल्स में प्रकाशन:

- बासु एस., गिरी आर.के., बेनजीर, आई. कुमार, एस राजवंशी, आर. द्विवेदी, एस. के. कुमार जी.*, 2017. कम्प्रिहेंसिव फिजियोलॉजी एनालाईसिस एंड रीएक्टिव ऑक्सीजन स्पेशीज प्रोफाईलिंग इन ड्राउट टोलेरेन्ट राईस जीनोटाईपस अंडर सैलिनिटि स्ट्रेस साईओएल मोल. बायोल प्लांटस 23(4):837-850.
- नुतन, के.के., कुमार जी., सिंगला पारेक, एस.एल., पारेक ए. 2018. ए साल्ट ओवरली सेंसिटिव पाथवे मेम्बर फ्राम ब्रासिका जुनेसिया बीजेएसओएस3 केन फंक्शनली कंपलीमेंट एटीएसओएस3 इन अरेबिडोपसिस कुरर. जेनोमिक्स 19(1):60-69.
- द्विवेदी, एस के., कुमार जी., बासु, एस., कुमार एस. राव, के. के. चौधरी, ए.के. 2018. फिजियोलॉजिकल एंड मॉलिकुलर एसपेक्टस ऑफ हीट टॉलेरेन्स इन व्हीट साबआरएओ जे. ब्रीड. जेनेट.50(2):192-216.

एबस्ट्रेक्ट इन इंटरनेशनल कान्फ्रेन्स:

- कुमारी, एस बासु, एस. दिवेदी, एस. के. कुमार, एस. कुमार जी*, 'रिस्पांस ऑफ हाई' एलडिंग राईस जिनोटाइप टु मल्टीपल इनवायरमेंटल ड्राइवरस अंडर क्लाइमेट चेंज', प्रजेण्टेड एट दी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन 'नॉवेल एप्लीकेशन ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इन एग्रीक्लचरल सेक्टर्स: टुवार्डस एचीविंग सस्टनेबल डेवलपमेंट गोल' ऑग्रेनाईज्ड बाई डिपार्टमेंट ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, इन्सटीच्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साईंस, बनारस हिंदू युनिवर्सिटी एंड आईआरआरआई–साउथ एशिया रीजनल सेन्टर डयुरिंग मार्च 20-21, 2018. (फर्स्टप्राईज इन पोस्टर प्रजेंटेशन)
- बासु, एस., घोसल, एस., घोषल, एस., राहुल, आर., कुमार, जी*, 'मारफो–फिजियोलॉजिकल एंड बायोकेमिकल रिस्पांस ऑफ ओरिजा सेटाइवा टु ड्राउट स्ट्रेस: ए स्टडी ऑन कान्ट्रास्टिंग राइस जीनोटाईप एट सीडिंग स्टेज', प्रजेण्टेड एट दी इंटरनेशनल कॉन्फेरेंस ऑन 'नोवल एप्लीकेशन ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी इन एग्रीक्लचरल सेक्टर्स: टुवार्ड्सएचिविंग सस्टनेबल डेवलेपमेंट गोल' आर्गेनाईज्ड बाई डिपार्टमेंट ऑफ गंगेटिक एंड प्लांट ब्रीडिंग, इन्स्टीच्यूट ऑफ एग्रीकल्चर साईंस, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी एंड आईआरआरआई –साउथ एशिया रिजनल सेन्टर, वाराणसी डियरिंग मार्च 20-21, 2018.
- द्विवेदी, एस.के., कुमार, एस, बासु, एस, कुमार, जी., कोले, टी.के., मिश्रा, जे.एस. भटट, बी.पी., 'एक्सप्लोरेशन ऑफ मैकेनिज्म बिहाईंड हीट टॉलेरेन्स इन व्हीट: फोटोसिन्थेसिस, एन्टीऑक्सिडेंट एक्टिविटि, एसिमिलेट मोबिलाईजेशन, पॉलेन विएबिलिटि एंड ग्रेन यील्ड', प्रेजेन्टेड एट दी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेरेन्स ऑन 'नॉवेल एप्लीकेशन ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चरल सेक्टरस: टुवार्डस एचिविंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल' आर्गेनाईज्ड बाई डिपार्टमेंट ऑफ जनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, इन्सटीच्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साईंस, बनारस हिंदु यूनिवर्सिटि एंड आईआरआरआई –साउथ एशिया रिजनल सेन्टर डयूरिंग मार्च 20-21, 2018.

- कुमार, ए, झा, एस, बासु, एस, द्विवेदी, एस.के. कुमार, एस कुमार जी*, 'कॉम्पिरेटिव स्टडी ऑन फिजियोलॉजीकल एंड बॉयोकेमिकल रिस्पांस एमांग व्हीट (ट्रीटीकम एसेटीवम एल.) जीनटाईप अंड टर्मिनल हीट स्ट्रेस', प्रजेण्टेड एट दी ' इंटरनेशनल सिम्पसियम ऑन स्ट्रेस रेसिलेंट व्हीट इन द रिजाईम ऑफ क्लाइमेट चेंज' आर्गेनाईज्ड बाई डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीक्लचरल बायोटेक्नोलॉजी एंड मालिक्यूलर बायोलॉजी, एफबीएस एंड एच, डा० राजेन्द्र प्रसाद सेन्ट्रल एग्रीक्लचरल यूनिवर्सिटि, पूसा, समस्तीपुर, बिहार
- कुमार, एस, द्विवेदी, एस. के., भक्ता, एन. कोले, टी.के. मिश्रा, जे.एस. भटट, बी.पी., कमार जी, बासु, एस, सिंह, ओ. एन., कुमार, ए,'इफेक्ट ऑफ मल्टी स्टेज ड्राउट ऑन यील्ड एंड यील्ड कम्पोनेन्ट ऑफ राईस जीनोटाईपस अंडर रेनफेड लॉलैंड ड्राउट प्रोन इकोसिस्टम ऑफ इर्स्टन इंडिया,' प्रजेण्टेड एट दी 3rdएआरआरडब्लू इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन 'फंन्ट्रियर्स ऑफ राइस रिसर्च फॉर इम्प्रूविंग प्रोडक्टिविटि, प्रोफिटेबिलिटी एंड क्लाईमेट रेसिलेंस', आर्गेनाईज्ड बाई एनआरआरआई, कटक, ओडिशा इन कॉलोबोरेशन विथ आईआरआरआई-फिलिपिन्स, आईसीएआर-नई दिल्ली, आईआईआरआर-नई दिल्ली, आईआईआरआर-हैदराबाद एंड एनएएएस-नई दिल्ली डियरिंग 6-9 फरवरी, 2018.

डा० अमृता श्रीवास्तव

पब्लिश्ड पेपर्स इन जर्नल्स:

- जी के सत्यपाल, एस.के. मिश्रा, ए. श्रीवास्तव, आर.के. रंजन, के. प्रकाश, आर. हक, एन. कुमार, पॉसिबल बायोरेमेडिएशन ऑफ आर्सेनिक टॉक्सिसिटि बाई आईसोलेटिंग इंडेजिनियस बैक्टिरिया फ्राम दी मिडिल गंगेटिक प्लेन ऑफ बिहार, भारत, बॉयोटेक्नोलॉजी रिपोर्टस 17: 117–125

बुक चेप्टर:

- ए सिंह, ए खान एंड ए श्रीवास्तव* बिहेवियरऑफ एनीबाना अंडर आईरन स्ट्रेस कंडिशन विथ रेफेरेंस टु साईडरफोर प्रोडक्शन। इन: ह्यूमन इम्पलीकेशन ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी (ईडीएस) रिजवानुल हक, अमृता श्रीवास्तव, नीतिश कुमार, श्री पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, अंसारी रोड, नई दिल्ली

फुल लेंथ पेपर इन कॉन्फेरेंस / सेमिनार:

- ए नाथ, एन. मिथिलेश, ए श्रीवास्तव, डी कुमार, ए खान, ए ओझा, पी रमन, जेके सिंह। बायोरेमेडिएशन ऑफ पॉलुटेड वाटर बडीज बाई सलेक्टेड बेक्टिरिया फॉर बेटर इनरीचमेंट ऑफ इकोलॉजी। इन: प्रोसिडिंग ऑफ नेशनल सेमिनार आन वास्ट मेनेजमेंट फॉर सस्टनेबल डेवलपमेंट आर्गेनाईज्ड बाई सस्टनेबल डेबलपमेंट फोरम, द इन्सटीच्यूशन ऑफ इंजीनियर, पटना, बिहार

एब्सट्रेक्ट इन नेशनल/ इंटरनेशनल कॉन्फेरेंस:

- आजमी खान, अमृता श्रीवास्तव फंगल हाइड्रोक्सीमेट साईडरफोर एफेक्टिंग एचसीटी 15 सेल लाइन वायबिलिटि। नेशनल कॉन्फेरेंस ऑन 'रिसेंट ट्रेंडस इन सेल एंड माल्क्यिूलर बॉयोलॉजी रिसर्च', 27-28 अक्टूबर, शिव नडार यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश

अन्य गतिविधियां/ उपलब्धियां

डा० गौतम कुमार

- कॉन्ट्रिब्यूटेड एज एन एक्सपर्ट मेम्बर एट द इंटरनेशनल कॉन्फेरेंस ऑन 'नोबेल एप्लीकेशंस ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी इन एग्रीक्लचरल सेक्टरस: टुवर्डस एचीविंग सस्टनेबल डेवलपमेंट गोल' आर्गेनाईज्ड बाई डिपार्टमेंट ऑफ जनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, इन्सटीच्यूट ऑफ एग्रीक्लचरल साईंस, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी एंड आईआरआरआई-साउथ एशिया रिजनल सेन्टर डियरिंग मार्च 20-21, 2018.
- सक्सेसफुल कम्पलीसन ऑफ फिल्ड ट्रायल फॉर द ड्राउट- टोलेरेन्ट राईस वेरायटी 'स्वर्ण श्रेया' इन द एक्सट्रीमली ड्राउट-प्राउन विलेज ऑफ गया, बिहार इन कोलाबोरेशन विथ द आईसीएआर-रिसर्च कम्पलेक्स फॉर इस्टर्न रिजन, पटना.

(बी) सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल साइंसेज़

सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल साइंसेज़ अर्थ, एटमोस्फेयरिक, बायोलॉजिकल और केमिकल प्रोसेसेस और एक अधिक स्थायी पर्यावरण को प्राप्त करने के विकासात्मक दृष्टिकोणों से उनके सम्बन्ध के अंत: विषयक और इंटीग्रेटेड अध्ययन के इर्द-गिर्द केन्द्रित है | प्रमुख चुनौतियाँ हैं : (i) प्राकृतिक संसाधन, मानव गतिविधियाँ और उसके प्रभावों और मानव विकास पर पर्यावरण क्षरण के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए (ii) वातावरण में प्राकृतिक प्रक्रियाओं (iii) आबादी और अर्थव्यवस्था के विकास के निर्धारकों को समझने के लिए पर्यावरण परिवर्तन के मानवीय आयाम और (iv) पर्यावरण विज्ञानमें विश्लेषणात्मक उपकरण: इसतरह के डेटा संग्रह के रूप में पर्यावरण के मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए बुनियादी उपकरण, और विश्लेषण और हवा, पानी, मिट्टी और जैविक प्रणालियों के मॉडलिंग। पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशाला जलवायु और मानसून मॉडलिंग, जलवायु परिवर्तन, पारिस्थितिकीय, बायोमेनिपुलेशनऔर जैव नियंत्रण, बायोजियोकेमेस्ट्री, प्रदूषण की निगरानी और नियंत्रण, पर्यावरण इंजीनियरिंग, पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी और सूक्ष्म जीव विज्ञान, ईकोटोकसीकोलौजी, मृदा विज्ञान, आदि में प्रयोग और अनुसंधान हेतु पूर्णसुसज्जित है|

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएचडी एनवायरनमेंटल साइंस
नियमित संकाय	5
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डा. राम कुमार

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता
डा. राम कुमार, सह प्राध्यापक तथा अध्यक्ष	**पीएच.डी.**
डा. प्रधान पार्थसारथी, सह प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. राजेश कुमार रंजन, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. प्रशांत, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. एन. एल. देवी, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**

2. स्कूल ऑफ़ एजुकेशन

स्कूल ऑफ़ एजुकेशन की स्थापना शैक्षणिक सत्र 2013-14 से दो चार वर्षीय एकीकृत कार्यक्रमों यथा बीए. बीएड तथा बीएससी. बीएड से की गयी. आगे शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से स्कूल एमएड तथा पीएचडी को प्रारंभ करने की योजना बना रही है. कार्यक्रम के पाठ्यक्रम को एनसीटीई तथा यूजीसी के नए निदेशों और समय की मांग अनुरूप अद्यतन किया जाता है. भविष्य के शिक्षकों के बेहतर छवि निर्माण एवं गहरे अनुभव हेतु स्कूल के पास पुस्तकों एवं जर्नल्स का प्रिंट तथा डिजिटल रूप में बढ़िया संग्रह, पूरी तरह सुविधाओं से लैस एजुकेशनल रीसोर्स सेंटर जिसमें शैक्षणिक नीतियों के दस्तावेज़, साइकोलोजिकल टेस्ट्स एवं प्रायोगिक उपकरण, डिजिटल लर्निंग रिसोर्सेस, टीचिंग एड्स सहित साइंस लैब तथा आईसीटी लैब की सुविधा भी है.

केंद्र / विभाग का सारांश			
अकादमिक कार्यक्रम	चार वर्षीय बी.ए./बी.एस.सी. बी.एड., एम.एड., पीएचडी		
नियमित संकाय	12 (बारह)	अनुबंधित संकाय	5 (पाँच)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. रेखा अग्रवाल		

संकाय प्रोफाइल

नाम एवं पदनाम	योग्यता
प्रो .रेखा अग्रवाल, डीन एवं अध्यक्ष	डी. लिट्.
डा. कौशल किशोर, प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. तपन कु. बसंतिया, सह प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. रवि कांत, सह प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. मितांजलि साहू, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. रिंकी, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. तरुण त्यागी, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. चन्द्र पी. पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. प्रज्ञा गुप्ता, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**

नाम एवं पदनाम	योग्यता
डा. रविन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. किशोर कुमार, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
मो. मोज़म्मिल हसन, सहायक प्राध्यापक	**एम.फिल.**
डा. स्वाति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक (सी)	**पीएच.डी.**
डा. कविता सिंह, सहायक प्राध्यापक(सी)	**पीएच.डी.**
डा. जितेन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक(सी)	**पीएच.डी.**
डा. अवधेश कुमार, सहायक प्राध्यापक (सी)	**पीएच.डी.**
डा. राम अवध, सहायक प्राध्यापक (सी)	**पीएच.डी.**

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

प्रो० रेखा अग्रवाल

- पब्लिश्ड पेपर टाइटल्ड 'इंटीग्रेशनऑफ फोर इयर इंटीग्रेटेड बी.एड. प्रोग्राम विथ सीबीसीएस' इन प्रोसीडिंग ऑफ नेशनल सेमिनार ऑन गर्वनेंस, रेगुलेशन एंड क्वालिटी एश्योरेन्स इन टीचर एजुकेशन,15-16 मार्च, 2018, न्यूपा, नई दिल्ली.

डा० तपन कुमार बसंतिया

पब्लिश्ड पेपर इन जर्नल्स:

- पब्लिश्ड पेपर टाइटल्ड ' फेसिलिटिज अवलेबल एंड पब्लिक कर्न्सन फॉर डिस्टेंस एजुकेशन इन आसाम' इन एशिया प्रोफाईल अप्रेल, 2017, आइएसएसएन-03048675.
- पब्लिश्ड पेपर टाइटल्ड 'क्वालिटि, कंफरमिटि, इक्विटि एंड एक्सलेंस इन एजुकेशन' इन युनिवर्सिटी न्यूज, जून 2017, आइएसएसएन-05662257
- पब्लिश्ड पेपर टाइटल्ड 'इम्पावरिंग रूरल इंडिया: सम एजुकेशनल पारामीटर्स' इन एमइआरआइ जर्नल ऑफ एजुकेशन अक्टूबर, 2017, आइएसएसएन-09742085.

डा० रवि कान्त

पब्लिश्ड पेपर इन जर्नल्स:

- कांत, आर (2017) आर्गेनाईजेशनल हेल्थ ऑफ सेकेन्ड्री स्कूल टीचर्स इन रिलेशन टु देयर एडजस्टमेंट, जीईएसजे: एजुकेशन साईंस एंड साइकोलॉजी,3 (45):63-72 (जार्जिया)
- कांत, आर (2017) माइक्रोटीचिंग: एटीट्यूड एंड परसेप्सन ऑफ स्टूडेंट एंड टीचर एजुकेर्टस, इंटरनेशनल जर्नल्ऑफ करेंट रिसर्च 9(9):58385-58388.
- कांत, आर (2018) व्हाटसउप यूजेज: एटीट्यूड एंड परसेप्सन ऑफ कॉलेज स्टूडेंटस, कानफलक्स जर्नल्ऑफ एजुकेशन 5(9):27-34
- कांत, आर (2018) रिलेशनशिप ऑफ इंटरनेट एडिक्सन विथ इमोशनल इंटेलीजेंस एमांग यूथ्स,जीईएसजे: एजुकेशन साईंस एंड साइकोलॉजी 2(48):39-48 (जार्जिया)
- कांत, आर (2018) नॉलेज ऑफ इंटरनेट एंड इटस एप्लिकेशनस : ए सर्वे ऑफ संकेण्ड्री स्टूडेंट इन बिहार. ग्रीनर जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च,8(6): 137-142, http://doi.org/10.15580/जीजेईआर.2018.6.080818113. (यूएसए)

डा० रविन्द्र कुमार

बुक चेप्टर:

- ऑनलाईन/ ऑफलाईन आईसीटी टुल्स एंड एप्लीकेशनस फॉर क्रिएशन ऑफ ईरिर्सोस आईएसएसएन/आइएसबीएन नं० 978-93-87922-40-2.

रिसर्च पब्लिकेशंस:

- रिसर्च पेपर ऑन "कम्पयूटर एसिस्टेड इंस्ट्रक्शन एज एन इनोवेटिव टुल फॉर रेमेडियल टीचिंग ऑफ चिल्ड्रेन विथ फिगर-ग्राउंडपरसेप्संस डिसएबिलिटि" पब्लिश्ड इन द जर्नल द सिंगनेज: एन इंटरनेशनल बाईएनुएल बाईलिंगुएल रेफर्ड रिसर्च जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल साईंस वोल. 5 नं०1 जनवरी– जून 2017 2455-0051.
- रिसर्च पेपर ऑन कम्प्यूटर-एसिस्टेड इंस्ट्रक्शन: एन इनोवेटिव टुल ऑफ रेमेडियल टीचिंग फॉर चिल्ड्रेन विथ पोजिशन-इन-स्पेश टाईप ऑफ लर्निंग डिसएबिलिटि फर्स्ट पेज: (127) लास्ट पेज (134)पब्लिश्ड इन द जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशन एंड रिसर्च

डा० तरूण कुमार त्यागी

पब्लिश्ड पेपर इन जर्नल्स:

- त्यागी, टी.के. (2017). मैथमेटिकल इंटैलिजेंस एंड मैथमेटिकल क्रिएटिविटी : ए कैजुएल रिलेशनशिप, क्रिएटिव रिसर्च जर्नल [रूटेलडेज], 29(2), 212-17.
- त्यागी, टी.के. एंड सिंह, बी (2015, पबल्शिड इन 2017). एसेमट्रिक रिलेशनशिप बिटवीन मैथमैटिकल क्रिएटिविटि एंड मैथमैटिकल एप्टीट्यूड। नेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन,13(1), 93-103.

डा० स्वाति गुप्ता

पब्लिश्ड पेपर इन जर्नल्स :

- एग्रेशन एमांग एडोलेसेन्ट : ए स्टडी जर्नल नेम: आईजर्नल्स : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल रेलिवेंस एंड कंसर्न आईएसएसएन नं०: 2347-9698 वाल्यूम6, इश्यू: 4, 2018

डा० कविता सिंह

पब्लिश्ड पेपर इन जर्नल्स :

- आर्ट इंटीग्रेशन इन टीचिंग एंड लर्निंग, नेम ऑफ द जर्नल: एडु वर्ल्ड : एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमिनिटिज। आईएसएसएन नं० 2319-7129. वाल्यूम: 6, नम्बर: 1, पेज नं०: 246-255, वर्ष : दिसम्बर 2017

➢पॉजिटिव एंड निगेटिव राईटस ऑफ चिल्ड्रेन, नेम ऑफ द जर्नल: कानफलूक्स जर्नल ऑफ एजुकेशन, आईएसएसएननं० आईएसएसएन 2347-5706, वाल्यूम: 5, नंबर: 9, पेज: 14-20, वर्ष : फरवरी 201

➢ हयूमर : द ब्रेन डीफोगर इन द क्लासरूम, नेम ऑफ द जर्नल: इनोवेट थॉटस, आईएसएसएन नं० ईआईएसएसएन 2347-5722, वाल्यूम: 5, नम्बर: 4, पेज:30-36, वर्ष : फरवरी 2018

कॉन्फेन्स, वर्कशॉप, कोर्स इत्यादि

प्रो० रेखा अग्रवाल

➢ एज रिसोर्स पर्सन कंडक्टेड वर्कशॉप ऑन 'लेशन प्लानिंग बेस्ड ऑन कन्ट्रक्टीविस्ट एप्रोच',11-12 अप्रैल2017, आर्मीइन्स्टीच्यूट ऑफ एजुकेशन, गौतमबुद्ध नगर.

➢ एज रिसोर्स पर्सन कंडक्टेड वर्कशॉप ऑन 'कंस्ट्रक्टिव एप्रोच ऑफ लेशन प्लानिंग' एट द डिपार्टमेंट ऑफ टीचर एजुकेशन, आरसीसीवी गर्ल्स कॉलेज, गाजियाबाद ऑन 8 एवं 9 दिसंबर 2017.

➢ पार्टिशिपेटेड एज रिसोर्स पर्सन इन द वर्कशाप ऑन 'डेवलपमेंट ऑफ गाईडलाईंस फॉर इनक्लूडिंग चिल्ड्रेन विथ विजुअल इम्पेयरमेंट (VI) इन साईंस लेबोरेट्री', एट डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन ऑफ ग्रुप विथ स्पेशल नीडस, एनसीईआरटी, नई दिल्ली ऑन 15 , 16 एवं 17 जनवरी 2018.

डा० रविन्द्र कुमार

➢ एटेंडेड सेवनडे नेशनल वर्कशॉप ऑन 'प्रीपेरेशन ऑफ ई. रिर्सोसेस फॉर स्कूल एंड कॉलेज सब्जेक्टस', फ्राम 23 से 29 मार्च, 2018 आर्गेनाईज्ड बाय डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, एन.ए.एस. (पीजी) कॉलेज मेरठ, उत्तर प्रदेश स्पांसर्ड बाय उत्तर प्रदेश सरकार

प्राप्त पुरस्कार /अनुदान

प्रो० रेखा अग्रवाल

➢ इंटरनेशनल वीमेंस डे ऑनर/अवार्ड बाय एफ.एम. यूनिवर्सिटी, बालासोर, ओडिशा एंड आई.टी.आर., डीआरडीओ, चॉंदीपुर (ओडिशा) 8 मार्च 2018.

➢ एज नोडल ऑफिसर रिसिभड ग्रांट ऑफ रू० 2,00,00,000/- पर एनम टु कंडक्ट एकेडमिक एक्टिविटिज अंडर 'पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग' स्कीम ऑफ मिनिस्ट्री ऑफ हयूमन रिसोर्स डेवलपमेंट, भारत सरकार

3. स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज

मानव विज्ञान स्कूल का उद्देश्य अपने अनुभवों, गतिविधियों, संरचनाओं और कलाकृतियों के संदर्भ में मानव, सामाजिक, सांस्कृतिक और जैविक प्रजातियों के रूप में अध्ययन करना है। मानव प्रकृति अनुशासित नहीं है, और इसलिए स्कूल इसे समझने के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण पर जोर देता है। मानवता द्वारा सामना की जाने वाली मानव प्रकृति और चुनौतियों की अधिक समझ के लिए स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान करने का एक मिशन है। मानव विज्ञान, मनोविज्ञान, सामाजिक कार्य और अन्य सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों अंतःक्रियात्मक रूप से ज्ञान में अग्रणी हो सकते हैं जो ज्ञान प्रणाली के लिए अग्रणी है जो मानव जाति के विकास में कार्य करता है। स्कूल का उद्देश्य अनुसंधान के माध्यम से विभिन्न मानव विज्ञान में अग्रिम वैज्ञानिक ज्ञान बनाना है।

सेन्टर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज

मनोविज्ञान के क्षेत्र में विश्व स्तर के ज्ञान को फैलाने और बनाने के दृष्टिकोण के साथ, सेंटर फॉर साइकोलॉजिकल साइंसेज (सीपीएसवाईएस) मनोविज्ञान की विशाल क्षमता और व्यक्तियों और समाज के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए इसकी उपयोगिता को मान्यता देता है। केंद्र का मिशन उन मनोवैज्ञानिकों को शिक्षित और प्रशिक्षित करना है जो मानवता की सेवा कर सकते हैं। यह वर्तमान में मनोविज्ञान में सामाजिक मनोविज्ञान, संगठनात्मक व्यवहार, नैदानिक मनोविज्ञान और परामर्श मनोविज्ञान में विशेषज्ञता के साथ कार्यक्रम पेश कर रहा है। मौजूदा मनोविज्ञान प्रयोगशाला तीन प्रकार की सुविधाएं प्रदान करती है- प्रयोग, मनोवैज्ञानिक परीक्षण और गुणात्मक शोध आयोजित करना। प्रयोगशाला छात्रों को मनोवैज्ञानिक घटनाओं पर कंप्यूटर आधारित प्रयोगों और प्रयोगशाला प्रयोगों को करने में सक्षम बनाती है। प्रयोगशाला में कई मनोवैज्ञानिक परीक्षण होते हैं जैसे न्यूरोप्सिओलॉजिकल टेस्ट / बैटरियां, व्यक्तित्व परीक्षण, खुफिया परीक्षण, समायोजन स्केल और कई अन्य महत्वपूर्ण पैमाने। मनोविज्ञान प्रयोगशाला अनुसंधान के विश्लेषण के लिए एसपीएसएस, आर और क्यूडीए जैसे सॉफ्टवेयर से लैस है।

केंद्र / विभाग का सारांश साईकोलॉजी	
अकादमिक कार्यक्रम	एम.ए. तथा पीएच.डी
नियमित संकाय	5
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. तेज बहादुर सिंह

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता
प्रो. टी.बी. सिंह. प्राध्यापक, **प्रभारी डीन तथा अध्यक्ष**	पीएच.डी
डा. नरसिंह कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी
डा. दास अम्बिका भारती, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी
डा. मंगलेश कुमार मंगलम, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी
डा. चेतना जायसवाल, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डा० दास अम्बिका भारती

पब्लिशड पेपर इन जर्नल्स:

- कुमार, एस के एंड भारती, डी. ए. (2018). रॉल ऑफ प्रोएक्टिव कॉपिंग इन साइकोलॉजिकल वेलबिईंग ऑफ हेल्दी इंडियन यूथ। जर्नल् ऑफ इंडियन हेल्थ साइकोलॉजी,12(2), 76-90.
- कुमार, एस के एंड भारती, डी. ए. (2018). जेन्डर डिफरेन्स इन साइकोलॉजिकल वेलबिईंग : ए काम्परेटिव स्टडी एमांग इंडियन युथ। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजीकल साईंस 10(2) (एक्सेप्टेड).

एब्सट्रेक्ट इन नेशनल / इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स:

- कुमार, एस के एंड भारती, डी.ए.(2018). साइकोलॉजिकल वेलबीईंग ऑफ अनहेल्दी इंडियन युथ: रॉल ऑफ प्रोएक्टिव कोपिंग। एबस्ट्रेक्टस पब्लिशड इन द सोवेनियत ऑफ 44 एनएसीआईएसीपी, 2018 एंड गोल्डेन जुबली ईयर ऑफ इंडियन एसोशिएसन ऑफ क्लीनकल साइकोलॉजी (आईएसीपी) (257). नई दिल्ली : युगांतर प्रकाशन प्रा० लि० (रिसिभड बेस्ट पेपर अवार्ड).सुचेता एंड भारती, डी.ए. (2018).
- सेल्फ- स्टीम ऑफ चिल्ड्रेन विथ स्पेशिफिक लर्निंग डिसएबिलिटी ऑफ पटना : ए काम्परेटिव स्टडी। एब्स्ट्रैक्ट पब्लिशड इन द सोवेनियर ऑफ 44 एनएसीआईएसीपी, 2018 एंड गोल्डेन जुबली ईयर ऑफ इंडियन एसोशिएसन ऑफ क्लीनकल साइकोलॉजी (आईएसीपी) (69). नई दिल्ली : युगांतर प्रकाशन प्रा० लि०
- फातिमा, एम एंड भारती, डी.ए. (2018). मैरिटल एडजस्टमेंट एमांग मैरिड कपल। एब्स्ट्रैक्ट पब्लिशड इन द सोवेनियर ऑफ 44 एनएसीआईएसीपी, 2018 एंड गोल्डेन जुबली ईयर ऑफ इंडियन एसोशिएसन ऑफ क्लीनकल साइकोलॉजी (आईएसीपी) (पीपी.187). नई दिल्ली : युगांतर प्रकाशन प्रा० लि०

डा० मंगलेश कुमार मंगलम

पब्लिशड पेपरस इन जर्नल्स:

- मंगलम, एम.के., दास, ए. एंड लांगचर, एस. (2017). पर्सनाल्टी प्रोफाईल ऑफ एक्सीडेंट-प्रोन ऑटो-रिक्शा ड्राईवर। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ हयूमैन रिसोर्स एंड सोशल साईंसेस, 4(10), 67-75.
- मंगलम, एम.के., लांगचर, एस. प्रकाश, जे. (2017). एग्ज्क्यूटिव फंक्शन एंड साइकोपैथोलॉजी इन ड्रग नेवी पेशेंटस ऑफ सिजनोफ्रिया। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल साईंस, 9(1), 196-207.

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठयक्रम आदि

प्रो० तेज बहादूर सिंह

- पार्टिसिपेट एज रिसोर्स पर्सन टु चेयर ए सेशन ऑन मैम थीम ऑफ द कान्फ्रेंस आई ई ' ओवरव्यू ऑफ एडिक्टीव डिसआर्डस' इन द 'एनुअल कान्फ्रेंस ऑन एडिक्शन साइकोलॉजी"। आर्गेनाईज्ड बाय नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर (वेन्यू: गाजियाबाद)एआईआईएमएस नई दिल्ली; 7-8 सितंबर 2017.

- पार्टिसिपेटेड एज इनवाईटेड स्पीकर इन द ' एनुअल नेशनल कान्फ्रेंस ऑन एडिक्सन साइकोलॉजी" आर्गेनाईज्ड बाय एआईआईएमएस नई दिल्ली; 7-8 सितंबर 2017 प्रजेण्टेड : डिसएबिलीटी एंड एडिक्सन.
- पार्टिसिपेट एज रिसोर्स पर्सन टु चेयर ए सिम्पोसियम 'हेडानिज्म, मोरेलिटी एंड च्वाईस : डु वी हैव ए राईट टु यूज रिक्रिएशनल सबस्टांसेस" इन द 'नेशनल कान्फ्रेंस ऑन एडिक्शन साइकेट्री"। आर्गेनाईज्ड बाय एम्स, 27-29 सितंबर, 2017.
- पार्टिसिपेट एज रिसोर्स पर्सन इन 'नेशनल लेवल ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन ह्यूमैन बिहेवियर मैनेजमेंट" आर्गेनाईज्ड बाय स्कूल ऑफ एजूकेशन, सीयूएसबी,18-24 सितंबर 2017. प्रजेण्टेशन : बिहेवियर प्रोब्लम्स ऑफ द स्टूडेंट इन द क्लासरूम।
- पार्टिसिपेटेड एज रिसोर्स पर्सन टु चेयर ए सेशन ऑन 'साइकोथेरेपि, स्टेण्ड-अप कॉमेडी एंड एवरीडे लाईफ" इन द 44 एनएसीआईएसीपी-2018 एंडगोल्डेन जुबली ईयर सेलिब्रेशन ऑफ इंडियन एसोशिएसन ऑफ क्लीनीक्ल साइकोलॉजिस्टस, 23-25 फरवरी 2018.
- पार्टिसिपेटेडएज इनवाईटेड स्पीकर इन द 44 एनएसीआईएसीपी-2018 एंडगोल्डेन जुबली ईयर सेलिब्रेशन ऑफ इंडियन एसोशिएसन ऑफ क्लीनीक्ल साइकोलॉजिस्टस, 23-25 सितंबर 2018. प्रजेण्टेड : इमर्जिंग कमिटमेंटस एंड रिस्पांसिबलिटिज ऑफ क्लीनिकल साइकोलॉजिस्टस

डा० नरसिंह कुमार

- पेपर प्रजेण्टेड इन फर्स्ट इंडियन कांग्रेस ऑफ इंडस्ट्रीयल एंड आर्गेनाईजेशनल साइकोलॉजी ऑन चेंजिंग लैंडस्केप एंड फ्यूचर ऑफ आई/ओ साइकोलॉजी आर्गेनाईज्ड बाय डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर जनवरी 30-31, 2018.

डा० दास अम्बिका भारती

- कुमार, एस. के. एंड भारती डी.ए.(2017). जेण्डर डिफरेंस इन प्रोएक्टिव कॉपीइंग स्ट्रेटजी एमांग इंडियन यूथ (पोस्टर) पेपर प्रेजेण्टेड एट 27 इंटरनेशनल कान्फेंरस ऑफ नेशनल एसोशिएसन ऑफ साइकोलॉजी (एनएओपी) हेल्ड एट डिपार्टमेंट ऑफ हयूमैनिटिज एंड सोशल साईंस, इंडियन इन्स्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खडगपुर फ्रेाम 22-24 दिसंबर, 2017.
- क्म्पलीटेड यूजीसी स्पान्र्सड रिफ्रेशर कोर्स ऑन रिसर्च मेथेडोलॉजी इन सोशल साईंस एट यूजीसी एचआरडीसी, रांची यूनिवर्सिटी, रांची यूनिवर्सिटी रांची ड्यूरिंग फरवरी 02-22, 2018.

डा० मंगलेश कुमार मंगलम

रिसर्च पेपर प्रजेण्टेड:

- वर्वबल मेमोरी, वर्बल फलूऐंसी एंड साइकोपैथोलॉजी इन फंस्ट एपिसोड ऑफ सिजनोफ्रिया पेशेंटस। इन थर्ड इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ हेल्थ साइकोलॉजी एट डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी, नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, लखनउ, यूपी ऑन ड्यूरिंग नवंबर 12-24, 2017
- रिलेंशनशिप बिटवीन वर्बल मेमोरी एंड साइकोपैथोलॉजी इन सिजनोफ्रिया। इन 10 वा इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन रिसेंट डेवलपमेंट इन इंजीनियरिंग साईंस हयूमैनिटीज एंड मैनेजमैंट एट जीम इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साईंस रिसर्च, नार्थ वेस्ट रिजनल सेंटर, पंजाब यूनिवर्सिटिज कैम्पस, चंडीगढ ऑन 24 दिसंबर 2017
- विजुअल मेमोरी एंड साइकोपैथोलॉजी इन सिजनोफ्रिया पेशेंटस। इन इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑफ साइकोलॉजिकल हेल्थ एंड मेडिसीन, एमिटी इन्स्टीच्यूट ऑफ बिहेवियरल एंड एलायड साईंस, एमिटि यूनिवर्सिटी राजस्थान ऑन डियूरिंग फरवरी 2-4, 2018.

प्राप्त पुरस्कार/ अनुदान

प्रो० तेज बहादूर सिंह

- रिसिभ्ड“50 इयर50 आईकॉन्स” अवार्ड– ऑनर्ड बाय इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लीनिक्ल साइकोलॉजिस्टस इन द 44 एनएसीआइएसीपी-2018 एंड गोल्डेन जुबली सेलिब्रेशन ऑफ इंडियन एसोशिएसन ऑफ क्लीनीक्ल साइकोलॉजिस्टस फॉर एस्टोनिसिंग कान्ट्रीब्यूशन टु द डिसिप्लीन एंड मेकिंग द फ्रेटरनीटि प्राउड,ड्यूरिंग सितंबर 23-25, 2018.

डा० नरसिंह कुमार

- मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट टाईटल्ड 'ए स्टडी ऑफ पीपल'स अवेयरनेस एंड परसेप्संश टुवार्डस क्लामेट चेंज इन इंडिया: इटस लिंकेजि विथ प्रो-इनवायरमेंटल बिहेवियर" फ्रॉम इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साईंस रिसर्च (आईसीएसएसआर)

4. स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर

- सेंटर फॉर फोरेन लैंग्वेज (इंग्लिश)
- सेंटर फॉर इंडियनलैंग्वेज (हिंदी एंड उर्दू)

मानव सभ्यता का विकास असंख्य भाषाओं के विकास के दौर से गुजरा है। ज्ञान खुद अपने विकास हेतु भाषाओं के साथ हाथ से हाथ मिलाकर आगे बढ़ता है। मानव व्यवहार को प्रदर्शित करने के लिए रचनात्मक प्रोत्साहन ने ही साहित्य को आकार प्रदान किया। भाषायी विरासत के वाचक के रूप में साहित्य सांस्कृतिक विविधताओं को शाब्दिक व्याख्याओं के माध्यम से शिक्षण के रूप में प्रोत्साहित करता है। स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज की स्थापना इस विचार को स्थापित करती है कि भाषा एक बहता नीर है जो जीवन को विभिन्न भाषायी अंतर होते हुए भी विभिन्न परिप्रेक्ष्यों में दर्पण की तरह रखता है। अंर्तअनुशासनात्मक दृष्टिकोण को प्राथमिक मानते हुए यह शिक्षार्थी समुदाय में विश्वास लाकर संचार एवं प्रस्तुति कौशल को बढ़ावा देता है। स्कूल अपनी पाठ्यचर्या में 'अनुवाद अध्ययन' को एक कॉमन एकेडमिक कनसर्न में सापेक्षिक सांस्कृतिक आयाम के साथ समाज की बहुलता के संदर्भ में देखता है। स्कूल ऑफ लेंग्वेजेज एंड लिटरेचर वर्तमान में सेन्टर फॉर इंडियन लेंग्वेजेज एवं सेन्टर फॉर फॉरेन लेंग्वेजेज को एक शुरूआती भवन के रूप में प्रदर्शित कर रहा है। स्कूल अपने मुख्य उद्देश्यों के तहत विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के शोध और अध्ययन को उद्घाटित करता है जो वैश्विक साहित्य के सांस्कृतिक, सांदर्भिक और तुलनात्मक विश्लेषण को प्रोत्साहित करता है।

(ए) सेंटर फॉर फॉरेन लेंग्वेजेज (इंग्लिश) - सेंटर फॉर फॉरेन लेंग्वेजेज (सीएफएल) इंग्लिश ब्रिटिश, इन्डियन, अमेरिकन, यूरोपियन साहित्य की प्रवृत्तियों तथा आन्दोलनों एवं नए साहित्य और साहित्यिक सिद्धांतों का गहरा ज्ञान प्रदान कर रहा है. साहित्य के प्रति अंतर-भाषी दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर केन्द्र छात्रों के संचार कौशल की प्रवीणता में सुधार लाने पर पर जोर देकर उनके सम्पूर्ण विकास हेतु उनमें साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों को पैदा करने के साथ-साथ साहित्यिक और भाषाई क्षमता का विकास कर उनके समग्र विकास करने में सतत लगा है। आलोचनात्मक - विश्लेषणात्मक विधि द्वारा केंद्र मुख्यतः शिक्षण के लिए छात्रों की सलाह / परामर्श और विभिन्न सह पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों पर ध्यान केन्द्रित करता है।

केंद्र / विभाग का सारांश			
अकादमिक कार्यक्रम	एम.ए. तथा पीएच.डी. अंग्रेजी		
नियमित संकाय	4 (चार)	अनुबंधित संकाय	1 (एक)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. प्रभात कुमार सिंह		

संकाय प्रोफाइल

क्रमांक	नाम और पदनाम	योग्यता
1	प्रो. प्रभात कुमार सिंह, प्रभारी डीन तथा अध्यक्ष	पीएच.डी.
2	डा. सुरेश कुरापति, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
3	डा. अर्पणा झा, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
4	डा. सरोज कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
5	श्री अभय लियोनार्ड एक्का, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.

(बी) भारतीय भाषा केन्द्र (हिन्दी, उर्दू)

भारतीय भाषा केन्द्र भाषा और साहित्य के अध्ययन–अध्यापन के साथ विद्यार्थियों में उच्चस्तरीय शोध–अभिरुचि विकसित करने के लिए प्रतिब) है। यह भाषा और साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज की बहुआयामी सांस्कृतिक विविधताओं का अध्ययन करता है। यह साहित्य और समाज की महान परंपराओं एवं विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए रचनाशीलता तथा ज्ञान के नए अनुशासनों के निर्माण एवं उनमें परस्पर संवाद की ओर उन्मुख है। इसके साथ केन्द्र बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई तकनीक एवं संचार की दिशा में अग्रसर होते हुए भारतीय भाषाओं को रोजगारपरक बनाने के लिए भी प्रयासरत है ।

विभाग / केन्द्र का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	स्नातकोत्तर, पी०एच०डी०
नियमित संकाय	06 (हिन्दी–05, उर्दू–01)
केन्द्र / विभागाध्यक्ष	डॉ० रवीन्द्र कुमार पाठक

संकाय प्रोफाइल

नाम एवं पदनाम	योग्यता
डॉ० रवीन्द्र कुमार पाठक, सह प्राध्यापक, (हिन्दी)	पी०एच०डी०
डॉ० योगेश प्रताप शेखर, सहायक प्राध्यापक, (हिन्दी)	पी०एच०डी०
डॉ० कर्मानन्द आर्य, सहायक प्राध्यापक, (हिन्दी)	पी०एच०डी०
डॉ० अनुज लुगुन, सहायक प्राध्यापक, (हिन्दी)	पी०एच०डी०
डॉ० शान्ति भूषण, सहायक प्राध्यापक, (हिन्दी)	पी०एच०डी०
डॉ० कफील अहमद नसीम, सहायक प्राध्यापक, (उर्दू)	पी०एच०डी०

डॉ० रविन्द्र कुमार पाठक

प्रकाशन (किताबें और लेख – राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

- हिन्दी की रूप–संरचना, 'विश्व हिन्दी पत्रिका' (वार्षिक पत्रिका) ISSN-1694-2477, अंक 2017, विश्व हिन्दी सचिवालय, स्विफ्ट लेन, फॉरेस्ट साइड, 74427, मॉरीशस
- व्याकरण और पितृसत्ता, 'वागर्थ' (मासिक), भारतीय भाषा परिषद्, 36ए, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता–700017, आई.एस.एस.एन. –2394–1723, वर्ष 23, अंक 267/अक्टूबर, 2017, पृष्ठ–92–96
- सूक्ति–साहित्यः ऐतिहासिक–समाजशास्त्रीय सन्दर्भ, 'प्रतिमान' (पूर्व–समीक्षित अर्द्धवार्षिक शोध–पत्रिका/सम्पादक–अभय कुमार दुबे), विकासशील समाज अध्ययन पीठ, दिल्ली, आई.एस.एस.एन.–2320–8201, वर्ष–4, अंक–8, पृष्ठ–195–215
- भक्तिकाल का सन्दर्भ और रैदास का समाज–दर्शन पृष्ठ (157–162), 2017 ई., 'जब तक जाति न जात' (संपादक–डॉ. राजेश पासवान), आई.एस.बी.एन.–978–93–84224–70–7, विक्टोरिया पब्लिशर्स (इण्डिया), डी–5 जी./एफ्, ग्राउण्ड फ्लोर, पाण्डव नगर, नर्सिंग होम के नजदीक, दिल्ली–110092

सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता

- क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (टी.आर.ई.सी.एन.) अजमेर द्वारा दिसम्बर 20–22, 2017 के दौरान आयोजित, 'वैश्वीकरण के युग में भाषा–शिक्षा' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्त्री–भाषा का विचार व्याख्यान के जरिये योगदान।
- एन.सी.ई.आर.टी, दिल्ली द्वारा दिनांक 06–09 फरवरी, 2018 के दौरान आयोजित, भारतीय भाषाओं में एकात्मता सम्बन्धी कोश और बहुभाषिक शिक्षण–पद्धति का निर्माण' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में विश्व–विशेषज्ञ के रूप में योगदान।

5. स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस

स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस ने शैक्षणिक सत्र वर्ष 2013-14 से कार्य आरंभ किया है। प्रत्येक प्रोग्राम बीसीआई और यूजीसी के मानदंडों के अनुपालन में डिज़ाइन किया गया है। इसके पाठ्यक्रम की संरचना आधुनिक कानूनी शिक्षा की वैश्विक मांग को पूरा करने के उद्देश्य से की गयी है। असमर्थ वर्गों के हितों की सुरक्षा और विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के लिए वैधानिक शिक्षा 2008 के अनुपालन में स्कूल ने कानूनी सहायता क्लिनिक की स्थापना की है। यह सभी विद्यार्थियों को मूट कोर्ट (छद्म न्यायालय) और संयुक्त राष्ट्र मॉडल का भी प्रशिक्षण प्रदान करती है। व्यावसायिक मांग को पूरा करने और साथ ही वैयक्तिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। स्कूल का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक और व्यावहारिक कौशल के साथ आलोचनात्मक विचार का विकास करना और साथ ही विधिज्ञ परिषद और न्यायालय का सदस्य बनने के लिए सक्षम करना।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	बी.ए.एलएल.बी (ऑनर्स), एलएल.एम, पीएच.डी.
नियमित संकाय	06 (छः)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव

संकाय प्रोफाइल

नाम	योग्यता
प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव, डीन एवं अध्यक्ष	पीएच.डी
डॉ. पवन कुमार मिश्रा, सह प्राध्यापक	पीएच.डी
डॉ. प्रदीप कुमार दास, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी
सुश्री पूनम कुमारी, सहायक प्राध्यापक	एलएल.एम.
डॉ. देव नारायण सिंह , सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी
डॉ. दिगविजय सिंह, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डा० दिग्विजय सिंह

पब्लिश्ड पेपर्स इन जर्नल्स:

- रेगुलेशन ऑफ कॉन्ट्रैक्ट लेबर इन इंडिया: इश्यूज एंड प्रोस्पैक्ट्स" पब्लिश्ड इन 6(2) जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटिज एंड सोशल साईंसेस रिव्यू (2017)
- इथिकल इम्पलीकेशन्स ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑफ लीगल एजुकेशन/ प्रोफेशन: इंडियन प्रसपेक्टिव" पबल्शिड इन7(2) प्रज्ञान: जर्नल ऑफ लॉ (2017)
- 'लोकल वर्किंग ऑफ पेशेंटस एंड ग्रांट ऑफ कम्पलशरी लाइसेंस इन इंडिया" पब्लिश्ड इन 1(1) एचएनएलयू जर्नल ऑफ लॉ एंड सोशल साईंसेस (2015)

6. स्कूल ऑफ मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस

- डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस
- डिपार्टमेंट ऑफ स्टैटिस्टिक्स
- डिपार्टमेंट ऑफ मेथेमेटिक्स

मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स और कंप्यूटर साइंसने सभी विज्ञानों को परिपूर्ण करके आधुनिक सभ्यता के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्कूल का उद्देश्य है मेथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स और कंप्यूटर साइंसऔर साथ ही ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के बीच पारस्परिक विचार से अंत:विषयी शोध में सहायता करना और गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करना। इसमें तीन विभाग हैं जिनके नाम हैं, मेथेमेटिक्स विभाग, स्टैटिस्टिक्स विभाग और कंप्यूटर साइंस विभाग। अंत:विषयी दृष्टिकोण की एक नई प्रवृत्ति आरंभ करते हुए स्कूल के अंतर्गत ये तीनों विभाग संबंधित विद्यार्थियों को न केवल शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं बल्कि साथ ही नियमित और विशेष पाठ्यक्रमों के अन्य विषयों में भी शैक्षणिक और तकनीकी मुद्दों को हल करने का उपयुक्त कौशल प्रदान करके सहायता प्रदान करते हैं।

(ए) कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर साइंस विभाग का लक्ष्य है शोध, शिक्षण और प्रौद्योगिकी विकास में स्थानीय प्रासंगिकता और वैश्विक उत्कृष्टता के लिए अवसर प्रदान करना। विभाग में सुविधासंपन्न वातानुकूलित प्रयोगशाला है जिसमें विद्यार्थियों को सर्वर सहित हाई एंड कंप्यूटर और अपेक्षित सॉफ्टवेयर की कंप्यूटिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विभाग में प्रिंटिंग और स्कैनिंग की सुविधा के लिए एक समर्पित प्रिंटर/स्कैनर है। एंड्रॉयड आधारित अनुप्रयोगों के विकास के लिए विभाग में टैबलेट और एंड्रॉयड मोबाइल फोन हैं। बाज़ार और उद्योगों की आवश्यकतानुसार विभाग विभिन्न आकर्षक प्रशिक्षण और कार्यशाला कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा एम.टेक कम्प्यूटर साईंस, पीएच.डी.
नियमित संकाय	5 (पॉच)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डॉ. प्रभात रंजन

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता
डॉ. प्रभात रंजन, सहायक प्राध्यापक तथा प्रभारी अध्यक्ष	पीएच.डी.
श्री नेमी चंद्र राठौड़ सहायक प्राध्यापक	एम.टेक., पीएच.डी. अध्ययनरत
श्रीमती स्मिता रॉय, सहायक प्राध्यापक	एम.टेक., पीएच.डी. अध्ययनरत
श्री जयनाथ यादव, सहायक प्राध्यापक	एम.टेक.
श्री पीयूष कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक	एम.सी.ए., पीएच.डी. अध्ययनरत

पुस्तकों / जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डा० प्रभात रंजन

पब्लिशिंग पेपर्स इन जर्नल्स

- सुशांत कुमार एंड प्रभात रंजन,'ए फेज वाइज एप्रॉच फॉर फाल्ट आइडेंटिफिकेशन", जर्नल ऑफ इनफारमेशन एंड आप्टीमाइजेशन साईंस (टेलर एंड फ्रांसिस), वाल्यूम 39 नंबर 1 पीपी223-237, आईएसएसएन:2169-0103,(2018)
- सुशांत कुमार एंड प्रभात रंजन,'ए प्रपोज्ड मेथोडोलॉजी फॉर फेज-वाईज साफ्टवेयर टेस्टिंग यूजिंग साफ्ट कम्प्यूटिंग", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अप्लाईड इंजीनियरिंग रिसर्च,वाल्यूम 12, नंबर 24, पीपी 15855-15875, आईएसएसएन0973-4562, (2017)
- सुशांत कुमार, प्रभात रंजन एंड उत्तम कुमार 'साफ्टवेयर फॉल्ट प्रीडिक्शन यूजिंग कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस टेकनीक्स: ए सर्वे", इंडियन जर्नल ऑफ साईंस एंड टेक्नोलॉजी, वाल्यूम 10 नंबर 18 पीपी आईएसएसएन : 0974-5645, (2017)
- सुशांत कुमार, प्रभात रंजन एंड उत्तम कुमार 'ए प्रोपोज्ड फूजी लॉजिक बेस्ड साफ्टवेयर फॉल्टप्रीडिक्शन एप्रोच टु रिडयूस द टेस्टींग इफोर्ट', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंट्रोल थ्योरी एंड एप्लीकेशंस, वाल्यूम 10 नंबर 39 आईएसएसएन:0974-5572,(2017)
- सुशांत कुमारएंड प्रभात रंजन,'एसीओ बेस्ड टेस्ट केस प्रायओरीटाईजेशन फॉर फॉल्ट डिटेक्शन इन मैनटेनैंस फेज", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अप्लाईड इंजीनियरिंग रिसर्च,वाल्यूम12, नंबर16, पीपी. 5578-5586, आईएसएसएन0973-4562, (2017)

श्री पियूष कुमार सिंह

पब्लिश्ड पेर्पस इन जर्नल्स

- सिंह पी.के., सिंह आर.एस., राय के.एन.,'ए पैरलेल एलगोरिथम फॉर वेबलेट ट्रांसफार्म-बेस्ड कलर इमेज कम्प्रेशन" इन जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट सिस्टम्स, डी ग्रुयेटर,डीओआई : https://doi.org/10.1515/jisys-2017-0015सोर्स नार्मलाईज्ड इमपैक्ट पर पेपर (एसएनआईपी) 2017:0.481

अन्य उपलब्धियां

- जून 2017 से इंडियन साईंस कांग्रेस एसोसिएशन के आजीवन सदस्य बने

(बी) स्टैटिस्टिक्स विभाग

मूल और अंत:विषयी स्टैटिस्टिक्स के क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले विद्यार्थियों को स्टैटिस्टिक्स विभाग एक जीवंत और रचनात्मक शिक्षण का वातावरण प्रदान करता है। विभाग की शैक्षणिक गतिविधियां मौलिक अवधारणाओं को अच्छी तरह से समझने और जीवन की वास्तविक समस्याओं को सुलझाने की विश्लेषणात्मक क्षमता के विकास पर जोर देता है। यह विद्यार्थियों को विकास केलिए आवश्यक, पाठ्येतर और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में संलग्न होने के लिए समूह की भावना से पोषित करता है और संगठनात्मक कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विभाग में कक्षा शिक्षण ट्यूटोरियल द्वारा समर्थित है और विद्यार्थियों की प्रगति के आकलन के लिए सतत मूल्यांकन प्रणाली अपनाई गई है। एक सुविधा संपन्न कंप्यूटर प्रयोगशाला उपलब्ध है जिसमें हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन और सॉफ्टवेयर की सुविधा है जिसमें मिनीटैब, एसपीएसएसआर, मैटलैब और आईबीएम डेटा मॉडलर की सुविधा उपलब्ध है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएचडी स्टैटिस्टिक्स
नियमित संकाय	3 (तीन)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. अरुण कुमार सिन्हा

संकाय प्रोफाइल

नाम	योग्यता
प्रो. अरुण कुमार सिन्हा, प्रभारी डीन तथा अध्यक्ष	पीएच.डी.
डॉ. ऋचा वत्स, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. मुकेश कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.

पुस्तकों / जर्नल्स में प्रकाशन आदि

प्रो० अरूण कुमार सिन्हा

पब्लिश्ड पेर्पस इन जर्नल्स

- एक्सप्लोरेटरी डाटा एनालिसिस एंड आफटरवार्डस, जर्नल ऑफ पटना साईंस कॉलेज (जेपीएससी, 2347-9604), 5, 1-6 (2017). (विथ ऋचा वत्स)
- स्पाशिएल क्राईम हॉटस्पॉटस फॉर क्राईम एगेंस्ट बॉडी,इन एप्लीकेशन ऑफ स्टेटिसटिकल एंड कंप्यूटेशनल साफ्टवेयर्स"(एडिटेड बाय श्रुति ईटी. एएल., आईएसबीन एन० 978 144 340 00 44), पीपी71-84, कॉमन ग्राउंड पब्लिकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोयस, यूएसए (2017) (विथ मुकेश कुमार एंड विकास सिंह)

डा० ऋचा वत्स

पब्लिश्डपेर्पस इन जर्नल्स

- एक्सप्लोरेटरी डाटा एनालिसिस एंड आफटरवार्डस, जर्नल ऑफ पटना साईंस कॉलेज (जेपीएससी, 2347-9604), 5, 1-6 (2017). (विथ अरूण कुमार सिन्हा)

डा० मुकेश कुमार

पब्लिश्ड पेर्पस इन जर्नल्स

- स्पाशिएल क्राईम हॉटस्पॉटस फॉर क्राईम एगेंस्ट बॉडी,इन एप्लीकेशन ऑफ स्टेटिसटिकल एंड कंप्यूटेशनल साफ्टवेयर्स" (एडिटेड बाय श्रुति ईटी एएल. आईएसबीएन न० 978 144 340 00 44), पीपी71-84, कॉमन ग्राउंड पब्लिकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनियोस, यूएसए (2017) (विथ अरूण कुमार सिन्हा एंड विकास सिंह)
- टु फेज सेम्पलिंग एक्सपोटेंशियल टाईप एस्टीमेटर्स फॉर रेशियो एंड प्रोडक्ट ऑफ टु पापुलेशन मिन्स इन द प्रजेंस ऑफ नॉन-रिस्पांस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सांटिफिक रिसर्च इन मैथमेटिकल एंड स्टैटिस्टिकल साईंसेस, वाल्यूम,4, इश्यू6, पीपी26-34,(आईएसएसएन:2348-4519) दिसंबर2017 (विथ कमलेश कुमार)

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठयक्रम आदि

प्रो० अरूण कुमार सिन्हा

- प्रजेण्टेड एन इनवाटेड पेपर इनटाईटिल्ड 'सम फेसेटस ऑफ हयूमैन इनवायरमेंट इंडेक्स' एट द इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन न्यू पारडिग्मस इन स्टेटिस्टिकस फॉर साइंस एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च आर्गेनाईज्ड ज्वाईंटली बाय इंडियन एसोसिएशन फज़ॅर प्रॉडक्टिविटि, क्वॉलिटि एंड रिलिएबलिटि (आईएपीक्यूआर) एंड सीएसआईआर-सेन्ट्रल ग्लास एंड सेरामिक्स रिसर्च इन्सटीच्यूट, कोलकाता डियूरिंग जनवरी 4-6, 2018.

डा० ऋचा वत्स

- ए पेपर प्रजेण्टेशन इनटाईटिल्ड 'बेसिएन प्रोजेक्सन ऑफ टोटल एंड सेक्स-वाईज ऑफ पॉपुलेशन साईज ऑफ इंडिया यूजिंग टू-पारामीटर लॉजिस्टिक ग्रॉथ रेट मॉडल' एट द रिसेंट ट्रेंडस ऑफ कम्प्यूटिंग इन मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक एंड इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजिज (आरटीसीएमएसआइटी-2018) आर्गेनाईज्ड बाय द डिपार्टमेंट ऑफ मैथमेटिकल साईंस एंड एम्प, कंम्प्यूटर एप्लीकेशंस, बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी ड्यूरिंग मार्च 9-11, 2018.
- कम्पलीट'रिफ्रेशर कोर्स इन रिसर्च एंड टीचिंग मैथेडोलॉजी' एट गुरू नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ड्यूरिंग 20 जून 2017 से 10 जुलाई 2017.

डा० मुकेश कुमार

- प्रजेण्टेड द पेपर इनटाईटल्ड 'आइडेंटिफिकेशन ऑफ क्राईम हॉट-स्पॉट थ्रो स्केन स्टेटिस्टिक" एट द इंटरनेशनल कांन्फ्रेंस ऑन रिसेंट ट्रेंडस ऑफ कम्प्यूटिंग इन मैथमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड इनफोरमेशन टेक्नोलॉजीज (आरटीसीएमएसआईटी-2018) आर्गेनाइज्ड बाय द डिपार्टमेंट ऑफ मैथमेटिकल साईंसेस एंड कम्प्यूटर एप्लीकेशनस, बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी डियूरिंग मार्च 9-11,2018.

(सी) डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स

डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमेटिक्स की शुरुआत इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए की गई थी कि ये मैथेमेटिक्स तथा साइंस के मूल तथा अनुप्रयोगात्मक साइंस की सह शाखाओं के क्षेत्र में शिक्षण और शोध कार्यों को आरंभ कर प्रशिक्षित मानवशक्ति प्रदान करेगा। डिपार्टमेंट वर्तमान में फाउन्डेशनल, कोर एवं विशिष्ट पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण को संचालित करने में समर्थन/ सहायता कर रहा है। पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्र को रचनात्मक सोच के लिए अपने कौशल, गणित के सभी बुनियादी क्षेत्रों में और गणित विषय में व्यावसायिक दक्षता प्राप्त करने के लिए औरसमस्या को हल करने की बुनियादी अवधारणाओं को समझने में प्रशिक्षित करनाहै। पाठ्यक्रम कोइस तरह डिजाइन किया गया है कि छात्र संकाय और विश्वविद्यालय के सामान्य वातावरण के सक्षम मार्गदर्शन के तहत विषय कोएक व्यवस्थित ढंग से जानने के लिए सक्षम हो जाएं। पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद छात्र के लिए कई अवसरउपलब्ध हैं।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमएससी तथा पीएचडी मैथेमेटिक्स
नियमित संकाय	6 (छह)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डा. हरे कृष्ण निगम

संकाय प्रोफाइल

नाम	योग्यता
डा. हरे कृष्ण निगम, सह प्राध्यापक तथा अध्यक्ष	पीएचडी
डा. राजेश प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
डा. विवेक कुमार जैन, सहायक प्राध्यापक	डी.फिल
डा. शुभ नारायण सिंह, सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
डा. रौशन कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
डॉ. पंकज मिश्रा, सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

7. स्कूल ऑफ मीडिया, आर्टस् एंड एस्थेटिक्स

मानव जीवन कला और सौंदर्यशास्त्र तत्वों से पोषित है और मानव संचार का केंद्र मीडिया है। इस संदर्भ में मीडिया, आर्टस् और एस्थेटिक्स मानव जीवन के अभिन्न अंग हैं। जहां तक मानव जीवन के पूरे विकास का संबंध है, जीवन के इन पहलुओं का शैक्षणिक अध्ययन महत्वपूर्ण है। स्कूल ऑफ मीडिया, आर्टस् एंड एस्थेटिक्स में शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध का लक्ष्य है शैक्षणिक आश्यकताओं को पूरा करना, व्यावहारिक पहलू और भविष्य संबंधी विचारों और जीवन के आदर्शों का निर्माण करना। स्कूल की स्थापना के पीछे मूल विचार है विभिन्न, मीडिया, संस्कृति और कला रूपों को एक साथ संगठित करके एक उच्च स्तर का प्रोग्राम विकसित करना। स्कूल की प्रकृति अंत:विषयी है जो विद्यार्थियों के ज्ञान और समझ के क्षेत्र को विस्तारित करता है। इसके अलावा स्कूल विद्यार्थियों को गहन औद्योगिक प्रशिक्षण मोड्यूल के साथ मीडिया, आर्टस् और एस्थेटिक्स के विभिन्न रूपों का व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करता है।

सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज़

हमेशा विस्तार की ओर बढ़ते हुए मास मीडिया के क्षेत्र ने मल्टी-टास्किंग और मल्टी-टैलेंटेड मीडिया व्यावसायियों की आवश्यकताओं को हमेशा सक्षमता प्रदान किया है। जहां सीयूएसबी का उद्देश्य हमेशा उच्च शैक्षणिक मानकों, पाठ्येतर गतिविधियों और नए शोधों, सेमिनारों, इत्यादि से संबंधित है, वहीं इसका सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया (सीएमएस) विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल विकसित करने, औद्योगिक विशेषज्ञों से बातचीत और अन्य संस्थाओं और पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों से विचारों का आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाता है। ये सभी और इसके अतिरिक्त सीएमएस की अन्य गतिविधियां भी बेहतरीन विचारों, शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक मानकों और सर्वोत्तम वर्ग की सुविधाओं का एक सम्मिश्रण स्थापित करती है। विद्यार्थियों में मीडिया की समझ की वृद्धि के लिए सीएमएस विभिन्न नए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ प्रयोग करने के लिए अभ्यस्त है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमए तथा पीएचडी मास कम्यूनिकेशन
नियमित संकाय	5 (पाँच)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डॉ. आतिश पराशर

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता
डॉ. आतिश पराशर, सह प्राध्यापक तथा अध्यक्ष	पीएच.डी.
डॉ. किंशुक पाठक, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. सुजीत कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. अनिंद्य देव, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. रवि सूर्यवंशी, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.

8. स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी

- सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़
- सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज़ एंड पॉलिसीज़
- सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज
- सेंटर फॉर सोशियोलॉजिकल स्टडीज

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड पॉलिसी विभिन्न विषयों के सामंजस्य का प्रतीक है जिसकी प्रासंगिकता मानव व्यवहार को एकीकृत रूपरेखा के अंतर्गत समझने और विश्लेषित करने में है। इस स्कूल में चार विभाग हैं जिनके नाम हैं – सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़, सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज़ एंड पॉलिसी, सेंटर फॉर सोशियोलॉजिकल स्टडीज़ और सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़। विद्यार्थी को एक सही इंसान और साथ ही एक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आदमी बनाने के लिए और विभिन्न विषयों को परस्पर संबद्ध करते हुए सामाजिक मुद्दों को समग्र रूप से समझने के लिए ये निरंतर अपने शिक्षण कार्य और अनुभवजन्य शोध को सम्मिलित करने का प्रयास करता है।

(ए) सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़

सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज़ (सीडीएस) का एक बहु-विषयी सेंटर के रूप में उद्देश्य है विद्यार्थियों में आलोचनात्मक, विश्लेषणात्मक और प्रायोगिक कौशल का विकास करना जिसे वे भविष्य में शिक्षाविदों या विकसित व्यावसायियों के रूप में उपयोग करते हैं। यह विद्यार्थियों को ज्ञान (सैद्धांतिक पहलुओं और दृष्टिकोणों) के एक प्रासंगिक क्षेत्र को आलोचनात्मक रूप से परीक्षण करने का अवसर प्रदान करता है। शैक्षणिक प्रोग्राम्स विकास प्रक्रिया के सामाजिक, सांस्कृतिक, इकोलॉजिकल, राजनीतिक और आर्थिक घटकों के व्यावहारिक समझ और पारस्परिक क्रियाओं में वृद्धि करता है जो रचनात्मक विकास के अनुचित परिणामों से निपटने के लिए आवश्यक है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमए
नियमित संकाय	5 (पॉच)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डॉ. समापिका मोहापात्रा

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता
डॉ. समापिका मोहापात्रा, सह प्राध्यापक तथा अध्यक्ष	पीएच.डी.
डॉ. अंजु हेलेन बारा, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. फिरदौस फातिमा रिज़वी, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
श्री अहम्मेदुल कबीर एपी, सहायक प्राध्यापक	एम.फिल., पीएच.डी. अध्ययनरत
श्री आदित्य मोहंती, सहायक प्राध्यापक	एम.ए.

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठयक्रम आदि

डा० फिरदौस फातिमा रिजवी

- प्रजेण्टेड पेपर ऑन 'इंप्लॉयमेंट इनक्वलिटिस एमांग मुस्लिम्स इन इंडिया" इन ए टु डे नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंडिया इकोनॉमी: चैलेन्जेज एंड प्रोस्पेक्टस ऑर्गेनाईज्ड बाय सेन्टर फॉर स्टडी एंड रिसर्च (सीएसआर) हैदराबाद एंड काउंसिल ऑन इकोनॉमिक रिसर्च (सीईआर), न्यू दिल्ली ड्यूरिंग मार्च 03 – 04, 2018.
- पार्टिसिपेटड इन यूजीसी स्पॉन्सर्ड रिफ्रेशर प्रोग्राम आर्गेनाईज्ड बाय यूजीसी-एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज, हयूमैन रिसोर्स डेवलपमेंट सेन्टर, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद फ्रॉम 27 नवंबर टु 17 दिसंबर, 2017.

(बी) सेंटर फॉर इकोनॉमिक स्टडीज़ एंड पॉलिसीज़

सेंटर शैक्षणिक संलग्नता को एक अलग दृष्टि से देखता है। अर्थशास्त्र के बुनियादी सिद्धांतों के शिक्षण पर ध्यान केंद्रित रखते हुए भी यह सेंटर सिद्धांत एवं व्यवहार दोनों क्षेत्रों में नए ज्ञान-मीमांसा की तलाश में है। यह अपने पाठ्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के सात्विक विचारों से अर्थशास्त्र के क्षेत्र में पड़ने वाले प्रभावों द्वारा सुधार लाने पर अपना ध्यान केंद्रित करता है। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विविधतापूर्ण ज्ञान और समाज एवं राजनीति पर इसके प्रभाव शोध के अवलोकन में चयन के लिए मौलिक स्त्रोत उपलब्ध कराते हैं। यह संकाय एवं विद्यार्थियों की रचनात्मक लालसाओं का पोषण करता है और भविष्य के अध्ययन हेतु वर्तमान सिद्धांतों एवं क्रियाओं हेतु एक विकासशील आलोकों का एक फोरम प्रदान करता है। ऐसा करते हुए, यह स्थानीय उप-क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सभी स्तरों पर उदीयमान सैद्धांतिक अभ्यर्थना को संदर्भित करता है। यह शिक्षण और शोध के अन्य संस्थानों के सहयोग से स्वयं को एक अनूठे अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित होने का लक्ष्य रखता है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमए तथा पीएचडी इकोनोमिक्स
नियमित संकाय	5
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. शंकर कुमार भौमिक

संकाय प्रोफाइल

नाम	योग्यता
प्रो. शंकर कुमार भौमिक, प्राध्यापक तथा अध्यक्ष	पीएच.डी.
डॉ. अबोध कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
श्री अतीश कुमार दास, सहायक प्राध्यापक	एम.फिल. पीएच.डी. अध्ययनरत
डॉ. रिकिल चिरमॉन्ग, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. संजय कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

प्रो० शंकर कुमार भौमिक

बुक चैप्टर

- शंकर कुमार भौमिक, "इनक्लूजिव ग्रोथ इन इंडिया : ए नोट" इन एम आर खुराना (इडी), इन डायनामिक ऑफ रूरल ट्रांसफॉरमेशन इन इंडिया, स्तुद्रा प्रेस, नई दिल्ली, 2018 [आईएसबीएन: 9789385883329]

अतीश कुमार दास

बुक चेप्टर

- जो, विलियम, दास, अतीश कुमार एंड अग्रवाल, प्रदीप (2017). डिमोग्राफिक डेविडेंड एंड इकोनॉमिक ग्रोथ इन इंडिया एंड चाइना इन प्रदीप अग्रवाल (ईडी.), सस्टेनिंग हाई ग्रोथ इन इंडिया (पीपी 391-416), कैम्ब्रिज : यूनिवर्सिटी प्रेस, डीओआई: 10.1017/9781316855584.015.

डा० रिकिल चिरमांग

बुक चेप्टर्स

- क्रास-बार्डरमाइग्रेशन एंड कॉनफ्लिक्टस इन असम, इन एस. इरूदया राजन (इडी). इंडिया माइग्रेशन रिपोर्ट 2016 गल्फ माइग्रेशन (चेप्टर 18), पीपी 262-280, रॉल्टेज, न्यूर्याक, आईएसबीएन नं० 978-1-138-28280-3.
- फार्म्स फॉर कॉनफिल्कट रिजॉल्यूशन इन द जैतिया ट्राईबल कम्यूनिटि ओवर लैंड रिर्सोस, इन मेलविल पीरिया, बिटोपी दत्ता एंड बिनिता काकती (इडी) लीगल प्लूरिज्म एंड इंडियन डेमोक्रेसी:ट्राईबल कॉनिफ्लकट रिज्योलूशन सिस्टम्स इन नार्थइस्ट इंडिया, न्यूयार्क, रॉउल्टेज, आईएसबीएन: 978-11-38230-78-9.
- ग्रोथ एंड डेवलपमेंट इन नार्थ इस्ट इंडिया, इन नवल कुमार पासवान (इडी) चेप्टर 4 नार्थइस्ट इंडिया कॉनिफ्लकट एंड डेवलपमेंट डायनामिक्स, आकांक्षा पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पी.पी. 43-65, आईएसबीएननं०: 978-81-8370-492-2.
- फार्म्स फॉर कानफ्लिक्ट रिजोल्यूशन इन द जैंतिया ट्राइबल कमिन्यूटी ओवर लैंड रिसोर्सस, इन मेलिविल पेरिया, बिटोपि दत्ता एंड विनिता काकती (ईडी) लीगल प्लूरिज्म एंड इंडियन डेमोक्रेसी: ट्राइबल कॉनफ्लिक्ट रिज्योलूशन सिस्टम्स इन नार्थइस्ट इंडिया, चेप्टर 15, न्यूयार्क, राउटलेज, पीपी. 271-295, आइएसबीएन: 978-1-138-10619-2.
- युथ माइग्रेशन फॉर एजुकेशन फ्रॉम द नार्थ-इर्स्टन रिजन टु द डिफरेंट स्टेटस ऑफ इंडिया इन एस. इरूदया रंजन एंड पी. शिव कुमार (इडी), युथ माइग्रेशन इन इमर्जिंग इंडिया: टेंडस, चैलेंजस एंड अपॉरच्यूनिटि, चेप्टर 8, हैदराबाद, ओरिएंट बाल्क स्वान प्रा० लि०, पीपी. 220-240,आईएसबीएन: 9789352873890.

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठयक्रम आदि

प्रो० शंकर कुमार भौमिक

- एटेंडेंडद नेशनल सेमिनार ऑन चैलेंजेज ऑफ ग्रोईंग इनइक्विलिटिज इन इंडिया आर्गेनाईज्ड ज्वाईंटली बाय काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट, नई दिल्ली, ऑन 14-15 जुलाई2017, एंड प्रजेण्टेड ए पेपर ऑन 'पैटर्नस ऑफ सोशल इनक्लूजन इन रूरल इंडिया"।

- एटेंडेड द 37 एनुएल कान्फ्रेंस ऑन बंगाल इकोनोमिकएसोशिएसन आर्गेनाईज्ड ज्वाईंटली बाय एंडुल कॉलेज, हावडा ऑन 15 सितंबर 2017, एंड प्रजेण्टेड ए पेपर ऑन "रिसेंट परफार्म्स ऑफ इंडियन एग्रीक्लचर".
- एटेंडेड द नेशनल कान्फ्रेंस ऑन एग्रीक्लचर एंड रूरल मैनेजमेंट: प्रोस्टपैक्टस एंड इमर्जिंग इश्यूज आर्गेनाइज्ड ज्वांटली बाय संत जेवियर कॉलेज, जयपुर एंड राजस्थान इकोनोमिक एसोशिएसन ऑन 3-4 नवंबर 2017, एंड प्रजेण्टेड ए पेपर ऑन 'प्रोब्लम्स एंड प्रोस्पैक्टस ऑफ इंडियन एग्रीक्लचरल".

लेक्चर्स एट रिसर्च मेथेडॉलॉजी वर्कशाप

- जो, विलियम, दास, अतीश कुमार एंड अग्रवाल, प्रदीप (2017). डेमोग्राफिक डिवाईडेंड एंड इकोनोमिक ग्रोथ इन इंडिया एंड चाइना। इन प्रदीप अग्रवाल (इडी), सस्टेनिंग हाई ग्रोथ इन इंडिया (पीपी 391-416), कैम्ब्रिज: कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, डीओआई: 10.1017/9781316855584.015.
- गिवेन टू लेक्चर्स 'एप्लीकेशन ऑफ टाइम सिरिज एनालायसिस इन मैनेजमेंट" एट द वर्कशॉप आन एडभांस रिसर्च मेथडस एंड डाटा एनालायसिस आर्गेनइज्ड आय डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एनआईटी, दुर्गापुर, डियूरिंग जून 9-10, 2017.
- गिवेन टु लेक्चर्स ऑन "रिग्रेसन एनालायसिस इन सोशल साईंस रिसर्च" एट द आईसीएसएसआर- स्पांर्स्ड रिसर्च मेथेडोलॉजी वर्कशॉपफार सोशल साईंटिस्टस आर्गेनाइज्ड बाय इन्स्टीच्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, जयपुर ऑन 9 दिसंबर2017.

डा० अबोध कुमार

- अटेंटेड थ्री वीकस् रिफ्रेशर कोर्स इन कॉमर्स, मैनेजमेंट एंड इकोनॉमिक्स एट यूजीसी-एचआरडीसी, रांची यूनिवर्सिटी, रांची, इन जून 2017।
- रिसीवड् सर रतन टाटा पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप एट द लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई) अक्टूबर 2017 से जून 2018।

श्री अतीश कुमार दास

- पार्टिसीपेटेड इन द यूजीसी-स्पॉनसर्ड रिफ्रेशन कोर्स इन कॉमर्स, इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट एट यूजीसी-ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर, रांची यूनिवर्सिटी, रांची फ्रॉम 16.06.2017 टू 06.072017।
- डेलिवर्ड लेक्चर ऑन एप्लीकेशन ऑफ एसपीएसएस एज़ ए रिसोर्स पर्सन इन द टू-डे नेशनल वर्कशॉप ऑन रिसर्च मेथॉडोलॉजी एंड एप्लीकेशन ऑफ एसपीएसएस ऑरगेनाइज़्ड् बाय आईक्यूएसी ऑफ पटना वूमेनस् कॉलेज इन कोलॉबोरेशन विथ द डिपार्टमेंट ऑफ एमसीए, पटना वूमेनस् कॉलेज, पटना यूनिवर्सिटी ऑन 7 एंड 8 मार्च, 2018।

डॉ. रिकिल चिरमांग

- पार्टीसिपेटेड इन द टू डेज़ नेशनल वर्कशॉप ऑन सिविलाइज़ेशन एंड सोशियो-कल्चरल इवोल्यूशन इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया ड्युरिंग16-17 सितंबर, 2107,ऑरगेनाइज़्ड बाय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंटर एंड पंचायती राज, गुवाहाटी विथ एसोसिएशन नॉर्थ ईस्ट, सेंटर, नई दिल्ली।
- प्रेज़ेंटेड ए पेपर टाइटल्ड,'फॉरगॉटेन हीरोज़ ऑफ इंडियाज़ फ्रीडम स्ट्रगल:स्वोटिंग ऑन द हिल किंगडमस् ऑफ मेघालय' इन द नेशनल कंफरेंस ऑन 'रीविज़िटिंग द हिल-वेली कनेक्शन इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया' हेल्ड ऑन 5 और 6 जनवरी 2018 एट जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।
- प्रेज़ेंटेड ए पेपर टाइटल्ड,'माईग्रेशन फ्रॉम नार्थ-ईस्ट इंडिया टू साउथ इंडियन स्टेटस्', एट द नेशनल सेमिनार-कम-वर्कशॉप ऑन प्रोसेस ऑफ माइग्रेशन फ्रॉम नॉर्थईस्ट इंडिया ऑरगेनाइज़्ड बाय इंडियन सोशल इंस्टीटयूट, बैंगलोर एंड नॉर्थ ईस्टर्न सोशल रिसर्च सेंटर, गुवाहाटी फरवरी 23-24, 2018

(सी) सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़

सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज़ पारंपरिक, आधुनिक तथा उत्तर-आधुनिक दृष्टिकोणों को विषय के सभी पहलुओं के साथ समाहित करता है। यह समाज के नए समस्या क्षेत्रों की पहचान जोरदार तरीके से करता है और शिक्षण और शोध के माध्यम से एक हल प्रदान करने का प्रयास भी करता है। सेंटर पॉलिटिकल साइंस एवं इंटरनेशनल रिलेशंस के अध्ययन से जुड़े विकासात्मक समस्याओं को अभ्यास द्वारा हल करना प्रस्तावित करता है। अंत: विषयी दृष्टिकोण के तहत सेंटर सिद्धांत और कार्य दोनों को जोड़ने का अवसर प्रदान करता है। सेंटर पॉलिटिकल साइंस एवं इंटरनेशनल रिलेशंस के शैक्षणिक कार्यक्रम को शामिल करता है ताकि विद्यार्थियों को दार्शनिक एवं व्यावहारिक परिप्रेक्ष्यों में हिंदुस्तानी और पाश्चात्य परंपराओं की जानकारी के साथ-साथ उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से भी अवगत कराया जा सके। यह क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सभी स्तरों पर राजनीतिक विश्लेषण के विकास के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता है।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमए तथा पीएचडी पॉलिटिकल स्टडीज़
नियमित संकाय	6 (छह)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	प्रो. एस.एन. सिंह

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता
प्रो. एस.एन. सिंह, डीन एवं अध्यक्ष	पीएच.डी.
डॉ. आलोक कुमार गुप्ता, सह प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. प्रवीण कुमार, सह प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. सुमित कुमार पाठक, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. अभय कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.
डॉ. प्रणव कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएच.डी.

(डी) सेन्टर फॉर सोशियोलॉजिकल स्टडीज

केंद्र समकालीन सामाजिक घटना को समझने के लिए छात्रों के लिए अनुकूल शैक्षणिक माहौल प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है जो शास्त्रीय सामाजिक सोच, पारंपरिक वैदिक दर्शन और आधुनिक या उत्तर आधुनिक सोच/ समाज के बीच तक फैले हुए हैं। केंद्र की दृष्टि क्षेत्र में लागू ज्ञान सृजन के माध्यम से स्थानीय स्तर पर अभिनय द्वारा विश्व स्तर पर मान्यता प्रदान किए जाने पर है। इससे समाज की समस्याओं और जरूरतों के प्रति समझ बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसलिए, केंद्र अपने कार्यों और क्षेत्र के प्रति इस तरह दूरदर्शी है कि जो ऐसे प्रभावी पेशेवरों का निर्माण करेगा जो दुनिया भर में किसी भी विकास प्रयासों में प्रभावी नेतृत्व तथा कर्तृत्व के रूप में अपनी सेवा प्रदान कर सकते हों।

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	एमए तथा पीएचडी सोशियोलॉजिकल स्टडीज
नियमित संकाय	6 (छह)
केंद्र / विभागाध्यक्ष	डा. सनत कुमार शर्मा

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता
डा. सनत कुमार शर्मा, सह प्राध्यापक तथा अध्यक्ष	**पीएच.डी.**
डा. अनिल कुमार सिंह झा, सह प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. जितेन्द्र राम, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. हरेश नारायण पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. पारिजात प्रधान, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**
डा. प्रिय रंजन, सहायक प्राध्यापक	**पीएच.डी.**

पुस्तकों / जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डॉ. अनिल कुमार सिंह झा

जर्नल्स में प्रकाशन

- डोमेस्टिक वायलेंस इन बिहार:एविडेंस फ्रॉम एनएफएचएस-3 एंड एनएफएचएस-4 डाटा, महिला प्रतिष्ठा (इंटरनेशनल मल्टीडिसीप्लनॉरी जर्नल ऑन वूमेन एंड जेंडर स्टडीज़; आईएसएसएन:2454-7891), वोल्यूम-3, नंबर 4, अप्रैल-जून, 2018, (पीपी.;1-12)
- हेतुकर झा, भारतीय समाजशास्त्र समीक्षा (जर्नल ऑफ इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी; आईएसएसएन: 2349-1396), वोल्यूम –IV, नंबर 2, जुलाई-दिसंबर, 2017, (पीपी. 100-105)

डा० जितेन्द्र राम

जर्नल्स में प्रकाशित पेपर

- "ग्लोबलाईजेशन एंड सोशल एक्सक्लूजन: ए पर्सपेक्टिव फ्राम बिलो", जर्नल ऑफ एक्सक्लूजन स्टडीज,2017, वाल्यूम -7, नं०. 2, अगस्त2017, नई दिल्ली, आईएसएसएन: 2231-4547, पीपी.257-69.

- "कास्ट हायररकी एंड दलित्स इन द एरा ऑफ ग्लोबलाईजेशन: ए व्यू फ्राम बिहार", इन मनीष कुमार वर्मा (ईडी.) ग्लोबलाइजेशन, सोशल जस्टीस एंड सस्टनेबल डेवलपमेंट इन इंडिया, नई दिल्ली: ज्ञान पब्लिशिंग हाउस आईएसबीएन:978-81-212-1415-5, अक्टूबर 2017.
- "इमर्जिंग न्यू सोशल स्टेटस एमांग दलित इन बिहार", इकोनोमिक एंड पॉलिटकली वीकली, (नोटस), वाल्यूम. 53, इश्यू नं० 11, 17 मार्च 2018, मुम्बई, आईएसएसएन: 0012-9976, पीपी.64-69.

सम्मेलन, कार्यशाला, पाठयक्रम आदि

डा० अनिल कुमार सिंह झा

- डिलीवर्ड एन इनभाइटेड लेक्चर ऑन रॉल ऑफ एजुकेशन इन इम्पावरमेंट ऑफ वीमेन इन नेशनल सेमिनार ऑन "वीमेन इम्पावरमेंट थ्रो एजुकेशन एंड इनफारमेसन टेक्नोलॉजी", आर्गेनाईज्ड बाय सेन्टर फॉर सोशल डिफेंस एंड जेंडर स्टडीज, सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस, स्क्योरिटीएंड क्रिमिनल जस्टीस, जोधपुर डियूरिंग दिसंबर 22-23, 2017.
- चेयर्ड ए टेक्नीकल सेशन इन नेशनल सेमिनार ऑन "वीमेन इम्पावरमेंट थ्रो एजुकेशन एंड इनफॉरमेसन टेक्नोलॉजी", आर्गेनाईज्ड बाय सेन्टर फॉर सोशल डिफेंस एंड जेंडर स्टडीज, सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस, स्क्योरिटीएंड क्रिमिनल जस्टीस, जोधपुर डियूरिंग दिसंबर 22-23, 2017.
- प्रजेंटेड एपेपर इनटाइटिल्ड "साईलेंस ऑफ पेन: डोमेस्टिक वायलेंस इन बिहार" इन 43 ऑल इंडिया सोशोलियॉजिकल कान्फ्रेंस ऑन "नियो-लिबरेलिज्म, कंजप्श्न एंड कल्चर", ज्वाईटली आर्गेनाईज्ड बाय इंडियन सोशियोलोजिकल सोसायटीएंड यूनिवर्सिटी ऑफ लखनउ डियूरिंग नवंबर 09 - 12, 2017.

डा० जितेन्द्र राम

- कम्पलीटेड यूजीसी-एचआरडीसी स्पांर्सड रिफ्रेशर कोर्स (इंटरडिसीप्लीनरी इन सोशल साईसेंस) फ्राम 27 नवंबर -17 दिसंबर 2017 आर्गेनाईज्ड बाय डिपार्टमेंट ऑफ इकोनोमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद।

डा० प्रिय रंजन

- प्रजेण्टेड टु पेपर्स नेमली (i) कॉन्टेक्सटुएलाईजिंग द नोशन ऑफ लेबर इन आश्रम लाईफ: ए स्टडी ऑफ महर्षि मेंही आश्रम, भागलपुर (ii) इनोवेलेंट ऑफ चिल्ड्रेन इन स्पार्टस इन नियो लिबरल इरा इन द 43 ऑल इंडिया सोशियोलॉजिकल कान्फ्रेंस आर्गेनाईज्ड डियूरिंग दिसम्बर 09-12, 2018 इन लखनउ।
- एटेंडेड ओरिएंटेशन कोर्स इन जवाहरलाल नेहरू यनिवर्सिटी, नई दिल्ली डियूरिंग 8 जनवरी - 2 फरवरी, 2018 एंड अल्सो डिलीवर्ड ए टॉक ऑन " महात्मा गॉधी : ए जर्नी फ्राम स्वराज टु सुराज डियूरिंग द कोर्स।

डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री

डा० सुधांशु कुमार झा

जर्नल्स में प्रकाशन

- ए स्टडी ऑफ माइग्रेशन ऑफ ट्राईबल वीमेन ऑफ झारखंड इन कोलोनियल एंड पोस्ट-कोलोनियल पिरियड इन द जर्नल ऑफ नार्थ इस्ट रिजन,5th ईश्यू अगस्त, 2017, आईएसएसएन-23210583. यूजीसी एप्रुव्ड लिस्ट ऑफ जर्नल नं० 63983.
- फॉरगॉटन ग्लोरी ऑफ एनसीएंट इंडिया इन द जर्नल ऑफ इंडियन रिसर्च, वाल्यूम-5, इश्यू-2, अप्रैल–जुन 2017, पब्लिश्ड इन अगस्त,2017, आईएसएसएन-23214155. यूजीसी जर्नल नं०-64729

डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	सपोर्ट्स बीएससी.बीएड.
नियमित संकाय	2

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता
डा. गिरीश चंद्रा, सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
डा. अमिय प्रियम, सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

पुस्तकों/ जर्नल्स में प्रकाशन आदि

डा० गिरीश चन्द्रा

- साईंस एकेडेमिज' रिफ्रेशर कोर्स ऑन केमिस्ट्री एट डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री, मार्डन कॉलेज ऑफ आर्टस, साईंस एंड कार्मस,गणेशखिंद, पूणे में 27 नवंबर से 11 दिसंबर, 2017 के दौरान किया.
- डिलीवर्ड एन इनवायटेड लेक्चर ऑन द टॉपिक "फ्लूरो-कार्बोसाइकलिक न्यूकलियोसाईड: ए पोटेंशियल एंटीकैंसर एजेंट" इन नेशनल कान्फ्रेंस ऑन " इनहेसिंगन्यू इनोवेशन एंड चैलेंजस इन नैनो, केमिकल एंड बायोलॉजिकल साईंसेस- 2018 (ईआईसीएनसीबीएस- 2018)" (ईआईसीएनसीबीएस-2018) एट टाटा कॉलेज, चाईबासा, डियूरिंग फरवरी 16 -18, 2018.
- डिलीवर्ड एन इनवायटेड लेक्चर ऑन द टॉपिक "सिंथेसिस एंड बायोलॉजिकल एक्टीविटिज ऑफ 7-डिएजा-फ्लूरो-नेपलानोसिने ए" इन द नेशनल सिमपोजिएम ऑन 'कॉन्टेम्परारी फेक्टस इन आर्गेनिक सिंथेसिस' आर्गेनाईज्ड बाय द डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री आईआईटी-रूरकी डियूरिंग दिसंबर 22-24, 2017.

डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स

केंद्र / विभाग का सारांश	
अकादमिक कार्यक्रम	सपोर्ट्स बीएससी.बीएड.
नियमित संकाय	2 (दो)

संकाय प्रोफाइल

नाम और पदनाम	योग्यता
डा. अखिलानंद कुमार, सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
डॉ. पुनीत मिश्रा, सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

सीयूएसबी में वार्ता, कार्यशाला, सम्मेलन इत्यादि

टीचिंग थ्रु फाईन आर्टस पर कार्यशाला
(22 मई - 26 मई, 2017)

22-26 मई, 2017 के दौरान सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा 'पेडागोगी एंड एसेसमेंट थ्रो प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग एंड टीचिंग थ्रो फाइन आर्टस' विषय पर पॉच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। उदघाटन दिवस पर प्रो० प्रभात कुमार सिंह, डीन, स्कूल ऑफ लैंग्वेज एंड लिटरेचर, सीयूएसबी ने टीचिंग थ्रू फाईन आर्टस के विषय पर अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये। उन्होंने ऐसे कई उदाहरण प्रस्तुत किये की कैसे फाईन आर्टस के विभिन्न तकनीकों को कक्षा शिक्षण तथा मूल्यांकन में उपयोग किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरूआत में प्रो० रेखा अग्रवाल डीन तथा अध्यक्ष, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी ने सभी गणमान्य अतिथियों तथा विदयार्थियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय कार्यशाला के विषय का परिचय कार्यशाला के को-आर्डिनेटर डा० जितेन्द्र कुमार द्वारा दिया गया। कार्यशाला केपांचवें तथा अंतिम दिन पहले तकनीकि सेशन में प्रो० ज्योत्सना तिवारी तथा डा० शशि प्रभा, एनसीईआरटी, नई दिल्ली ने

मॉडयुल के विकास में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। डा० दुष्यंत कौर ने स्कूल ऑफ एजुकेशन ने नये तथा सृजनात्मक प्रयासों के संबंध में अपने अनुभवों को साझा किया। उदघाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो० ओ.पी. राय, प्रतिकुलपति, सीयूएसबी ने की जिन्होंने अपने वकतव्य में कहा कि वर्तमान युग आईसीटी का है। आईसीटी के सहायता से एक शिक्षक विदयार्थियों में मूल्यों तथा सृजनात्मकता उत्पन्न करने के लिए बहुत कुछ कर सकता है। डा० जितेन्द्र कुमार ने पांच दिवसीय कार्यशाला की समीक्षा प्रस्तुत की तथा डा० तपन कुमार बसंतिया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कोऑपरेटिव शिक्षण कौशल पर प्रशिक्षण- कार्यशाला
(24-28 जुलाई, 2017)

24-28 जुलाई, 2017 के दौरान शिक्षक एवं शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय अभियान (पीएमएमएमएनटीटी) के तहत सीयूएसबी के तहत स्कूल ऑफ एजुकेशन ने 'कोऑपरेटिव शिक्षण कौशल' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण- कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उदघाटन सीयूएसबी के प्रति कुलपति प्रो०

ओ.पी. राय ने प्रो० रेखा अग्रवाल, प्रो० कौशल किशोर तथा डा० सनत कुमार शर्मा की उपस्थिति में किया। उदघाटन के बाद प्रो० रेखा अग्रवाल, अध्यक्ष एवं डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी ने पूरे देश से आये हुए गणमान्य अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने उदघाटन भाषण में प्रो० ओ.पी. राय ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया तथा कहा कि सहयोग शिक्षण की शुरूआत सहयोग की भावना से शुरू होती है और विषय तथा शिक्षण सहानुभूति पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। प्रो० रेखा अग्रवाल इंडक्शन व्याख्यान प्रस्तुत किया इसके बाद प्रतिभागियों ने अपने मतों तथा विचारों को व्यक्त किया। कार्यक्रम के कोआर्डिनेटर सुश्री चन्द्रप्रभा ने सहयोग शिक्षण की मौलिकता पर विचार व्यक्त किये। मंच संचालन डा० कविता सिंह द्वारा किया गया। प्रो० कौशल किशोर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न व्याख्यान, प्रैक्टीकल तथा समूह गतिविधियां आयोजित की गई।

परियोजना आधारित शिक्षण पर सात दिवसीय कार्यशाला
(31 जुलाई से 06 अगस्त, 2017)

31 जुलाई से 06 अगस्त, 2017 के दौरान सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा 'प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग एंड ईटस एसेसमेंट' विषय पर एक प्रशिक्षण- कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत आयोजित की गई। प्रो० एच.सी.एस राठौर, कुलपति, सीयूएसबी ने दीप प्रज्वलन कर औपचारिक रूप से कार्यक्रम की शुरूआत की। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रो० राठौर ने भारतीय शिक्षण प्रणाली में आये हुए बदलाव की ओर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा विश्व के पहले विश्वविदयालय की स्थापना भारत में हुई थी। उस वक्त भारत शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श देश था लेकिन वर्तमान में विषय के ज्ञान से हटकर सिर्फ अधिकतम अंक प्राप्त करने पर ध्यान कंद्रित किया जाता है। उन्होंने उदाहरण स्वरूप चीन तथा अमेरिका के शिक्षण प्रणाली के बारे में बताया जहां कौशल विकास पर ध्यान क्रेंदित किया जाता है। प्रो० रेखा अग्रवाल, डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा

प्रतिभागियों को पीएमएमएमएनएमटीटी योजना का परिचय दिया। प्रोग्राम कोर्डिनेटर जितेन्द्र कुमार ने संक्षिप्त रूप में कार्यशाला के दौरान होने वाले विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। इस साप्ताहिक प्रशिक्षण-कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने परियोजना आधारित शिक्षण तथा कक्षा शिक्षण में प्रयोग किये जानेवाली विभिन्न पद्धतियों के पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया। पटना विश्वविद्यालय के प्रो० खगेन्द्र कुमार ने इस परियोजना आधारित शिक्षण के मूल सिद्धांतों जो कि रचनावाद तथा सामाजिक रचनावाद के विषय में बताया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विस्तार में अध्ययनकर्ता के विशेषताओं के बारे में बताया तथा विदयार्थियों के कौशल विकास में परियोजना आधारित शिक्षण किस प्रकार सहायक है इस ओर भी ध्यान क्रेंदित किया। स्कूल ऑफ एजुकेशन के संकाय सदस्य डा० स्वाति गुप्ता, डा० कविता सिंह, डा० चन्द्रप्रभा पांडेय, डा० तपन कुमार बसंतिया, डा० रविकांत, डा० रिंकी, डा० मितांजली साहु, डा० तरूण कुमार त्यागी,

डा० प्रज्ञा गुप्ता, डा० रविन्द्र कुमार, श्री मो० मोज्ममील हुसैन, श्री किशोर कुमार एंड श्री राम अवध कार्यक्रम में उपस्थित थे तथा अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो० प्रभात कुमार सिंह, डीन, सेन्टर फॉर फॉरेन लैग्वेज, जिन्होंने वर्तमान शिक्षाव्यवस्था पर अपनी चिंता व्यक्त की तथा बेहतर परिणाम के लिए किसी विशेष विषय के लिए उसका शिक्षक या विशेषज्ञ न होकर अपने आपको विदयार्थी समझें। प्रो० कौशल किशोर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा आयोजक समूह की कार्यशाला की सफल आयोजना के लिए सराहना की।

मूट कोर्ट प्रीपरेशन पर कार्यशाला (04-06 अगस्त, 2017)

विश्वविद्यालय के गया परिसर में 04-06 अगस्त, 2017 के दौरान सीयूएसबी के स्कूल ऑफ लॉ एंड गर्वनेंस के मूट कोर्ट सोसाइटी ने 'मूट कोर्ट मेमोरियल प्रीपरेशन एंड ओरल स्किल डेवलपमेंट' विषय पर कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्री जेम्स, एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया एंड पार्टनर, इनसॉट लॉ फर्म विशेषज्ञ के तौर पर उपस्थित थे। श्री जेम्स ने कहा कि वकीलों के लिए कुछ भी सही या गलत नहीं होता और ये सिर्फ इस पर निर्भर करता है कि वो किस पक्ष से हैं तथा ये तर्क- वितर्क का मामला है। प्रो० पी.के. सिंह ने कहा कि वकील बनने के लिए मौखिक कुशलता तथा धाराओं का ज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रो० एस.पी. श्रीवास्तव ने विदयार्थियों को मूटिंग तथा बीसीआई के अनिवार्य निर्देशों की महत्ता के बारे में बताया। कार्यशाला में विश्वविदयालय के विदयार्थियों को मूटिंग, मेमोरियल प्रीप्रेशन तथा मौखिक

तर्क कुशलता पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में लगभग 90 विदयार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। उदघाटन सत्र का संयोजन डा० दिग्विजय सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री देवनारायण सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया।

संसदीय वाद-विवाद कार्यशाला (11 अगस्त, 2017)

11 अगस्त 2017 को सीयूएसबी के एसएलजी ने संसदीय वाद-विवाद कार्यशाला का आयोजन किया। कायर्शाला के औपचारिक उदघाटन के बाद प्रो० एस.पी. श्रीवास्तव, डीन, एलएनजी, प्रो० पी.के. सिंह, डीन, एसएल तथा प्रो० रेखा अग्रवाल, डीन, एसओई ने व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यशाला में बीए एलएलबी आर्नर्स के प्रथम तथा तृतीय सत्र के विदयार्थियों ने भाग लिया। इनका प्रशिक्षण डा० कुमार गौरव, सहायक प्राध्यापक, सीएनएलयू, पटना तथा उनके सहयोगियों सदस्यों हर्षित आनंद, पीयूष गोयल तथा शिक्षा श्रीवास्तव के माध्यम से किया गया। कार्यशाला में डा० पवन कुमार मिश्रा, सुश्री पुनम कुमारी तथा डा० दिग्विजय सिंह, एसएलजी के संकाय सदस्य उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन डा० प्रदीप कुमार दास,सहायक प्राध्यापक, लॉ के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।,

डेवलपमेंट ऑफ ई-रिर्सोसेस पर कार्यशाला
(8-12 अगस्त, 2017)

8-12 अगस्त, 2017 के दौरान सीयूएसबी के एसओई द्वारा पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत 'डेवलपमेंट ऑफ ई-रिर्सोसेस इन वेरियस स्कूल सब्जेक्टस एट सकेंडरी लेवल' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण के विषय का परिचय डॉ० रविन्द्र कुमार ने दिया। उपस्थित मुख्य अतिथि डा० इन्दु कुमार सेन्ट्रल इन्स्टीच्यूट ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, एनसीईआरटी, नई दिल्ली ने एनसीईआरटी के आईसीटी उपक्रम जैसे की एनआरओईआर ई-बुक्स, ई-कंटेट, ई-पाठशाला, ई-पीजी पाठशाला, आईसीटी पाठयक्रम इत्यादि पर प्रजेण्टेशन दिया। अपने अध्यक्षीय वकतव्य में प्रतिभागियों को प्रेरित किया तथा कहा एक ई-टीचर विदयार्थियों में मूल्यों का आदान-प्रदान नहीं कर सकता ये केवल प्रत्यक्ष शिक्षक ही कर सकता है इसलिए ई-टीचर प्रत्यक्ष शिक्षक का विकल्प नहीं हो सकता। सीएएसई,बड़ोदा के प्रो० आशुतोष विस्वाल ने ' यूज ऑफ मल्टी मीडिया इन एजुकेशन' पर अपने विचार व्यक्त किये। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम सत्र में प्रो० ए.पी. बहेरा, संयुक्त निदेशक, सीआईईटी,एनसीईआरटी,नई दिल्ली ने 'ओपन डिस्कशन फोरम' में सभी प्रतिभागियों से बातचीत की।

एसओई के सभी संकाय सदस्य कार्यक्रम के प्रथम दिन उपस्थित थे । मंच संचालन डा० प्रज्ञा गुप्ता द्वारा किया गया। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न व्याख्यान, प्रैक्टिकल तथा समूह गतिविधियां आयोजित की गई। प्रो० कौशल किशोर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

प्रभावी शिक्षण पर कार्यशाला
(24-26 अगस्त, 2017)

24-26 अगस्त 2017 के दौरान एमएचआरडी के पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन ने 'इंस्ट्रक्शनल ऑबजेक्टिव, क्वेशचनिंग एंड एसेसमेंट' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण-कार्यशाला आयोजित की जिसका उदेश्य था आदेशात्मक लिखित विकल्पों, प्रश्न करने की कुशलता तथा किसी विशेष अध्याय के मूल्यांकन के सही तकनीक का निणर्य लेने में शिक्षकों को कुशल बनाना। कार्यशाला का उदघाटन सीयूएसबी के कुलपति प्रो० एच.सी.एस. राठौर ने मुख्य अतिथि प्रो० अनिता रस्तोगी जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली तथा अन्य गणमान्य अतिथियों के उपस्थिति में किया। प्रो० राठौर ने कहा कि स्कूलों

के पाठयक्रमों में समानता के बावजूद उनके शैक्षिक स्तर में एक विभिन्नता रहती है। ये शिक्षकों तथा उनके शिक्षण के प्रभावों के कारण होता है। कार्यक्रम के कोआर्डिनेटर प्रो० कौशल किशोर ने सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों को स्वागत किया। पहले सत्र में प्रो० रस्तोगी ने संबंधित विषय में लिखित आदेशात्मक विकल्पों के बारे में बताया। कार्यशाला के दौरान अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे जिनके नाम हैं – डा० कौशल शर्मा, सह प्राध्यापक, डा० शकुन्तला मिश्रा, राष्ट्रीय पुर्नवास विश्वविद्यालय, लखनउ, प्रो० नेत्रानंद प्रधान, सेन्टर फॉर एडवांस स्टडीज इन एजुकेशन, एम.एस. यूनिवर्सिटि ऑफ बड़ौदा, गुजरात। समापन समारोह की अध्यक्षता प्रो० पी.के. सिंह, प्रो० इनचार्ज, गया कैम्पस ने की तथा सीयूएसबी कुलसचिव डा० गायत्री विश्वनाथ पाटिल ने अपने वकतव्य में कहा कि शिक्षकों को वर्ग में कुछ नए विचारों के साथ जाना चाहिए। पश्चिमी देशों की तुलना में भारत में स्कूल स्तर पर अभी बहुत सुधार की आवश्यकता है।

इनोवेटिव टीचिंग प्रैक्टिस पर कार्यशाला
(28 अगस्त से 1 सितम्बर 2017)

28 अगस्त से 1 सितंबर, 2017 के दौरान एमएचआरडी योजना के तहत 'पीएमएमएमएनएमटीटी एवार्ड फॉर इनोवेटिव प्रैक्टिस एंड एक्सपेरिमेंट इन टीचिंग' विषय पर सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन ने पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उदेश्य था शिक्षण अध्ययन प्रक्रिया में नये तरीकों तथा प्रयोगों के माध्यम से शिक्षकों द्वारा शिक्षण प्रकिया में नये तरीकों को लागू करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण देना। कार्यशाला का मुख्य उदेश्य कक्षा के वातावरण को विदयार्थियों के अनुकुल बनाने के लिए तथा विदयार्थियों को अध्ययन के लिए सभी सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए नये पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रशिक्षण देना। औपचारिक उदघाटन के बाद प्रो० पी.के. सिंह, डीन अंग्रेजी ने अपने वकतव्य में कहा की पारम्परिक तथा आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के साथ नये विचारों तथा प्रयोगों के साथ ही विदयार्थियों को शिक्षण में लाभ दिया जा सकता है। प्रो० कौशल किशोर ने स्कूल ऑफ एजुकेशन के लिए एमएचआरडी के पीएमएमएमएनएमटीटी का परिचय दिया। कार्यशाला समन्वयक डा० तपन कुमार बसंतिया ने कार्यक्रम के विषय का परिचय दिया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो० बी.पी. भारद्वाज, हेड, टीचर एजुकेशन, डिपार्टमेंट एनसीईआरटी, नई दिल्ली ने नई विचारों के संरचना उससे अपेक्षायें तथा उसके क्षेत्र विस्तार के

बारे में बताया। प्रस्तुतिकर्त्ताओं के नये विचारों तथा प्रयोगों का मूल्यांकन डा० सुनिता सिंह, सह प्राध्यापक,फेकल्टी ऑफ एजुकेशन, बीएचयू, वाराणसी तथा डा० समापिका महापात्रा एवं सुश्री कविता सिंह, सीयूएसबी ने किया। कार्यशाला के सभी सत्रों का परिचय समन्वयक डा० तपन कुमार बसंतिया तथा डा० प्रज्ञा गुप्ता ने दिया।

ट्रेनिंग ऑन पेडागोगिकल टेक्नीक्स फॉर टीचर्स
(4-10 सितंबर, 2017)

वर्तमान वर्षों में एमएचआरडी का मुख्य उदेश्य सभी स्तरों पर शिक्षा का स्तर बढ़ाना तथा विदयार्थियों के परिणामों को बेहतर बनान रहा है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 4-10 सितंबर, 2017 के दौरान सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन ने पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत 'पेडालॉजिकल टेक्नीक्स फॉर टीचर एडुकेटर्स ऑफ बैचलर ऑफ एजुकेशन कॉलेजस', विषय पर सात प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उदघाटन प्रो- प्रकाशचन्द्र अग्रवाल, प्रिंसीपल, रिजनल इस्टटीचयूट ऑफ एजुकेशन (एनसीईआरटी) भुवनेश्वर द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। प्रो० कौशल किशोर ने उपस्थित सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने उदघाटन भाषण में प्रो० अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक का मुख्य उद्देश्य विषय को पढ़ाना नहीं बल्कि किस तरीके से पढ़ाये वो है। वर्तमान में एनसीईआरटी के दृष्टिकोण में भी परिवर्तन आया है और पुस्तकों में विषयों के

प्रस्तुतिकरण में भी देखा जा सकता है। प्रो. ए.डी. तिवारी 'पेडागोजिकल कन्र्सन एंड इश्यू इन मैथ लर्निन' विषय पर वकतव्य प्रस्तुत किये। डा. तपन कुमार बसंतिया ने 'पेडागोजी : ए फ्रेमवर्क' विषय पर वकतव्य प्रस्तुत किया। स्कूल ऑफ एजुकेशन के संकाय सदस्यों डा. रविकांत, डा. मितांजली साहु, डा. रिंकी, डा. प्रज्ञा गुप्ता, डा. रविन्द्र, सुश्री स्वाति गुप्ता, सुश्री कविता, डा. जितेन्द्र, श्री रामअवध ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया। डा. तपन कुमार बसंतिया ने कार्यशाला के विषय का परिचय दिया तथा डा. तरूण कुमार त्यागी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

वन्य जीवन संरक्षण पर अतिथि व्याख्यान
(5 सितंबर, 2017)

सीयूएसब के सेन्टर फॉर मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया (सीएमएस) विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ इनवायरमेंट स्टडीज के सीईएमडीई, श्री फैयाज अहमद खुदसर जो कि एक प्रसिद्ध पर्यावरणविद को अतिथि व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जिन्होंने 'वन्य जीवन संरक्षण में मीडिया का योगदान' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। उन्होंने वर्तमान की सबसे बड़ी समस्या जैसे की जल प्रदुषण पर चर्चा की तथा विदयार्थियों को गंगा नदी को प्रदुषित करने के हानिकारक पहलु के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वो दिन दूर नहीं जब मानव को आक्सीजन मास्क रिर्चाज कराने के लिए रिचार्ज कूपनों पर निर्भर रहना पड़ेगा। डा० खुदसर ने मीडिया के

उन नैतिक मानकों के बारे में बताया जो उन्हें पर्यावरण संबंधी मुद्दों को प्रसारित करते वक्त ध्यान में रखना चाहिए। गहराई के स्तर पर रिपोर्टिंग के लिए पर्यावरण विशेषज्ञों तथा मीडिया व्यसायियों के बीच एक नजदीकी संबंध होना चाहिए। डा० आतीश पराशर, अध्यक्ष, सीएमएस ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

ह्यूमन बिहेवियर पर प्रशिक्षण
(18-24 सितंबर, 2017)

18-24 सितंबर, 2017 के दौरान सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन में पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उदघाटन सीयूएसबी के कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया। अपने उदघाटन वाक्य में कुलपति जी ने मालवीय जी के शब्दों को दोहराया 'शिक्षक मानव स्वभाव के सृजन करता हैं'। मानव स्वभाव की संरचना के साथ वो राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत समृद्ध है इसके बावजूद हम पश्चिमी संस्कृति का अनुसरन करने की कोशिश कर रहे हैं और इसलिए मौलिक संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। इसलिए अब ये दायित्व निभाने का समय आ गया है और राष्ट्र निर्माण के रूप में शिक्षक बेहतर कर सकते हैं। प्रो० एस.के. दुबे, इन्स्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बीएचयू ने 'समय प्रबंधन' विषय पर चर्चा की। अपने वकत्वय में कहा कि समय ही पैसा है और उसका उपयोग सही तरीके से करना है। प्रो. दुबे ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समय की उपयोगिता के बारे में बताया। प्रो. बी.एन. पांडा, रिजनल इंस्टीच्यूट ऑफ एजुकेशन, भुवनश्वर ने स्ट्रेस मैनेजमेंट पर विचार वयक्त किये। उन्होंने वयक्तियों में तनाव के विभिन्न कारणों को बताते हुए तनाव को हटाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने

बताया कि कैसे हम अपने व्यक्तिगत तथा सामाजिक दर्शन के बीच समन्वय स्थापित कर तनाव को कम कर सकते हैं। श्री मुकेश कीर, प्रांत संगठक, बिहार-झारखंड क्षेत्र, राष्ट्रीय स्तर विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी संगठन ने स्वभाव तथा तनाव को कम करने के लिए योग तथा ध्यान संबंधी प्रशिक्षण दिया। उन्होंने तनाव कम करने के लिए ध्यान पर मन कंद्रित करने के लिए कहा। एजुकेशन विभाग के संकाय सदस्यों तथा विदयार्थियों ने सक्रिय रूप से इस साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

न्यू मीडिया विषय पर कार्यशाला
(05 - 12 अक्टूबर, 2017)

सीयूएसबी के सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एंड मीडिया (सीएमएस) ने 'न्यू मीडिया कंटेंट राईटिंग एंड वेबसाइट डिज़ाइनिंग' विषय पर 05-12 अक्टूबर 2017 तक एक साप्ताहिक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऑनलाइन खबरों की समग्र प्रक्रिया संबंधी जानकारी देना था जिसमें कंटेंट जेनरेशन, आइडिया जेनरेशन, न्यूज़ एलर्टस्, आईवीआर और वेबसाइट डिज़ाइनिंग शामिल थे। कार्यशाला के सफल समापन के बाद विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा सहभागिता प्रमाणपत्र भी दिए गए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री विशाल कुमार, मैनेजिंग डायरेक्टर, इरिओज़ इनफोटेक प्राइवेट लिमिटेड ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को वेब डिज़ाइनिंग के बारे में ज्ञान प्राप्त करने को प्रेरित किया जो कि आजकल एक उभरता हुआ कैरियर है।

प्रो. अरुण कुमार सिन्हा, प्रोफेसर-इन-चार्ज, पटना परिसर ने बताया कि ऑनलाइन पत्रकारिता में आगे बढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए कैसे ये न्यू मीडिया कार्यशाला बहुत ही लाभदायक होगी। डॉ. आतिश प्राशर, प्रमुख, सीएमएस ने विद्यार्थियों को ऐसे भव्य आयोजन के लिए बधाई दी तथा भविष्य में उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं। डॉ. सुजीत कुमार ने अतिथियों के समक्ष धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

प्रिंट मीडिया पर कार्यशाला
(12 -16 अक्टूबर, 2017)

सीयूएसबी के सेंटर फॉर मास कम्युनिकेशन एवं मीडिया (सीएमएस) ने 'प्रिंट प्रोडक्शन' विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री बी.आर. चटर्जी (मानव संसाधन, टाइम्स ऑफ इंडिया) द्वारा श्री संजीव कुमार (संपादक, विश्व संवाद केंद्र), प्रो. अरुण कुमार सिन्हा, (प्रोफेसर-इन-चार्ज, सीयूएसबी पटना), मो. मुदस्सीर आलम (पीआरओ, सीयूएसबी) तथा डॉ. आतिश प्राशर (प्रमुख, सीएमएस) की उपस्थिति में किया गया। मुख्य अतिथि श्री बी.आर. चटर्जी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को स्पष्ट करने तथा अपने व्यक्तित्व का समुचित विकास करने जो कि वस्तुत: और वास्तविक दोनों रूप में परिपूर्ण हो, पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा श्री

संजीव कुमार ने विद्यार्थियों के साथ अपने व्यावहारिक अनुभव भी साझा किए तथा प्रिंट प्रोडक्शन में हुए नए परिवर्तनों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।प्रोफेसर अरुण कुमार सिन्हा ने समझाया कि कैसे कई सामाजिक प्रभावों के बावजूद मीडिया अपने पाठकों को सच्चाई चित्रित करने की कोशिश करता है। डॉ. आतिश प्राशर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए उपस्थित अतिथियों को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। कार्यशाला का आयोजन विद्यार्थियों को प्रिंट उत्पादन की समग्र प्रक्रिया जिसमें रिपोर्टिंग, संपादन, प्रिंटिंग और डिजाइनिंग शामिल है,के बारे में समझने के लिए किया गया था। प्रिंटिंग प्रक्रिया को गहराई से समझने के लिए इसमें प्रिंटिंग प्रेस के दौरे को भी शामिल किया गया था। कार्यशाला के अंतिम दिन विशेषज्ञों से प्राप्त ज्ञान के आधार पर विद्यार्थियों ने दीवारों पर पत्र प्रकाशित किए।

डॉ. इरफान द्वारा बायोरेमिडिएशन पर गेस्ट लेक्चर
(30 जनवरी, 2018)

सीयूएसबी के सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज़ (सीबीएस) ने डॉ. इरफान अहमद ग़ाज़ी, हैदराबाद विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के सुप्रसिद्ध प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक द्वारा "पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण के लिए बायोटेक्नोलॉजी आधारित दृष्टिकोण" विषय पर एक वैज्ञानिक वार्ता का आयोजन किया। डॉ. इरफान ने कहा कि पर्यावरण में विभिन्न माध्यम से जैसे कि उद्योग और खाद्य श्रृंखला से पौष्टिक आहार जिनमें पौधे (सब्जियां और फल), मांस, मछली शामिल हैं और इनसे वस्तुत: मनुष्य के शरीर में फैलता है। गंगा नदी के आस पास के क्षेत्र जिसमें पटना सहित बिहार के अन्य जिलाएं भी शामिल हैं, जिनमें मर्करी, लेड, आर्सेनिक इत्यादि जैसे भारी धातुओं का प्रदूषण बहुत ही आम है।

डॉ. इरफान ने बायोरेमिडिएशन के विभिन्न पद्धतियों के बारे में चर्चा की जिनका उपयोग भारत तथा विदेशों में किया जा रहा है और जो विभिन्न प्रकार के प्रदूषकों का सामना करने में सक्षम है। उन्होंने विभिन्न बायोटेक्नोलॉजिक दृष्टिकोण के बारे में बताया जिनका उपयोग पर्यावरण की सफाई के लिए किया जा सकता है और साथ ही विभिन्न पौधों (सूरजमुखी, सरसों इत्यादि) की महत्वपूर्णता के बारे में बताया जो कि वातावरण को कम विषैला बनाने में सहायता करते हैं।

शैक्षणिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम
(29 जनवरी-03 फरवरी 2018)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण अभियान (पीएमएमएमएनएमटीटी) योजना के तहत सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थाओं के शैक्षिक प्रशासकों के लिए छ: दिवसीय एक राष्ट्रीय स्तर का शैक्षणिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम (टाइप- II) का आयोजन किया गया। प्रो. वेद प्रकाश, यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे, उन्होंने ब्रिटिश राज से लेकर आज तक उच्च शिक्षा में होने वाली विकास प्रणाली की व्याख्या की, और देश में उच्च शिक्षा के उचित आरंभ में सन् 1857 में स्थापित कलकत्ता, बंबई और मद्रास विश्वविद्यालयों के योगदान के बारे में भी बताया।सम्मानीय अतिथि प्रो. मरमर मुखोपाध्याय ने मुख्यत: विश्वस्तरीय

विश्वविद्यालयों की ओर सबका ध्यान केंद्रित किया। सीयूएसबी के कुलपति ने अध्यक्ष पद से सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा विश्वविद्यालय के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया जिसमें सीबीसीएस प्रणाली के आधार पर दो दर्जन प्रोग्रामों को आरंभ करना भी शामिल है। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय समेत विभिन्न विश्वविद्यालयों / संस्थानों के कई विद्वानों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। प्रो. एम. एम. सालुंखे जिन्होंने 'चैलेंज़ेज़ एंड ऑपरचुनिटीज़ फॉर डिजिटाइजेशन इन यूनिवर्सिटीज़' तथा 'इन्नोवेशन एंड लीडरशिप इन हायर एजुकेशन' विषयों पर क्रमश: वक्तव्य प्रस्तुत किया और प्रो. कमर अहसान, कुलपति, मगध विश्वविद्यालय, बोधगयाकार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख वक्ता थे।

शैक्षणिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम (टाइप – 1)
(19-22 फरवरी 2018)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण अभियान (पीएमएमएमएनएमटीटी) योजना के तहत सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा चार दिवसीय एक राष्ट्रीय स्तर का शैक्षणिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम (टाइप- I) का आयोजन किया गया। यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश ने अपने उद्घाटन भाषण में सामाजिक-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय शिक्षा प्रणाली के विभिन्न युगों के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने आधुनिक शिक्षा में होने वाले गुणात्मक तथा मात्रात्मक रूप में आए परिवर्तनों पर चर्चा की। उन्होंने आधुनिक शिक्षा में

मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों परिवर्तनों की चर्चा की। प्रो. एच.सी.एस. राठौर, कुलपति सीयुएसबी ने अपने संबोधन में अच्छे नेतृत्व के गुणों को बताया तथा बी.एच.यू. तथा अन्य विश्वविद्यालयोंके कुलपतियों के साथ अपने कार्य अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। प्रो. एम.एम. सालूंखे पूर्व कुलपित केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान ने "चैलेन्जेस एण्ड ऑपरच्यूनिटिज फॅार डिजिटाईजेशन इन युनिवर्सिटिज" तथा "इनोवेशन एण्ड लीडरशिप इन हायर एजुकेशन" विषयों पर क्रमश: अपने विचारों को व्यक्त किया। चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य अतिथि थे, प्रो. कमर एहसान कुलपति, मगध विश्वविद्यालय, प्रो. पी.आर. अग्रवाल, पूर्व कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर प्रो. एम.के. वर्मा, कुलपित छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्नीकल युनिवर्सिटि प्रो. सुषमा यादव, आई.आई.पी.ए. नई दिल्ली, प्रो. जे.बी.जी. तिलक, पूर्व कुलपति, नेशनल युनिवर्सिटि ऑफ एजुकेशनल प्लांनिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन, श्री विनयषील ओबेराय, भा.प्र.से., असम कैडर एवं प्रो. विनिता सहाय, डायरेक्टर, आई.आई.एम. बोधगया।

"टीचिंग थ्रू फाइन आर्टस्" विषय पर कार्यशाला
(22-23 मार्च, 2018)

सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन ने एम. एच. आर. डी. के पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी.टी. योजना के तहत "टीचिंग थ्रू फाइन आर्टस्" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। पहले दिन पहले टायर में 20 भावी शिक्षकों तथा 17 भावी शिक्षक प्रशिक्षकों को 09 समूहों में विषय के अनुसार विभाजित कर आयोजन किया गया। प्रत्येक समूह ने एक अलग विषय पर कार्य किया। जिसके तहत दिये गये संकेतों के आधार पर एक कला के नमूने को तैयार करना था तथा बाद में उसी नमूनें को काव्य, कहानी, नाटक, निबंध इत्यादि के रूप में प्रस्तुत करना था। दुसरे दिन 25 सेकेंडरी स्कूल के छात्रों और तीन सेकेन्ड्री स्कूलों, जिनके नाम हैं मिडिल स्कूल, कलेर, डंकन मिडिल स्कूल तथा ओ.बी.सी. +2 विद्यालय के तीन शिक्षकों और 37 भावी शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षकों ने कार्यशाला में भाग लिया। प्रत्येक भावी शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षक को "टीचिंग थ्रूफाईन आर्टस्" विषय के आधार पर एक छात्र को कार्य सिखाने का दायित्व सौंपा गया। प्रो. आ.पी. राय, प्रति कुलपति सीयूएसबी ने कार्यशाला में समापन संबोधन देते हुए सभी प्रतिभागियों की सराहना की।

31.03.2018 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

अंडर ग्रेजुएट (युजी) पाठ्यक्रम

पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.ए., एलएलबी (ऑनर्स)								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VIII वर्ष 2014	पुरूष	9	7	1	0	0	0	17
	महिला	10	3	0	0	0	0	13
	कुल	19	10	1	0	0	0	30
सेमेस्टर–X वर्ष 2013	पुरूष	11	6	0	0	0	0	17
	महिला	5	1	0	0	0	0	6
	कुल	16	7	0	0	0	0	23
सेमेस्टर–VI वर्ष 2015	पुरूष	22	8	5	1	0	0	36
	महिला	5	3	1	1	0	0	10
	कुल	27	11	6	2	0	0	46
सेमेस्टर–IV वर्ष 2016	पुरूष	17	16	8	0	0	0	41
	महिला	12	6	1	0	0	0	19
	कुल	29	22	9	0	0	0	60
सेमेस्टर–II वर्ष 2017	पुरूष	12	15	4	1	0	0	32
	महिला	5	12	6	0	0	0	23
	कुल	17	27	10	1	0	0	55
कुल योग		108	77	26	3	0	0	214
पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.एस.सी., एलएलबी (ऑनर्स)								
सेमेस्टर–VIII वर्ष 2014	पुरूष	3	2	2	0	1	0	8
	महिला	8	0	0	0	0	0	8
	कुल	11	2	2	0	1	0	16
सेमेस्टर–X वर्ष 2013	पुरूष	4	3	0	1	0	0	8
	महिला	4	1	0	0	0	0	5
	कुल	8	4	0	1	0	0	13
सेमेस्टर–VI वर्ष 2015	पुरूष	9	7	2	0	0	0	18
	महिला	0	1	3	0	0	0	4
	कुल	9	8	5	0	0	0	22
कुल योग		28	14	7	1	1	0	51
चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.ए./बी.एड.								
सेमेस्टर–VIII वर्ष 2014	पुरूष	8	6	2	0	0	0	16
	महिला	7	4	1	1	0	0	13
	कुल	15	10	3	1	0	0	29
सेमेस्टर–VI वर्ष 2015	पुरूष	12	13	5	0	0	0	30
	महिला	10	3	2	0	0	0	15
	कुल	22	16	7	0	0	0	45
सेमेस्टर–IV वर्ष 2016	पुरूष	11	22	5	0	0	0	38
	महिला	9	1	3	0	0	0	13
	कुल	20	23	8	0	0	0	51
सेमेस्टर–II वर्ष 2017	पुरूष	11	10	7	1	0	0	29
	महिला	5	11	1	1	0	0	18
	कुल	16	21	8	2	0	0	47
कुल योग		73	70	26	3	0	0	172

*सामाजिक श्रेणी के साथ पीएच #अन्य, यदि कोई हो (स्पष्ट करें)

चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.एस.सी./बी.एड.								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VIII वर्ष 2014	पुरूष	5	1	1	0	0	0	7
	महिला	7	3	2	0	0	0	12
	कुल	12	4	3	0	0	0	19
सेमेस्टर–VI वर्ष 2015	पुरूष	3	3	2	0	0	0	8
	महिला	6	6	1	0	0	0	13
	कुल	9	9	3	0	0	0	21
सेमेस्टर–IV वर्ष 2016	पुरूष	12	12	5	1	0	0	30
	महिला	5	11	3	0	0	0	19
	कुल	17	23	8	1	0	0	49
सेमेस्टर–II वर्ष 2017	पुरूष	9	20	4	0	0	0	33
	महिला	3	5	3	0	0	0	11
	कुल	12	25	7	0	0	0	44
कुल योग		50	61	21	1	0	0	133
अंडरग्रेजुएट (यूजी) कुल								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VIII वर्ष 2014	पुरूष	25	16	6	0	1	0	48
	महिला	32	10	3	1	0	0	46
	कुल	57	26	9	1	1	0	94
सेमेस्टर–X वर्ष 2013	पुरूष	15	9	0	1	0	0	25
	महिला	9	2	0	0	0	0	11
	कुल	24	11	0	1	0	0	36
सेमेस्टर–VI वर्ष 2015	पुरूष	46	31	14	1	0	0	92
	महिला	21	13	7	1	0	0	42
	कुल	67	44	21	2	0	0	134
सेमेस्टर–IV वर्ष 2016	पुरूष	40	50	18	1	0	0	109
	महिला	26	18	7	0	0	0	51
	कुल	66	68	25	1	0	0	160
सेमेस्टर–II वर्ष 2017	पुरूष	32	45	15	2	0	0	94
	महिला	13	28	10	1	0	0	52
	कुल	45	73	25	3	0	0	146
कुल योग		259	222	80	8	1	0	570

पोस्टग्रेजुएट (पीजी) पाठ्यक्रम

एम.एससी बायोइनफॉरमेटिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	1	1	0	0	0	0	2
	महिला	8	1	1	0	0	0	10
	कुल	9	2	1	0	0	0	12
सेमेस्टर–II	पुरूष	4	4	2	0	0	0	10
	महिला	3	6	0	0	0	0	9
	कुल	7	10	2	0	0	0	19
कुल योग		16	12	3	0	0	0	31

*सामाजिक श्रेणी के साथ पीएच #अन्य, यदि कोई हो (स्पष्ट करें)

एम.एससी. बायोटेकनोलौजी								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	0	0	2	0	0	0	2
	महिला	11	8	2	0	0	0	21
	कुल	11	8	4	0	0	0	23
सेमेस्टर–II	पुरूष	3	3	1	1	0	0	8
	महिला	5	6	1	0	0	0	12
	कुल	8	9	2	1	0	0	20
कुल योग		19	17	6	1	0	0	43
एम.एससी. लाइफ सांइस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	3	3	1	0	0	0	7
	महिला	8	8	0	0	0	0	16
	कुल	11	11	1	0	0	0	23
सेमेस्टर–II	पुरूष	2	3	0	0	0	0	5
	महिला	6	9	0	1	0	0	16
	कुल	8	12	0	1	0	0	21
कुल योग		19	23	1	1	0	0	44
एम.एससी. कम्प्यूटर साइंस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	2	9	0	0	0	0	11
	महिला	3	7	1	0	0	0	11
	कुल	5	16	1	0	0	0	22
सेमेस्टर–II	पुरूष	6	5	1	0	0	0	12
	महिला	3	3	0	0	0	0	6
	कुल	9	8	1	0	0	0	18
कुल योग		14	24	2	0	0	0	40
एम.टेक. कम्प्यूटर साइंस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	1	2	3	0	0	0	6
	महिला	0	2	0	0	0	0	2
	कुल	1	4	3	0	0	0	8
सेमेस्टर–II	पुरूष	1	2	0	0	0	0	3
	महिला	2	1	1	0	0	0	4
	कुल	3	3	1	0	0	0	7
कुल योग		4	7	4	0	0	0	15
एम.एससी. इनवायरमेन्टल सांइस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	4	6	0	0	0	0	10
	महिला	5	7	0	0	0	0	12
	कुल	9	13	0	0	0	0	22
सेमेस्टर–II	पुरूष	6	5	1	1	0	0	13
	महिला	0	6	1	0	0	0	7
	कुल	6	11	2	1	0	0	20
कुल योग		15	24	2	1	0	0	42

*सामाजिक श्रेणी के साथ पीएच #अन्य, यदि कोई हो (स्पष्ट करें)

एम.एससी. मेथेमेटिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	7	7	0	0	0	0	14
	महिला	2	5	1	0	0	0	8
	कुल	9	12	1	0	0	0	22
सेमेस्टर–II	पुरूष	3	9	1	0	0	0	13
	महिला	3	4	2	0	0	0	9
	कुल	6	13	3	0	0	0	22
कुल योग		15	25	4	0	0	0	44
एम.एससी. स्टैटिस्टिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	10	2	2	0	0	0	14
	महिला	1	2	0	0	0	0	3
	कुल	11	4	2	0	0	0	17
सेमेस्टर–II	पुरूष	0	1	0	0	0	0	1
	महिला	6	3	0	0	0	0	9
	कुल	6	4	0	0	0	0	10
कुल योग		17	8	2	0	0	0	27
एम.ए. कम्युनिकेशन एण्ड मीडिया स्टडीज								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	9	8	1	0	0	0	18
	महिला	4	1	0	0	0	0	5
	कुल	13	9	1	0	0	0	23
सेमेस्टर–II	पुरूष	7	2	0	0	0	0	9
	महिला	3	2	0	0	0	0	5
	कुल	10	4	0	0	0	0	14
कुल योग		23	13	1	0	0	0	37
एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	1	6	0	0	0	0	7
	महिला	4	1	1	0	0	0	6
	कुल	5	7	1	0	0	0	13
सेमेस्टर–II	पुरूष	3	4	0	0	0	0	7
	महिला	1	1	0	0	0	0	2
	कुल	4	5	0	0	0	0	9
कुल योग		9	12	1	0	0	0	22
एम.ए. साइकोलॉजी								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	2	1	0	0	0	0	3
	महिला	4	6	0	0	0	0	10
	कुल	6	7	0	0	0	0	13
सेमेस्टर–II	पुरूष	1	2	0	0	0	0	3
	महिला	4	2	0		0	0	6
	कुल	5	4	0	0	0	0	9
कुल योग		11	11	0	0	0	0	22

*सामाजिक श्रेणी के साथ पीएच #अन्य, यदि कोई हो (स्पष्ट करें)

एम.ए. इकोनॉमिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	9	7	0	0	0	0	16
	महिला	5	0	0	0	0	0	5
	कुल	14	7	0	0	0	0	21
सेमेस्टर–II	पुरूष	0	4	0	0	0	0	4
	महिला	2	1	0	0	0	0	3
	कुल	2	5	0	0	0	0	7
कुल योग		16	12	0	0	0	0	28
एम.ए. पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	4	3	0	0	0	0	7
	महिला	0	2	0	0	0	0	2
	कुल	4	5	0	0	0	0	9
सेमेस्टर–II	पुरूष	4	4	1	0	0	0	9
	महिला	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	6	4	1	0	0	0	11
कुल योग		10	9	1	0	0	0	20
एम.ए. सोशियोलॉजी								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	2	0	0	0	0	0	2
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	2	1	0	0	0	0	3
सेमेस्टर–II	पुरूष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	0	0	0	0	0	1
कुल योग		3	1	0	0	0	0	4
एम.ए. इंग्लिश								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	2	4	1	0	0	0	7
	महिला	9	4	1	0	0	0	14
	कुल	11	8	2	0	0	0	21
सेमेस्टर–II	पुरूष	4	0	0	1	0	0	5
	महिला	7	3	0	1	0	0	11
	कुल	11	3	0	2	0	0	16
कुल योग		22	11	2	2	0	0	37
एम.ए. हिन्दी								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	2	0	0	0	0	0	2
	महिला	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	4	0	0	0	0	0	4
सेमेस्टर–II	पुरूष	0	1	0	0	0	0	1
	महिला	2	2	0	1	0	0	5
	कुल	2	3	0	1	0	0	6
कुल योग		6	3	0	1	0	0	10

*सामाजिक श्रेणी के साथ पीएच #अन्य, यदि कोई हो (स्पष्ट करें)

एल.एल.एम.								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–II	पुरूष	6	7	2	0	0	0	15
	महिला	1	1	1	0	0	0	3
	कुल	7	8	3	0	0	0	18
कुल योग		7	8	3	0	0	0	18
एम. एड.								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–II	पुरूष	6	17	3	0	0	0	26
	महिला	8	6	0	0	0	0	14
	कुल	14	23	3	0	0	0	40
कुल योग		14	23	3	0	0	0	40
पोस्टग्रेजुएट (पी.जी.) कुल एम.टेक. सहित								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–IV	पुरूष	59	59	10	0	0	0	128
	महिला	66	55	7	0	0	0	128
	कुल	125	114	17	0	0	0	256
सेमेस्टर–II	पुरूष	57	73	12	3	0	0	145
	महिला	58	56	6	3	0	0	123
	कुल	115	129	18	6	0	0	268
कुल योग		240	243	35	6	0	0	524

इंटीग्रेटेड एम.फिल - पीएच.डी पाठ्यक्रम

इंटीग्रेटेड एम.फिल – पी.एच.डी. बायोटेक्नोलॉजी								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VIII	पुरूष	1	1	1	0	0	0	3
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	1	1	0	0	0	4
सेमेस्टर–V	पुरूष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	0	1	0	0	0	0	1
कुल योग		2	2	1	0	0	0	5
इंटीग्रेटेड एम.फिल – पी.एच.डी. लाइफ सांइस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–V	पुरूष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	0	0	0	0	0	1
कुल योग		1	0	0	0	0	0	1
इंटीग्रेटेड एम.फिल – पी.एच.डी. बायोइनफॉरमेटिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–V	पुरूष	0	0	2	0	0	0	2
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	2	0	0	0	2
कुल योग		0	0	2	0	0	0	2

*सामाजिक श्रेणी के साथ पीएच #अन्य, यदि कोई हो (स्पष्ट करें)

इंटीग्रेटेड एम.फिल–पीएच.डी. एनवायरनमेंटल सांइस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VIII	पुरूष	0	2	1	0	0	0	3
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	2	1	0	0	0	3
सेमेस्टर–V	पुरूष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	0	0	0	0	0	1
कुल योग		1	2	1	0	0	0	4
इंटीग्रेटेड एम.फिल–पीएच.डी. मेथेमेटिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VII	पुरूष	1	1	0	0	0	0	2
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	1	0	0	0	0	2
कुल योग		1	1	0	0	0	0	2
इंटीग्रेटेड एम.फिल–पीएच.डी. स्टैटिस्टिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VII	पुरूष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	0	0	0	0	0	1
सेमेस्टर–V	पुरूष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	0	1	0	0	0	0	1
कुल योग		1	1	0	0	0	0	2
इंटीग्रेटेड एम.फिल–पीएच.डी. कम्प्यूटर साइंस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VIII	पुरूष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	0	0	0	0	0	2
कुल योग		2	0	0	0	0	0	2
इंटीग्रेटेड एम.फिल–पीएच.डी. डेवलपमेंट स्टडीज								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VIII	पुरूष	1	0	1	0	0	0	2
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	0	1	0	0	0	2
कुल योग		1	0	1	0	0	0	2
इंटीग्रेटेड एम.फिल–पीएच.डी. इकोनॉमिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VI	पुरूष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	0	0	0	0	0	1
कुल योग		1	0	0	0	0	0	1

*सामाजिक श्रेणी के साथ पीएच #अन्य, यदि कोई हो (स्पष्ट करें)

इंटीग्रेटेड एम.फिल–पी.एच.डी. पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–V	पुरूष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	0	0	0	0	0	1
कुल योग		1	0	0	0	0	0	1
इंटीग्रेटेड एम.फिल–पी.एच.डी. हिन्दी								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VIII	पुरूष	0	1	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	1	0	0	0	0	2
कुल योग		1	1	0	0	0	0	2
इंटीग्रेटेड एम.फिल–पी.एच.डी. कुल								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–VIII	पुरूष	3	4	3	0	0	0	10
	महिला	4	0	0	0	0	0	4
	कुल	7	4	3	0	0	0	14
सेमेस्टर–VII	पुरूष	1	1	0	0	0	0	2
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	1	2	0	0	0	0	3
सेमेस्टर–V	पुरूष	2	0	2	0	0	0	4
	महिला	2	1	0	0	0	0	3
	कुल	4	1	2	0	0	0	7
कुल योग		12	7	5	0	0	0	24

पीएच.डी पाठ्यक्रम

पी.एच.डी. एजुकेशन								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	1	1	0	0	0	0	2
	कुल	1	1	0	0	0	0	2
कुल योग		1	1	0	0	0	0	2
पी.एच.डी. लॉ								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	3	1	2	0	0	0	6
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	3	1	2	0	0	0	6
कुल योग		3	1	2	0	0	0	6
पी.एच.डी. इंग्लिश								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	0	0	0	0	0	1
कुल योग		1	0	0	0	0	0	1

*सामाजिक श्रेणी के साथ पीएच #अन्य, यदि कोई हो (स्पष्ट करें)

पी.एच.डी. हिन्दी								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	0	0	0	0	0	2
कुल योग		2	0	0	0	0	0	2
पी.एच.डी. पॉलिटिकल सांइस एंड आईआर								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	4	2	0	0	0	0	6
	महिला	2	1	0	0	0	0	3
	कुल	6	3	0	0	0	0	9
कुल योग		6	3	0	0	0	0	9
पी.एच.डी. डेवलपमेंट स्टडीज								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	0	0	0	0	0	2
कुल योग		2	0	0	0	0	0	2
पी.एच.डी. इकोनॉमिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	1	0	0	0	0	0	1
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	0	0	0	0	0	2
कुल योग		2	0	0	0	0	0	2
पी.एच.डी. सोशियोलॉजी								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	3	0	0	0	0	0	3
	महिला	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	5	0	0	0	0	0	5
कुल योग		5	0	0	0	0	0	5
पी.एच.डी. बायोटेक्नोलॉजी								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	2	0	1	0	0	0	3
	महिला	3	1	0	0	0	0	4
	कुल	5	1	0	0	0	0	6
कुल योग		5	1	1	0	0	0	7
पी.एच.डी. लाइफ सांइस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	2	0	0	0	0	0	2
	महिला	2	1	0	0	0	0	3
	कुल	4	1	0	0	0	0	5
कुल योग		4	1	0	0	0	0	5

*सामाजिक श्रेणी के साथ पीएच #अन्य, यदि कोई हो (स्पष्ट करें)

पी.एच.डी. एनवायरनमेंटल सांइस								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	1	4	1	0	0	0	6
	महिला	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	3	4	0	0	0	0	7
कुल योग		3	4	1	0	0	0	8
पी.एच.डी. मेथेमेटिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	2	2	0	0	0	0	4
	महिला	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	3	2	0	0	0	0	5
कुल योग		3	2	0	0	0	0	5
पी.एच.डी. स्टैटिस्टिक्स								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	0	0	0	0	0	0	0
	महिला	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0
कुल योग		0	0	0	0	0	0	0
पी.एच.डी. साइकोलॉजी								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	2	0	0	0	0	0	2
	महिला	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	2	1	0	0	0	0	3
कुल योग		2	1	0	0	0	0	3
पी.एच.डी. कम्यूनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	2	1	1	0	0	0	4
	महिला	2	1	0	0	0	0	3
	कुल	4	2	0	0	0	0	6
कुल योग		4	2	1	0	0	0	7
पी.एच.डी. कुल								
सेमेस्टर	लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
सेमेस्टर–III फरवरी 2017	पुरूष	25	12	5	0	0	0	42
	महिला	16	6	0	0	0	0	22
	कुल	41	18	5	0	0	0	64

यू.जी., पी.जी. इंटीग्रेटेड एम.फिल – पी.एच.डी. और पी.एच.डी. कार्यक्रमों का कुल							
लिंग	सामान्य	ओबीसी	एस.सी.	एस.टी.	पीएच*	अन्य#	कुल
पुरूष	305	300	85	8	1	0	699
महिला	247	190	40	6	0	0	483
कुल	552	490	125	14	1	0	1182

*सामाजिक श्रेणी के साथ पीएच #अन्य, यदि कोई हो (स्पष्ट करें)

सीयूएसबी से विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां

विभिन्न श्रेणियों के मेधावी तथा आर्थिक रूप से असमर्थ विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय विभिन्न छात्रवृत्तियां प्रदान करती है। विभन्न पहलुओं को ध्यान से देखने के बाद तथा उनकी आर्थिक परिस्थितियों का निरीक्षण करने के बाद विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

सेमेस्टर / सीयूएसबीईटी टॉपरों को मेधा छात्रवृत्ति

सेमेस्टर टॉपर स्कॉलरशीप – द्वितीय सेमेस्टर			
क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	प्रोग्राम
1	रश्मी प्रसाद	CUSB1502112019	एम.एस.सी. मैथमैटिक्स
2	प्रेमलता कुमारी	CUSB1503112012	एम.एस.सी. बायोटेक्नोलॉजी
3	रश्मी रंजन	CUSB1503212015	एम.एस.सी. इनवायरनमेंटल सांइस
4	जया शुक्ला	CUSB1507112002	एम.ए. साइकोलॉजी
5	प्रीती दुबे	CUSB1511114013	बी.एस.सी., बी.एड.
6	रॉबिन विन्सेंट	CUSB1513125037	बी.ए. एल.एल.बी.
7	सौरभ प्रियदर्शी	CUSB143115018	बी.एस.सी., एल.एल.बी.
8	सदिया अफजल	CUSB1501212006	एम.ए. इकोनॉमिक्स
9	अंजू कुमारी	CUSB1501412001	एम.ए. पॉलिटीकल साईस एवं आई.आर.
10	अदिति प्रिया	CUSB1508112001	एम.ए. इंग्लिश
11	प्रियंका कुमारी	CUSB1508212002	एम.ए. हिन्दी
12	प्रियंका कुमारी	CUSB1501112003	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज
सेमेस्टर टॉपर स्कॉलरशीप – तृतीय सेमेस्टर			
क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	प्रोग्राम
1	कुमारी मोनिका	CUSB1513115024	बी.एस.सी., एल.एल.बी.
2	गौरव कुमार	CUSB1508212004	एम.ए. हिन्दी
3	प्रियंका कुमारी	CUSB1501112003	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज
सेमेस्टर टॉपर स्कॉलरशीप – चतुर्थ सेमेस्टर			
क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	प्रोग्राम
1	रॉबिन विन्सेंट	CUSB1513125037	बी.ए. एल.एल.बी.
2	कुमारी मोनिका	CUSB1513115024	बी.एस.सी., एल.एल.बी.
3	रोमा कुमारी	CUSB1511114018	बी.एस.सी., बी.एड.
4	सुष्मिता मिश्रा	CUSB1511124044	बी.ए., बी.एड.
सेमेस्टर टॉपर स्कॉलरशीप – पंचम सेमेस्टर			
क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	प्रोग्राम
1	रॉबिन विन्सेंट	CUSB1513125037	बी.ए. एल.एल.बी.
2	कुमारी मोनिका	CUSB1513115024	बी.एस.सी., एल.एल.बी.
3	रोमा कुमारी	CUSB1511114018	बी.एस.सी., बी.एड.
4	शुभम कुमार मिश्रा	CUSB1511124041	बी.ए., बी.एड.

नॉन-नेट फ़ेलोशिप इंटीग्रेटेड ऍम.फिल - पी.एच.डी. स्कॉलर

क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	प्रोग्राम
1	निशा कुमारी	CUSB1703275006	**एनवायरनमेंटल सांइस**
2	कुमार रंजन	CUSB1703275005	**एनवायरनमेंटल सांइस**
3	प्रतिका सिंह	CUSB1703175012	**लाइफ सांइस**
4	बिनिता कुमारी सिन्हा	CUSB1703175011	**लाइफ सांइस**
5	अंकित श्रीवास्तव	CUSB1703175010	**लाइफ सांइस**

क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	प्रोग्राम
6	प्रियारागीनी	CUSB1703175006	बायोटेक्नोलॉजी
7	शिखा रानी	CUSB1703175007	बायोटेक्नोलॉजी
8	मो० जीशान अली	CUSB1703175004	बायोटेक्नोलॉजी
9	अर्चना	CUSB1703175002	बायोटेक्नोलॉजी
10	सिद्धार्थ कुमार	CUSB1703175008	बायोटेक्नोलॉजी
11	अनुश्री	CUSB1703175001	बायोटेक्नोलॉजी
12	अभिनव कुमार	CUSB1708127001	इंग्लिश
13	रतनेश कुमार यादव	CUSB1701475004	पॉलिटिकल स्टडीज
14	अखिलेश कुमार सिंह	CUSB1701475001	पॉलिटिकल स्टडीज
15	कुंदन कुमार	CUSB1701475004	पॉलिटिकल स्टडीज
16	निरज कुमार	CUSB1701475005	पॉलिटिकल स्टडीज
17	राजीव चटर्जी	CUSB1701475006	पॉलिटिकल स्टडीज
18	शैली	CUSB1701475008	पॉलिटिकल स्टडीज
19	वंदना मिश्रा	CUSB1701475009	पॉलिटिकल स्टडीज
20	श्रीलेखा मिश्रा	CUSB1701275001	इकोनॉमिक्स
21	स्वास्तिका सत्यम	CUSB1701275002	इकोनॉमिक्स
22	आशुतोष कुमार सिन्हा	CUSB1703275003	एनवायरनमेंटल सांइस
23	आलोक कुमार	CUSB1703175009	लाइफ साइंस
24	अमृता सिंह	CUSB1711174001	एडुकेशन
25	स्मृति कुमारी	CUSB1707175003	साइकोलॉजी
26	पियुष कुमार सिंह	CUSB1701375003	सोशियोलॉजी
27	राजेश चंद्र	CUSB1701375004	सोशियोलॉजी
28	शाम्भवी	CUSB1709175005	मिडीया स्टडीज
29	प्रगति पल्लवी	CUSB1709175011	मिडीया स्टडीज
30	राखी गौरवम	CUSB1709175003	मिडीया स्टडीज
31	प्रवीण चंद्र राय	CUSB1709175002	मिडीया स्टडीज
32	उत्सव कृष्ण मुरारी	CUSB1709175007	मिडीया स्टडीज
33	स्नेहाशिष वर्धन	CUSB1709175006	मिडीया स्टडीज
34	संदीप कुमार	CUSB1709175004	मिडीया स्टडीज
35	शिशुकेश कुमार	CUSB1707175002	साइकोलॉजी
36	एडरीजा	CUSB1701175001	डेवलपमेंट स्टडीज
37	पंकज शर्मा	CUSB1701175002	डेवलपमेंट स्टडीज
38	रवि कुमार	CUSB1702175004	मेथेमेटिक्स
39	अंकित राज	CUSB1702175001	मेथेमेटिक्स
40	सुप्रिया रानी	CUSB1702175005	मेथेमेटिक्स
41	आयुष उदीप	CUSB1702175002	मेथेमेटिक्स
42	रमीजुर रहमान	CUSB1713175005	लॉ
43	अविनाश कुमार	CUSB1713175002	लॉ
44	समीर कुमार द्विवेदी	CUSB1713175007	लॉ
45	बद्री शंकर दास	CUSB1701475002	पॉलिटिकल स्टडीज
46	खुशबू कुमारी	CUSB1701475003	पॉलिटिकल स्टडीज
47	गौतम कुमार	CUSB1713175003	लॉ
48	नीरज कुमार राय	CUSB1703175005	बायोटेक्नोलॉजी
49	रोहित रंजन	CUSB1707175001	साइकोलॉजी
50	कुमार शशी	CUSB1713175004	लॉ
51	फैज अहमद सिद्दीकी	CUSB1703275004	एनवायरनमेंटल सांइस

विश्वविद्यालय के सांविधिक प्राधिकार

विश्वविद्यालय कोर्ट के सदस्य

क्रमांक	सदस्य का नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय
2	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं सदस्य सचिव

विश्वविद्यालय कोर्ट के अन्य सदस्यों के नाम शिघ्र ही अधिसूचित किए जाएँगे।

कार्यकारी परिषद के सदस्यगण

क्रमांक	सदस्य का नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन सभापति
2	श्री केवल कुमार शर्मा	सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, एम.एस.आर.डी., भारत सरकार
3	श्री आर.के. महाजन	प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना
4	प्रो. सी.पी.एस. चौहान	पूर्व डीन, फेकेल्टी ऑफ एजुकेशन, एएमयू, अलीगढ़
5	प्रो. ओम प्रकाश राय	प्रति कुलपति, सीयूएसबी
6	डॉ. लल्लन सिंह	सेवानिवृत प्रो., भूगोल विभाग, मगध विश्वविद्यालय, गया
7	डॉ. मुरारी शरण मांगलिक	प्रमुख, संस्कृत विभाग, बी.एन. कॉलेज, पटना
8	प्रो. (डॉ.) ज्योति शेखर	डीन, फेकल्टी ऑफ कॉमर्स, पटना विश्वविद्यालय, पटना
9	डॉ. राजीव रंजन	इतिहास विभाग, कॉलेज ऑफ कार्मस, पटना
10	प्रो. रेखा अग्रवाल	डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
11	प्रो. श्यामानन्द सिंह	डीन, स्कूल ऑफ सोशल साईंस एंड पॉलिसी, सीयूएसबी
12	प्रो. कौशल किशोर	अध्यक्ष, सेन्टर ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
13	डॉ. प्रधान पार्थ सारथी	सह प्राध्यापक, सेन्टर ऑफ ई.वी.एस., सीयूएसबी
14	डॉ. विवेक कुमार जैन	सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग, सीयूएसबी
15	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	कुलसचिव, सीयूएसबी और पदेन सचिव

शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण

क्रमांक	सदस्य का नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन सभापति
2	प्रो. ओम प्रकाश राय	प्रति कुलपति, सीयूएसबी
3	प्रो. जय प्रकाश शर्मा	पूर्व डीन, फेकेल्टी ऑफ कार्मस एंड बिजनेस, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय
4	प्रो. आनंद कुमार श्रीवास्तव	डिपार्टमेन्ट ऑफ फार्मेसी, आई.आई.टी. बीएचयू, वाराणसी
5	प्रो. श्याम बिहारी द्विवेदी	डिपार्टमेन्ट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, आई.आई.टी. बीएचयू, वाराणसी
6	प्रो. बलराज मित्तल	अध्यक्ष, डिपार्टमेन्ट ऑफ हयूमैन जेनेटिक्स, संजय गांधी पी.जी.आई.एम.एस., रायबरेली रोड, लखनऊ
7	प्रो. लाल बहादुर	डिपार्टमेन्ट ऑफ केमिस्ट्री, फेकल्टी ऑफ साईंस, बीएचयू, वाराणसी
8	प्रो. एस. के. सिंह	अध्यक्ष एवं डीन, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बीएचयू, वाराणसी
9	प्रो. रेखा अग्रवाल	डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
10	प्रो. श्यामानन्द सिंह	डीन, स्कूल ऑफ सोशल साईंस एंड पॉलिसी, सीयूएसबी

क्रमांक	सदस्य का नाम	पदनाम
11	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव	डीन स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी
12	प्रो. रविन्द्रनाथ सिंह राठौर	डीन, स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड ईवीएस, सीयूएसबी
13	प्रो. अरूण कुमार सिन्हा	प्रभारी डीन, स्कूल ऑफ मैथेमैटिक्स, स्टैटिस्क एंड सीएस, सीयूएसबी
14	प्रो. तेज बहादुर सिंह	प्रभारी डीन, स्कूल ऑफ हयूमैन साईंस, सीयूएसबी
15	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	प्रभारी डीन, स्कूल ऑफ लैंगवेज एंड लिटरेचर, सीयूएसबी
16	प्रो. एस. के. भौमिक	अध्यक्ष, सेन्टर फॉर इकोनोमिक्स स्टडीज एंड पॉलिसी, सीयूएसबी
17	डॉ. सनत कुमार शर्मा	अध्यक्ष, सेन्टर फॉर सोशियोलॉजीकल स्टडीज, सीयूएसबी
18	डॉ. समापिका महोपात्रा	अध्यक्ष, सेन्टर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, सीयूएसबी
19	डॉ अतीश पराशर	अध्यक्ष, सेन्टर फॉर मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया, सीयूएसबी
20	डॉ. राम कुमार	अध्यक्ष, सेन्टर फॉर इनवायरमेंटल साईंस, सीयूएसबी
21	डॉ. हरे कृष्ण निगम	अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ मैथेमैटिक्स, सीयूएसबी
22	डॉ प्रधान पार्थ सारथी	सह प्राध्यापक, सेन्टर फॉर इनवायरमेंटल साईंस, सीयूएसबी
23	डॉ. आलोक कुमार गुप्ता	सह प्राध्यापक, सेन्टर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, सीयूएसबी
24	प्रो. कौशल किशोर	प्राध्यापक, सेन्टर फॉर एजुकेशन, सीयूएसबी
25	डॉ. पवन कुमार मिश्रा	सहायक प्राध्यापक, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी
26	श्रीमती स्मिता रॉय	सहायक प्राध्यापक, डिपार्टमेन्ट ऑफ कम्प्यूटर साईंस, सीयूएसबी
27	डॉ. कृष्ण प्रकाश	सहायक प्राध्यापक, सेन्टर फॉर बायोलॉजिकल साईंस, सीयूएसबी
28	डॉ. किंशुक पाठक	सहायक प्राध्यापक, सेन्टर फॉर मॉस कम्यूनिकेशन एंड मीडिया, सीयूएसबी
29	डॉ. दास अम्बिका भारती	सहायक प्राध्यापक, सेन्टर फॉर सायकोलॉजिकल साईंस सीयूएसबी
30	डीन ऑफ स्टूडेंट वेलफेयर	पूर्व नामांकित डॉ. सनत कुमार शर्मा
31	प्रोक्टर	पूर्व नामांकित प्रो. कौशल किशोर
32	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

वित्तीय समिति के सदस्यगण

क्रमांक	सदस्य का नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन सभापति
2	प्रो. ओम प्रकाश राय	प्रति कुलपति, सीयूएसबी
3	श्री आर. डी. सहाय	पूर्व संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
4	श्री आर. के. वर्मा	आई.ए. एंड ए.एस., वित्त पदाधिकारी, जेएनयू, नई दिल्ली
5	प्रो. सी.पी.एस. चौहान	पूर्व डीन, फेकल्टी ऑफ एजुकेशन, एएमयू, अलीगढ़
6	संयुक्त सचिव (सी.यू.एंड एल.)	मानव संसाधन विकास मंत्रालय या इस मंत्रालय के प्रशासनिक व्यूरों के कोई नामांकित व्यक्ति जो कि उपसचिव के पद से नीचे न हो
7	संयुक्त सचिव एंड एफ.ए.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय या इस मंत्रालय के वित्त व्यूरों के कोई नामांकित व्यक्ति जो कि उपसचिव के पद से नीचे न हो
8	संयुक्त सचिव (सी.यू.)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामांकित यूजीसी या कोई अन्य संयुक्त सचिव अधिकारी
9	श्री गिरीश रंजन	वित्त अधिकारी, सीयूएसबी एंड पदेन सचिव

भवन निर्माण समिति के सदस्यगण

क्रमांक	सदस्य का नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन सभापति
2	प्रो. ओम प्रकाश राय	प्रति कुलपति, सीयूएसबी
3	प्रो. पी.के.एस. दीक्षित	डिपार्टमेन्ट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, आई.आई.टी, बीएचयू, वाराणसी, यूपी
4	श्री फणि भूषण सिंह	मुख्य अभियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, (ईजेड–II), पटना
5	श्री उज्जवल कुमार	सुपरिटेंडिंग इंजीनियर इलेक्ट्रीकल, सीपीडब्लूडी, पटना
6	श्री किशोरी प्रसाद	सेवानिवृत अभियतां, सीपीडब्लूडी, पटना
7	श्री राजीव कुमार गुप्ता	सुपरिटेंडिंग इंजीनियर सिविल, सीपीडब्लूडी, पटना
8	श्री टी.वी. प्रभाकरण	पूर्व मुख्य वास्तुकार एवं निदेशक, इंन्फरास्ट्रक्चर, चेन्नई
9	श्री हिमांशु नन्दी	वास्तुकार/विशेषज्ञ लैडस्केपिंग ऑर्किटेकर, सीपीडब्लूडी, पटना
10	प्रो. फुलेना रजक	वास्तुकला विभाग, एन.आई.टी., पटना
11	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव	डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गर्वनेंस, सीयूएसबी
12	श्री गिरीश रंजन	वित्त अधिकारी, सीयूएसबी
13	इंजी. राजीव कुमार उपाध्याय	कार्यपालक अभियंता, सीयूएसबी
14	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

योजना एवं विकास बोर्ड के सदस्य

क्रमांक	सदस्य का नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन सभापति
2	प्रो. ओम प्रकाश राय	प्रति कुलपति, सीयूएसबी
3	प्रो. पंजाब सिंह	मुख्य सलाहकार, कृषि एवं ग्रामीण विकास उननति फाउंडेशन वाराणसी, यूपी
4	प्रो. सी.पी.एस. चौहान	पूर्व डीन, फेकेल्टी ऑफ एजुकेशन, एएमयू, अलीगढ़
5	प्रो. एस.पी. सिंह	विभागीय प्रमुख, डिपार्टमेन्ट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आई.आई.टी., बी. एच.यू., यूपी
6	प्रो. पी.के.एस. दीक्षित	डिपार्टमेन्ट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, आई.आई.टी., बी.एच.यू., यूपी
7	प्रो. रेखा अग्रवाल	डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
8	प्रो. श्यामानन्द सिंह	डीन, स्कूल ऑफ सोशल साईंस एंड पॉलिसी, सीयूएसबी
9	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव	डीन, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी
10	प्रो. रविन्द्रनाथ सिंह राठौर	डीन, स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड इनवायरमेंटल साईंस, सीयूएसबी
11	प्रो. अरूण कुमार सिन्हा	प्रभारी डीन, स्कूल ऑफ मैथेमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कम्प्यूटर साईंस, सीयूएसबी
12	प्रो. तेज बहादुर सिंह	प्रभारी डीन, स्कूल ऑफ हयूमैन साईं, सीयूएसबी
13	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	प्रभारी डीन, ऑफ लैंग्वेज एंड लिटरेचर, सीयूएसबी
14	श्री गिरीश रंजन	वित्त अधिकारी, सीयूएसबी
15	इंजी. राजीव कुमार उपाध्याय	कार्यपालक अभियंता, सीयूएसबी

अप्रैल 2017 – मार्च 2018 के दौरान सांविधिक प्राधिकारों की बैठकें

कार्यकारी परिषद की बैठक

क्र. सं.	बैठक की तिथि	बैठक संख्या	स्थल
1	30.06.2017	30 वीं	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पटना
2	11.10.2017	31 वीं	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पटना
3	27.11.2017	32 वीं	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पंचानपुर, गया
4	19.01.2018	33 वीं	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पंचानपुर, गया
5	10.02.2018	34 वीं	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पटना
6	26.03.2018	35 वीं	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पटना

शैक्षणिक परिषद् की बैठक

क्र. सं.	बैठक की तिथि	बैठक संख्या	स्थल
1	14.03.2018	16 वीं	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष,पंचानपुर,गया

वित्त समिति की बैठक

क्र. सं.	बैठक की तिथि	बैठक संख्या	स्थल
1	28.06.2017	21 वीं	एआईयू गेस्ट हाउस, नई दिल्ली
2	13.11.2017	22 वीं	एआईयू गेस्ट हाउस, नई दिल्ली
3	09.02.2018	23 वीं	एआईयू गेस्ट हाउस, नई दिल्ली

भवन निर्माण समिति की बैठक

क्र. सं.	बैठक की तिथि	बैठक संख्या	स्थल
1	10.10.2017	तिसरी	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पंचानपुर, गया
2	05.12.2017	चौथी	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पटना

योजना एवं विकास बोर्ड की बैठक

क्र. सं.	बैठक की तिथि	बैठक संख्या	स्थल
1	10.10.2017	पहली	सीयूएसबी, सम्मेलन कक्ष, पंचानपुर, गया

नियुक्तियां / भर्तीयां

(ए) संकाय सदस्यों की नियुक्तयां

क्रमांक	नाम	पदनाम	सेन्टर/ विभाग	नियुक्ति तिथि
1	प्रो. शंकर कुमार भौमिक	प्रोफेसर	इकोनोमिक्स	10.08.2017
2	डॉ० पुनीत मिश्रा	सहायक प्रोफेसर (यूजीसी – एफ.आर.पी.)	भौतिकी	05.12.2017

(बी) गैर–शिक्षण कर्मचारीयों की नियुक्तियां

क्रमांक	कर्मचारी/पदाधिकारी का नाम	पदनाम	नियुक्ति तिथि
1	श्रीमती रश्मि त्रिपाठी	परीक्षा नियंत्रक	25.01.2018
2	डॉ० प्रमोद कुमार सिंह	पुस्तकालय अध्यक्ष	01.02.2018
3	डॉ० पंकज माथुर	उपपुस्तकालय अध्यक्ष	05.02.2018
4	डॉ० निहारिका सिन्हा	चिकित्सा पदाधिकारी	29.08.2017
5	डॉ० विवेक नारायण	चिकित्सा पदाधिकारी	10.07.2017
6	श्री क्षितिज सिंह	इन्फॉरमेशन साइंटिस्ट	12.07.2017
7	श्री छोटेलाल साह	व्यक्तिक सहायक	05.06.2017
8	श्री शत्रुजीत सिंह	कनीय अभियंता (सिविल)	08.01.2018
9	श्री मो. अरशद अली	प्रोफेशनल सहायक	21.07.2017
10	श्री दिलीप कुमार महोपात्रा	फार्मासिस्ट	22.11.2017
11	श्री जितादित्य जाना	पुस्तकालय सहायक	21.07.2017
12	सुश्री आकांक्षा	पुस्तकालय परिचर	10.07.2017

(सी) गैर-शिक्षण कर्मियों की पदोन्नति

क्रमांक	कर्मी का नाम	पदनाम	नियुक्ति तिथि
1	श्री धीरेन्द्र सिंह	अनुभाग अधिकारी	08.11.2017
2	श्रीमती किरण बेला कुजुर	सहायक	16.10.2017
3	श्री सुदीप कुमार पंडित	प्रवर श्रेणी लिपिक	17.10.2017
4	श्री जितेश कुमार सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	17.10.2017
5	श्री ओम प्रकाश	प्रवर श्रेणी लिपिक	17.10.2017
6	श्री अरूण कुमार झा	प्रवर श्रेणी लिपिक	17.10.2017
7	श्री अरविंद टिग्गा	प्रवर श्रेणी लिपिक	17.10.2017
8	श्री राज कुमार सरदार	प्रयोगशाला सहायक	18.11.2017

Vice-Chancellor
Residence

Science Building

Glimpses of 2nd Convocation

Central University of South Bihar

(Established under the Central Universities Act, 2009)

SH-7, Gaya - Panchanpur Road, P.O.- Fatehpur, P.S. - Tekari, Gaya - 824 326, Bihar

Website: www.cusb.ac.in | Telephone: 0631- 2229507

Printed by :
THE ART GALLERY, PATNA